

पर लडता रहेगा. वो गालीब रहेगा, शीर धसा बिन मरीयम अलयहिस्सलाम उतरेंगे और उस मुसलमान गिरोहका धमाम कहेगा, “आधये नमाज पढाधये” (वो धमाम महुदी होंगे) वो कहेंगे “नही, तुममेंसे ही ओक दूसरे पर धमामत ज़ेगा.”

ये वो जुजुर्गी है जो अल्लाह तआला धस उम्मतको धनायत इरमायेगा (याने धसा अलयहिस्सलाम धमाम महुदीकी धतायत कबूल करेंगे और उन के पीछे नमाज पढ़ेंगे, ये वो जुजुर्गी है )

**भाषा दह :- उस जमानेका भयान जण धमान कबूल ना होगा.**

30४. हजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है की, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सललमने इरमाया, “क्यामत तब तक कायम ना होगी जण तक आइताब पच्छमसे ना निकलेगा, इर जण आइताब पच्छमसे निकलेगा उस वकत सब लोग धमान लायेंगे लेकीन उसहीनका धमान इयदा ना पढ़ोंगायेगा उस शप्सको जो पहेले धमान नही लाया, या उसने धमान के साथ नेकी नही की हो.”

30५. हजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे धसी तरहाकी हदीथ रिवायत है.

30६. हजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है की, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सललमने इरमाया,

“जण तीन भातें जहिर हो ज़येंगी तो उस वकत कीसीको धमान लानेसे इयदा ना होगा, उसे जो पहेलेसे धमान ना लाया हो या नेक काम नही किया हो, ओक तो आइताबका ओधरसे निकलना ओधर डूबता है , दूसरे दज्जलका निकलना, तीसरा दाब्बतुल अर्दका निकलना.”

30७. अबु अर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सललमने अपने सहाभा रहीअल्लाहो अन्होसे ओक दिन इरमाया, “तुम जानते हो के ये सूरज कहां जाता है ?”

उन्होंने कहा, “अल्लाह और उसका रसूल पूज जानता है.”

रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सललमने इरमाया, “ये चलता जाता है यहां तक के अपने इहरनेकी जगह अर्श के तले आता है , वहां सज्देमें गिरता है इर धसी हालमें रहता है यहां तक के उसे हुकम होता है ओंचा हो ज़ और ज़, जहांसे आया है , वो लौट आता है और अपने निकलनेकी जगहसे निकलता है. इर चलता रहेता है यहां तक के अपने इहरनेकी जगह अर्श के तले आता है और सज्द करता है. उसी हालमें रहेता है यहां तक के उसे कहा जाता है ओंचा हो ज़ और लौटज्ज जहांसे आया है. वो निकलता है अपने निकलनेकी जगहसे इर चलता है. धसी तरहां, धसी तरहां ओक बार अलेगा और लोगोको धसकी आलमें कोध ईक माअलुम नही होगा. यहां तक के अपने इहरनेकी जगह पर आयेगा अर्श के तले. उस वकत उससे कहा ज़येगा. ओंचा हो ज़ और निकल ज़ पच्छमकी तरइसे.”

झिर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “तुम जानते हो ये कब होगा? ये उस वकत होगा जब कीसीको धमान लाना शयदा ना पहुँचायेगा, जो पहलेसे धमान ना लाया हो, या उसने नेक काम ना किये हों, अपने धमानमें.”

३०८. अबु उर रहीअल्लाहो अन्होसे धिरी तरहूझी अेक और हदीष रियायत है  
३०९. अबु उर रहीअल्लाहो अन्होसे रियायत है के, मैं मस्जिदमें गया और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम भैंके हुअे थे.

जब अइताब दुब गया तो आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “अब अबु उर, तुं जानता है ये आइताब कहां जाता है?”

मैंने कहा, “अल्लाह और रसूल भूज जानते है”

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “वो अलता जाता है और सजदेकी धज्जत मांगता है, झिर उसे धज्जत मिलती है. अेक बार उसे कहा जायेगा, लौट जा जहांसे आया है. तो वोह निकल आयेगा ! मगरभीकी तरफ से.”

झिर हजरत हजरत अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होकी किराअतकी तरहां आपने युं पढा, “व अलेका मुस्तकररन लडा” (तरजुमा : वो सूरज के ठहरनेका मकाम है.)

३१०. अबु उर रहीअल्लाहो अन्होसे रियायत है के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे पूछा, “अल्लाह के कौल के (आयतके) बारेमें “वश-शम्शु तजरी ले मुस्तकररिल्लाहा.” और सूरज अलता है अपने अेक ठहराव के लिये.”

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “उस के ठहरावकी जगह अर्श (भरी) के नीचे है.”

### भाब ७० :- रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम पर

#### वही उतरना कीस तरहां शइ हुआ धिसक भयान.

३११. अम्मल मुअमेनीन आयेशा सीदीका रहीअल्लाहो अन्होसे रियायत है उन्होंने कहा, “पहेले पहेले जो वही रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम पर शइ हुअ वोह ये थी के आपका ज्वाब सय्या हुोने लगा. तो आप जब कोध ज्वाब देभते वही इजर की रोशनीकी तरहां नमद्दार होता, झिर आपको तन्हाइका शौक हुआ, आप हिरा की गारमें अकेले तशरीफ रभते, वहां धभाहत किया करते, कध रातों तक और घरमें नही आते थे अपना तोशा साथ ले जाते झिर हजरत अम्मल मुअमेनीन हजरत भदीज रहीअल्लाहो अन्हा के पास लौट कर आते वोह धतनाही तोशा और तैयार कर देती, यहां तक की अयानक गारे हिरामें आप पर वही उतरी. आप धस गारे हिरामें थे के, इरीस्ता आप के पास आया और उसने कहा, “पढो”

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “मैं पढा हुआ नहीं हुं.”

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “उस इरीस्तेने मुजे पकडकर दभोया, धतना की मैं थक गया. झिर मुजे छोड दिया और कहा, “पढो,”

“मैंने कहा, मैं पढा हुआ नहीं।”

उसने फिरसे मुझे पकड़ कर दबोचा, यहाँ तक के थक गया फिर छोड़ दिया और कहा, “छक्रय बिरिभ, रग्गिभ-कल-लज्जी भलक..... यअलम” आभीर तक. (सूर्ये अलक : आयत १ से ५)

तरजुमा :- पहलो अपने रभ के नामसे. जसने पयदा किया आहमीको भूतकी इटकसे बनाया, पढो और तुम्हारा रभ ही, सभसे बडा करीम है जसने कलमसे लिखना शिआया, आहमीको शिआया जे ना ज्ञानता था.

ये सुनकर रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम लौटे और आप के भूँडे और गरदन के नीचेका गोश्त इडक रहा था, यहाँ तक के आप हजरत भदीज्ज रहीअल्लाहो अन्हा के पास पहुँचे और आप सललल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “मुजे ढांप हो, ढांप हो,”

उन्होंने ढांप दिया, यहाँ तक के आपका डर जाता रहा, उस वक्त अपनी भीभी हजरत भदीज्ज रहीअल्लाहो अन्हासे कहा, “अय भदीज्ज मुजे क्या हो गया? और सभ हाल बयान किया और कहा, मुजे अपनी ज्ञानका डर है.”

हजरत भदीज्ज रहीअल्लाहो अन्हाने कहा, “हरगीज नहीं, आप ખુश हो जग्में, अल्लाह तआला आपको कभी इश्वा ना करेगा और कभी रंजुदा ना करेगा, अल्लाहकी कसम आप सिलारहमी करनेवाले है, सय जोलनेवाले है, आप (यतीम गरीबों का) भोज उठाते है और नाहार के लिये कमाए करते है और महेमानोंकी भातीरदारी करते है, और (करबदार विगौरह) लोगोंकी आइतोमें मदद करते है.”

फिर भदीज्ज रहीअल्लाहो अन्हा आपको, वरकय बिन नौकिल के पास ले गये और वो उन के यथाजद लाए थे. और जमाना ज़हिलीयतमें वो नसरानी हो गये थे और अरबी लिखना जानते थे तो इन्जुलको अरबीमें लिखते थे, जतना अल्लाहको मन्जुर था. और बहुत भुडे हो चुके थे, उनकी बिनाए ज़ा युकी थी.

हजरत भदीज्ज रहीअल्लाहो अन्हासे उनसे कहा, “अय यथा अपने भतीजेकी (भात) सुनो.”

वरकय बिन नौकिल ने कहा, “अय भेरे भतीजे, !! तुम क्या देभते हो?”

रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने जे कुछ कैशियत देभी थी सभ बयान की.

वरकय बिन नौकिलने का, “ये तो वोही नामूस है जे हजरत भूसा अलयहिरसलाम पर उतरी थी, काश मैं उस जमानेमें जवां, होता, काश मैं जून्दा रहेता उस वक्त तक, जभ तुम्हारी कौम तुमको निकाल देगी.”

रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “क्या वोह मुजे निकाल देंगे?”

वरक्यने कडा, “हां जण कोष शप्स दुनियामें वो लेकर आया जोसको तुम लाये हो (हीनो-शरीयत) तो लोग उस के दुश्मन हो गये, और जो मैं उस दिनको पाऊंगा तो अच्छी तरह, तुम्हारी मदद करूंगा.”

३१२. उम्मुल मुयमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे दुसरी रिवायतभी ऐसी ही है , उसमें धतना इरक है की, हजरत भदीज्ज रहीअल्लाहो अन्हासे कडा, “ कसम अल्लाह की के अल्लाह तुम्हें कभी भी रंजुदा ना करेगा” और भदीज्ज रहीअल्लाहोने वरक्यसे कडा, “अय याया के भंटे सुन, अपने भतीजेकी भात.” और अगली रिवायतमें युं था “अय याया अपने भतीजेकी भात सुन लीजिये.”

३१३. इस रिवायतमें युं है आप लौटे हजरत भदीज्ज रहीअल्लाहो अन्हाकी तरफ और आपका हिल कांप रहा था और उसमें ये जिकर नहीं के सभसे पहले जो वही आप पर शद् हुं वो सच्चा ज्वाब था और पहले ही रिवायत की तरहां उसमें ये है के, कसम भुदाकी अल्लाह आपको कभी इश्वा ना करेगा, और भदीज्ज रहीअल्लाहो अन्हासे वरक्यसे कडा के, अय याया के भंटे अपने भतीजेकी भात सुन लीजिये.”

३१४. ज़ाबीर बिन अब्दुल्ला अन्सारी रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है और वो सहाबामेंसे थे, के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैयहे व आलेहि व सल्लम जिक करते थे वही के मौकुफ हो जाने का और आपने इरमाया, “ ओक बार मैं जा रहा था, मैं ने आसमानसे आवाज सुनी तो मैं ने सर उठाया, देखा तो वही इरीस्ता जो हिरामें भरे पास आया ओक कुरशी पर बैठा है. आसमान और जमीन के बीचमें, ये देभकर मैं उर के भारे सहम गया और लौट कर घरमें आया, मैंने कडा मुझे कपडा उण्डा हो, मुझे क्या उण्डा हो,”

उन्होंने कपडा उण्डा दिया तब अल्लाह तआलाने ये सूत उतारी, “या अय्योहल मुह-दस्सिरु ..... इह-गुर” (सुर-अे-मुह-दस्सिर आयत : १ से ५ )

तरजुमा : अय (बालापोश ) कपडा ओढनेवाले भंटे हो जाओ, फिर उर सुनाओ और अपने रण ही की बणाध बोली, और अपने कपडे पाक रज्जो, और भुतोंसे दूर रहो. (यहां वर-इज्ज इह-गुरसे भुतोंसे दूर रहने के भायने लिये गये है ) और फिर वही बराबर आने लगी.”

३१५. ज़ाबीर बिन अब्दुल्ला अन्सारी रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है, इसमें ये है, “ ये देभकर मैं उर के भारे सहम गया और जमीन पर गिर पडा,”अबु सलमासे रिवायत है, पलीदीसे भुतोंसे दूर रहने के भायने लिये गये है”

३१६. इसी सनह के साथ अहरीसे रिवायत है, युनुसकी हदीषकी तरहां, और उसने कडा, तो अल्लाहने सूरये मुहस्सीर को नाजिल किया, “अय बालापोश ओढनेवाले,.. और भुत परस्तीसे दूर रहो... इससे पहले के नमाज ईर्झकी जाये, यहां पलीदीसे मुराह वो भुत है , और उसने कडा, इज्जत भिन्ही. जैसे अकीलने कडा,

३१७ . याहयसे रिवायत है मैंने अबु सलमासे पुछा, “सभसे पहले कुरआनमेंसे क्या उतारा, उन्होंने कडा, याहया ! अल मुहस्सिर उतरी.”

મૈને કહા, ‘યા ઇકરા?’

ઉન્હોને કહા, “ મૈને જાબિર બિન હજરત અબ્દુલ્લાહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે પુછા, કુરઆનમે સબસે પહેલે કયા ઉતરા?”

ઉન્હોને કહા, “યાહયા, અલ મુદ્દસિર”

મૈને કહા, “યા ઇકરા” ?

હજરત જાબીર રદીઅલ્લાહો અન્હોને કહા, મૈ તુમસે વો હદીષ બયાન કરતા હું જો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને હમસે બયાન કી થી, આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “મૈ હિરામૈ એક મહિને તક રહા, જબ મેરી રહેનેકી મુદત પુરી હો ગઇ તો મૈ ઉતરા ઔર વાદી કે અન્દર ચલા કીસીને મુજે આવાઝ દી મૈને સામને ઔર પીછે ઔર દાહિને ઔર બાયે દેખા, કોઇ નઝર ના આયા, ફિર કીસને મુજે આવાઝ દી, મૈને દેખા, કીસીકો ના પાયા, ફિર કીસીને મુજે આવાઝ દી તો મૈને સર ઉપર ઉઠાયા દેખા તો, વો હવામૈ એક તખ્ત પર હૈ. યાની જીબ્રીલ અલયહિરસલામ, મુજે યે દેખ કર સખ્ત કપકપી આ ગઇ. તબ મૈ ખદીજા રદીઅલ્લાહો અન્હા કે પાસ આયા ઔર મૈને કહા મુજે કપડા ઉઘડા દો, ઉન્હોને કપડા ઉઘડાયા ઔર મેરે ઉપર પાની ડાલા. તબ અલ્લાહ તઆલાને યે આયત નાઝિલ ફરમાઇ. “યા અય્યોહલ મુદ્દસિર.... સે ફતહિર તક.”

૩૧૮. યાહયાસે દુસરી રિવાયતભી ઔસી હી હૈ ઈસમે ઔસા હૈ “જો આસમાન ઔર જમીનકે દરમિયાન એક તખ્ત પર થૈ.”

**બાબ ૭૧ :- રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમકા**

**આસમાનો પર તશરીફ લેજાના ઔર નમાઝોકા ફર્જ હોના. (મેઅરાજકા બયાન)**

૩૧૯. હજરત અનસ બિન માલીક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “મેરે સામને ખુરક લાયા ગયા, ઔર વો એક લમ્બા જાનવર હૈ સુફેદ રંગકા, ગધેસે ઊંચા ઔર ખચ્ચરસે છોટા, વો અપને કદમ વહાં પહોંચાતા હૈ જહાં તક નિગાહ પહોંચતી હૈ. (મતલબ નૂરકી કિરનોસેભી જયાદા નજરકી સ્પીડ હૈ ઉસ સ્પીડસે ભાગતા હૈ) મૈ ઉસ પર સવાર હુઆ ઔર બયતુલ મુકદ્દસ તક આયા. વહાં ઉસે હલ્કેસે બાંધ દીયા જીસસે અંબિયા અપને અપને જાનવરોકો બાંધા કરતે થૈ. ફિર મૈ મસ્જીદ કે અંદર ગયા, દો રકઅત નમાઝ પઢી. બહાર નિકલા તો હજરત જીબ્રીલ અલયહિરસલામ દો બરતન લેકર આવે, એકમૈ શરાબ થી ઔર એક મૈ દૂધ. મૈને દૂધ પસંદ કિયા, જીબ્રીલ અલયહિરસલામ હમારે સાથ આસમાન પર અહે તો ફરિસ્તોસે દરવાઝા ખોલને કે લિયે કહા, ઉન્હોને પૂછા ‘કૌન હૈ ?’ જીબ્રીલને કહા, ‘જીબ્રીલ હૈ’

ઉન્હોને કહા, ‘તુમહારે સાથ દુસરા કૌન હૈ ?’

જીબ્રીલને કહા, ‘મુહમ્મદ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ હૈ.’

ફરિસ્તોને પુછા, ‘કયા વો ખુલાએ ગયે થૈ?’ જીબ્રીલને કહા, ‘હાં ખુલાએ ગયે હૈ.’

झिर दरवाज़ा ढोला गया, हमारै लिये और हमने आहम अलयहिस्सलामको देभा, उन्हींने भरहुणा कडा और मेरे लिये बहेतरीकी दुआ की झिर हमारै साथ दुसरे आसमान पर अहे और दरवाज़ा ढुलवाया,

झरीस्तोने पुछा, 'कौन है?' जवाब दिया, 'जुब्रील'

पुछाके, 'तुम्हारे साथ दुसरा कौन है?'

कडा, 'मुहम्मद सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम है.'

झरीस्तोने पुछा, 'क्या उनको बुलानेका हुकम हुआ था?'

जुब्रीलने कडा, 'हां उनका हुकम हुआ है.'

झिर दरवाज़ा ढोला तो, मैंने दोनो जालाज़ाह त्वाह्योंको यानी धसा अलयहिस्सलाम और याहया बिन अकरीया अलयहिस्सलामको देभा, उन दोनोंने भरहुणा कडा और मेरे लिये बहेतरी की दुआ की.

झिर हमारै साथ जुब्रील अलयहिस्सलाम तीसरे आसमान पर अहे.

झरीस्तोने पुछा, 'कौन है?' जवाब दिया, 'जुब्रील'

पुछाके, 'तुम्हारे साथ दुसरा कौन है?'

कडा, 'मुहम्मद सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम है.'

झरीस्तोने पुछा, 'क्या उनको बुलानेका हुकम हुआ था?'

जुब्रीलने कडा, 'हां उनका हुकम हुआ है.'

झिर दरवाज़ा ढुला तो मैंने हजरत युसुफ़ अलयहिस्सलामको देभा अल्लाहने हुस्तका आधा हिस्सा उनको दिया था उन्हींने मुझे भरहुणा कडा और मेरे लिये नेक दुआओं की.

(तरजूमा) : और हमने उसे जुलुह मकान पर उठा लिया. (सूरे भरियम:५७)

झिर जुब्रील अलयहिस्सलाम हमारै साथ पांचवे आसमान पर अहे. झरीस्तोने पुछा, 'कौन है?'

जवाब दिया, 'जुब्रील' पुछाके, 'तुम्हारे साथ दुसरा कौन है?'

कडा, 'मुहम्मद सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम है.'

झरीस्तोने पुछा, 'क्या उनको बुलानेका हुकम हुआ था?'

जुब्रीलने कडा, 'हां उनका हुकम हुआ है.'

झिर दरवाज़ा ढुला तो मैंने धदरीश अलयहिस्सलामको देभा उन्हींने भरहुणा कडा और मुझे अच्छी दुआ दी (धद्रीस अलयहिस्सलाम के लिये) अल्लाह जल्लो जलालहुने इरमाया, "व रइयनाहु मकान आलियह"

(तरजूमा) : और हमने उसे जुलुह मकान पर उठा लिया. (सूरे भरियम:५७)

झरीस्तोने पुछा, 'कौन है?' जवाब दिया, 'जुब्रील'

पुछाके, 'तुम्हारे साथ दुसरा कौन है?'

कडा, 'मुहम्मद सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम है.'

ફરીસ્તોને પુછા, 'કયા ઉનકો બુલાનેકા હુકમ હુગ્યા થા?'

જીબ્રીલને કહા, 'હાં ઉનકા હુકમ હુગ્યા હૈ.'

ફિર દરવાજા ખુલા તો મૈને હજરત હાફિઝ અલયહિસ્સલામકો દેખા ઉન્હોંને મરહુબા કહા ઓર મુજે નેક દુઆએં દી.

ફિર જીબ્રીલ અલયહિસ્સલામ હમારે સાથે છઠ્ઠે આસમાન પર પહોંચે.

ફરીસ્તોને પુછા, 'કૌન હૈ?' જવાબ દિયા, 'જીબ્રીલ'

પુછાકે, 'તુમહારે સાથ દુસરા કૌન હૈ?'

કહા, 'મુહમ્મદ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ હૈ.'

ફરીસ્તોને પુછા, 'કયા ઉનકો બુલાનેકા હુકમ હુગ્યા થા?'

જીબ્રીલને કહા, 'હાં ઉનકા હુકમ હુગ્યા હૈ.'

ફિર દરવાજા ખુલા તો મૈને હજરત મૂસા અલયહિસ્સલામકો દેખા ઉન્હોંને મરહુબા કહા ઓર મુજે અચ્છી દુઆએં દી.

ફિર જીબ્રીલ અલયહિસ્સલામ હમારે સાથ સાતવેં આસમાન પર પઢે.

ફરીસ્તોને પુછા, 'કૌન હૈ?' જવાબ દિયા, 'જીબ્રીલ'

પુછાકે, 'તુમહારે સાથ દુસરા કૌન હૈ?'

કહા, 'મુહમ્મદ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ હૈ.'

ફરીસ્તોને પુછા, 'કયા ઉનકો બુલાનેકા હુકમ હુગ્યા થા?'

જીબ્રીલને કહા, 'હાં ઉનકા હુકમ હુગ્યા હૈ.'

ફિર દરવાજા ખુલા તો મૈને ઈબ્રાહીમ અલયહિસ્સલામકો દેખા. વો બયતુલ માઝમુર કી તરફ અપની પીઠકા તકિયા લગાએ બેઠે થે. ઓર ઈસમેં હર રોજ સિત્તેર હજાર ફરીસ્તે દાખિલ હોતે હૈ જો ફિર કભી નહીં આતે.

ફિર જીબ્રીલ અલયહિસ્સલામ, મુજકો સિજરતુલ મુન્તહા કે પાસ લે ગએ, ઈસ કે પત્તે ઇતને બંડે થે જેસે હાથી કે કાન ઓર ઈસ કે ફલ કિલાઅમ જેસે થે (બંડે મટ કે જેસે)... ફિર જબ અલ્લાહ કે હુકમને ઈસ દરખ્તકો ઢાંકા તો ઈસકા હાલ ઐસા હો ગયા કી મખ્લુકમેંસે કોઇ ભી ઈસકી ખૂબસૂરતી બયાન કર શક્તા નહીં. ફિર અલ્લાહ જલ્લો જલાલહુને મેરે દિલમે જો કુછ ડાલા ના થા વો ડાલ દિયા ઓર મુજ પર પચાસ નમાઝેં રાત ઓર દિનમે ફરજ કી ગઈ. જબ મેં વહાંસે ઉતરા ઓર મૂસા અલયહિસ્સલામ કે પાસ પહુંચ્યા તો ઉન્હોંને કહા, 'તુમહારી ઉમ્મત પર તુમહારે પરવરદિગારને કયા ફર્ઝ કિયા?' મૈને કહા, 'પચાસ નમાઝેં ફર્ઝ કી.'

ઉન્હોંને કહા, 'ફિર વાપસ જાઓ અપને પરવરદિગાર કે પાસ ઓર ઈસમેં કુછ કમી ચાહો, કયું કી તુમહારી ઉમ્મતકો ઇતની તાકત ના હોગી, ઓર મૈને બની ઈસરાઇલકો આઝમાયા હૈ ઓર ઉનકા ઇમ્તેહાન લિયા હૈ.'

મેં લૌટ ગયા અપને પરવરદિગાર કે પાસ ઓર અર્ઝ કિયા, 'અય પરવરદિગાર, મેરી ઉમ્મત પર (કુછ નમાઝેં) કમ કર. અલ્લાહ તઆલાને પાંચ નમાઝે ઘટા દી, મેં લૌટ કર હજરત મૂસા

अलयहिस्सलाम के पास आया, और कहा 'मुझे अल्लाह तआलाने पांच नमाजें मुआफ़ कर दीं.'

उन्होंने कहा, 'तुम्हारी उम्मतको घतनी ताकत ना होगी, तुम फिर जाओ अपने रज के पास और कभी करवाओ. आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया में इस तरहों भराभर अपने परवरदिगार और भूसा अलयहिस्सलाम के दरमयान आता जाता रहा यहां तक 'के अल्लाह जल्लो जलालहुने इरमाया, 'अथ मुहुम्मद ! (सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम) वो पांच नमाज हैं हर दिन और रातमें, और हर एक नमाजमें दस नमाजका सवाब है, तो यही पचास नमाजें लुध और जो कोश शप्स नियत करे नेक काम करनेकी इर इसको ना करे तो एक नेकीका सवाब मिलेगा और करे तो दस नेकीका सवाब मिलेगा. और जो कोश शप्स नियत करे भुराह की फिर उसे ना करे तो कुछ ना लिप्षा जायेगा और अगर करे जैसे तो एक यही भुराह लिप्षी जायेगी.'

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, 'फिर मैं उतरा और भूसा अलयहिस्सलाम के पास आया, उन्होंने कहा, 'फिर जाओ अपने परवरदिगार के पास और कुछ और कम करावाओ.'

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, 'मैं अपने परवरदिगार के पास फिर फिर के जाता रहा यहां तक 'के मैं उससे शरमा गया.  
३२०. हजरत अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है 'के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया के आये और मुझे ले गये जमजम के पास फिर मेरे सीनेको चाक किया गया, और जमजम के पानीसे धोया गया और फिर मुझे अपनी जगह पर छोड दिया गया.

३२१. हजरत अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है 'के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के पास ज़ब्रील अलयहिस्सलाम आये और उस वक्त आप लडकों के साथ भेल रहे थे, उन्होंने आपको पकडा और पछाडा और हिलको चीर कर निकाला, फिर इसमेंसे एक इटकी जुदा कर डाली. जमे लुग्मे भूनका टूकडा जुदा किया और कहा, तुममें घतना हिस्सा, शयतानका था.

इस हिलको सोने के तश्तमें जमजम के पानीसे धोया गया. (ये एक तरहांकी हाट सजरी थी, सोना जंतुको रोकता है जमजमका पानी जंतुरहित है) इसे फिर जोडा गया और अपनी जगहमें रप्षा और लड के भागते लुग्मे आपकी माँ के पास (यानी हलीमा सअदिया के पास) यानी आपकी अया के पास और कहा मुहुम्मद (सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम) मार डाले गये, ये सुनकर लोग हौंस, देखा तो आप सहीह और सलामत हैं, आपका रंग बहल गया है.

हजरत अनस रहीअल्लाहो अन्होने कहा मैं उस सिलाहका निशान आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के सीने पर देખता था जो हजरत ज़ब्रील अलयहिस्सलामने आप के सीनेको चाक करते वक्त की थी.

उ२२. शरीक बिन हजरत अब्दुल्लाहसे रिवायत है, मैंने हजरत अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे सुना, वो भयान करते थे, उस रातका जण मेअराज हुं, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमको डाभाडी मरजुहसे आप के पास तीन इरीस्ते आये, वही आनेसे पहले और आप मरजुहमें सो रहे थे फिर भयान किया हदीषको धरसी तरहां जैसे साबितने रिवायत किया हजरत अनस रहीअल्लाहो अन्होसे, लेकिन आगे भयान किया बाअज भातोंको और पीछे भयान किया बाअज भातोंको और (कुछ) गयादा और कम किया (भयानमें)

उ२३. हजरत अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, अबु जर गिकारी रहीअल्लाहो अन्हो हदीष भयान करते थेके, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया,

मेरी मकानकी छत तोडी गइ और (उस वक्त) मैं मकामें था और ज़ुब्रील अल्यहिस्सलाम उतरे उन्होंने मेरा सीना चीरा, डीर उसे जमजम के पानीसे धोया, फिर अेक सोनेका तश्त लया, ज़ुसमे हिकमत और धमान भरा हुआ था और धसे मेरे सीनेमें उडल दिया और धस के बाद सीनेको मल दिया और मेरा हाथ पकड कर आसमान पर पहुँचे तो ज़ुब्रील अल्यहिस्सलामने वहां के कदीद भरदारसे कहा के, भोल.

उसने पुछा कौन है ?

ज़ुब्रील अल्यहिस्सलामने जवाब दिया, ज़ुब्रील

पुछा, और ली कोइ तुम्हारे साथे है?

जवाब दिया, हां, मुहम्मद सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम है.

पुछा गया, वो बुलाये गये है ?

जवाब दिया, हां तब उसने दरवाजा भोला.

जण हम आसमान के उपर गये तो अेक शप्सको देखा ज़ुसकी दाहिनी तरफ़ जुंड थे और बांछ तरफ़ ली जुंड थे वो जण दाहिनी तरफ़ देभते तो, हुंसते और बांछ तरफ़ देभते तो रोते, धसने मुजे देभकर कहा “मरहूबा” अय नेक भन्त, नभी सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम और नेक भन्त भेते.

मैंने ज़ुब्रील अल्यहिस्सलामसे पूछा, ये कौन है ?

उन्होंने कहा ये आहम अल्यहिस्सलाम हैं, और ये ज़े लोणों के जुंड उन के दायें भायें है , ये उनकी औलाद है. दाहिनी तरफ़ जन्नतमें जानेवाले लोग है और बांछ तरफ़ दोज़भमें जानेवाले लोग हैं. धस लिये जण वो बांछ तरफ़ देभते है, तो रो देते है.

फिर आप सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “ज़ुब्रील अल्यहिस्सलाम मुजे दुसरे आसमान पर लेकर पहुँचे और धस के चौडीदारसे कहा दरवाजा भोल उसने ली अेसा ही कहा जैसा पहले आसमान के चौडीदारने पुछा था फिर दरवाजा भोला.

હજરત અનસ બિન માલિક રદીઅલ્લાહો અન્હોને કહા, રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને આસમાનોં પર હજરત આદમ, ઇદ્રીસ, ઇસા, મૂસા ઔર ઇબ્રાહીમ અલયહિરુસ્સલામસે મુલાકાતકી ઔર યે બયાન નહીં ક્રિયા કે ઉનમંસે હર અ કે કૌમસે આસમાન પર મિલા. પર ઇતના કહા કે આદમ અલયહિરુસ્સલામસે પહેલે ઔર ઇબ્રાહીમ અલયહિરુસ્સલામસે ઇવ્રે આસમાનમેંજબ જીબ્રીલ અલયહિરુસ્સલામ ઔર આ હજરત ઇદરીશ અલયહિરુસ્સલામ કે પાસસે ગુજરે તો ઉન્હોંને કહા “મરહુબા અય નબી સાલેહ, ઔર ભાઈ સાલેહ” આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને પુછા યે કૌન હે ?

જિબ્રીલને કહાં, યે ઇદ્રીસ હે. (અલયહિરુસ્સલામ)

મૈં હજરત મૂસા અલયહિરુસ્સલામ પરસે ગુજરા ઉન્હોંનેકા “મરહુબા, અય નબી સાલેહ ઔર ભાઈ સાલેહ.”

મૈંને પૂછા, યે કૌન હે ? જીબ્રીલને કા, મૂસા હૈં, (અલયહિરુસ્સલામ)

ફિર હજરત ઇસા અલયહિરુસ્સલામ પર સે ગુજરા ઉન્હોંને કહા, “મરહુબા અય નબી સાલેહ ઔર ભાઈ સાલેહ”

મૈંને પુછા, યે કૌન હે , ઉન્હોંને કહા, યે ઇસા અલયહિરુસ્સલામ કે બંટે

ફિર મૈં હજરત ઇબ્રાહિમ અલયહિરુસ્સલામ પરસે ગુજરા ઉન્હોંને કહા, “મરહુબા, અય નબી સાલેહ ઔર બંટે સાલેહ”

મૈંને પૂછા યે કૌન હે ? ઉન્હોંને કહા, યે હજરત ઇબ્રાહીમ અલયહિરુસ્સલામ હે.

ઇબ્ને સદાબ રહમતુલ્લાહ અલયહેને કહા મુજસે ઇબ્ને હુઝમને બયાન ક્રિયા કે હજરત ઇબ્ને અબ્બાસ રદીઅલ્લાહો તઅાલા અન્હો ઔર અબુ હથ્થા અન્સારી રદીઅલ્લાહો અન્હો દોને કહતે યે કે રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “ફીર મૈં યદાયા ગયા એક બુલંદ મકામ પર વહાં મૈં સુનતા થા કલીમોકી આવાઝ.

ઇબ્ને હુઝમ ઔર હજરત અનસ રદીઅલ્લાહો અન્હો બિન માલિકને કહા, રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “ફિર અલ્લાહ તઅાલાને મેરી ઉમ્મત પર પચાસ નમાઝે ફર્જ કી.

મૈં લૌટ કર આયા, જબ મૂસા અલયહિરુસ્સલામ કે પાસ પહુંચ્યા તો ઉન્હોંને પુછા અલ્લાહને કયા ફર્જ કીયા તુમહારી ઉમ્મત પર ? મૈંને કહા પચાસ નમાઝે ઉન પર ફર્જ કી હે , મૂસા અલયહિરુસ્સલામને કહા, તુમ ફિર લૌટ જાઓ અપને રબ કે પાસ કયોંકિ તુમહારી ઉમ્મત મૈં ઇસ કદર તાકત નહીં હે. મૈં લૌટ કર ગયા અપને પરવરદિગાર કે પાસ ઇસને એક હજાર મુઆફ કર દીયા. ફિર મૈં લૌટ કર ગયા. હજરત મૂસા અલયહિરુસ્સલામ કે પાસ આપ ઔર ઉનસે બયાન કીયા. ઉન્હોંને કહા, લૌટ જાઓ અપને પરવરદિગાર કે પાસ કયોંકિ તુમહારી ઉમ્મતકો ઇતની તાકાત નહીં હે. ફીર લૌટ ગયા અપે પરવરદિગાર કે પાસ. ઉસને ફરમાયા, “પાંચ નમાઝે હે ઔ રવો પચાસ કે બરાબર હે મેરે યહાં બાત યહી બદલતી આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “મૈં ફિર લૌટ કર આયા મૂસા

અલયહિસ્સલામ કે પાસ ઉન્હોંને કહા, ફિર જાઓ અપને પરવરદિગાર કે પાસ મૈને કહા, મુજે શર્મ આઇ અપને પરવરદિગાર સે.

ફિર જીબ્રીલ અલયહિસ્સલામ મુજે લેકર ચલે સિદરતુલ મુન્તહા કે પાસ ઉપર પર એસે રંગ ચઢ ગયે થે જીનકો મૈને નહી સમજતા. વો કયા રંગ થે ? ફિર મુજે વો જન્તમં લે ગયે વહાં મૌતિયોં કે ગુંબજ થે ઔર ઉસકી મીટી મુશ્ક કી થી.

૩૨૫. હજરત અનસ બિન માલિક રદીઅલલાહો અન્હોંસે રિવાયત હૈ કી, ઉન્હોંને શાયદ માલિક બિન શઅશઅસે સુના જો ઉનકી કૌમ કે એક શખ્સ થે. યે રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “મૈને ખાનાએ કાબાકી પાસ થા ઔર મેરી હાલત ખ્વાબ ઔર બેદારી કે બીચમે થી. ઇતનેમે મૈને સુના એક શખ્સકો જો કહતા થા કિ હમ દોનોમેસે તેરા થે હે. યાની રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ ફિર મેરે પાસ આયે ઔર મુજકો લે ગયે. ફિર મેરે પાસ એક સોનેકા તશ્ત લાયા ગયા ઉસમે ઝમઝમકા પાની થા ઔર મેરા સીના ચહાસે યહાં તક ચીરા ગયા. કતાદાહને કા, જો ઇસ હદીષકા રાવી હૈ કે, મૈને અપને સાથીસે પુછા ઇસસે મુરાદ કયા હૈ ? ઉન્હોંને કહા, યાની પેટ કે નીચે તક ચીરા ગયા ઔર ઉસમેસે દિલ નીકાલા ગયા ઔર ફિર ઝમઝમ કે પાનીસે ધોયા ગયા ઔર ફિર અપની ઝગહ પર રખ દિયા ગયા ઔર ઇમાન ઔર હિકમતસે ભર દીયા ગયા.

ફિર એક સફેદ રંગકા જાનવર લાયે જીસકો બુરાક કતે થે. ગધેસે ઊંચા ઔર ખચ્ચરસે નીચા. વો અપના કદમ વહાં રખતા થા જહાં તક ઉસકી નીગાહ પહોંચતી થી. મુજકો ઉસ પર સવાર કિયા ગયા. ફિર હમ ચલે યહાં તક કી પહેલે આસમાન પર આયે.

જીબ્રીલને દરવાજા ખુલવાયા....(ફીર પુરી હદીષ વોહી હૈ જૈસી ઊપર હૈ....)

દરવાજા ખુલા ઔર ફરીશ્તોને કહા, મરહુબા ! આપકા તશરીફ લાના મુબારક હો. ફિર હમ આદમ અલયહિસ્સલામ કે પાસ આયે ઔર હદીષકા પુરા કીસ્સા બયાન કીયા ઔર ઝિક્ર કિયા કી આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને દુસરે આસમાન પર ઇસા ઔર યાહયા સે, તીસરે આસમાન પર યુસુફ સે, ચોથે આસમાન પર ઇદ્રીસસે, પાંચવે આસમાન પર હાઝનસે મુલાકાત કી. (અલયહિસ્સલામ)

ફિર ચલે ઔર ઇટ્ટે આસમાન પર પહોંચે વહાં મૂસા અલયહિસ્સલામસે મીલે ઉનકો મૈને સલામ કિયા, ઉન્હોંને કહા, “મરહુબા ! નેક ભાઈ ઔર નેક નબી કો, જબ મૈને આગે બઢાં તો વો રોને લગે, આવાઝ આઇ અય મૂસા ! કયો રોતે હો? ઉન્હોંને કહા, અય પરવરદિગાર ઇસકી બન્દકો તુને મેરે બાદ પયગમ્બર કીયા ઔર ઇસકી ઉમ્મત મેસે મેરી ઉમ્મતસે જયાદા લોગ જન્તમં જાથેંગે.”

ફિર આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “હમ ચલે સાતવે આસમાન પર પહોંચે, વહાં મૈને ઇબ્રાહીમ અલયહિસ્સલામકો દેખા ઔર બયાન કિયા ઇસ હદીષમે કી રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “મૈને ચાર નહેરે દેખી જો સીદરતુલ મુન્તહાકી જડસે નીકલતી થી દો નહેરે ખુલી થી ઔર દો નહેરે ઢપી થી.

मैंने कहा, अथ ज़ुब्रील अलयहिस्सलाम ये नहरे कैसी है ? उन्होंने का, ढंकी लुछ हो नहरे जन्ततमें गछ है , और जुली लुछ नहरे नील और कुरात है. (नाछल और युफ़ैदिस नदीयां)

किर मेरे लिये जयतुल मअमुरको उठाय़ा गया, मैंने कहा, अथ ज़ुब्रील, ये क्या है ? उन्होंने कहा, ये जयतुल मअमुर है इसमें हर रोज़ सित्तेर हज़ार इरिस्ते, जाते है जो इर कभी (होभारा) वापस नही आते. पस यही उनका आभिर आना है. किर मेरे पास हो भरतन लाये गये. अेकमे शराब थी और अेक मे दुध. होनो मेरे सामने पेश कीये गये मैंने दुधको पसंद कीया, आवाज आछ ठीक कीया तुमने. अल्लाह ! तुम्हे सही रास्ते पर लाया और तुम्हारी उम्मत ली तुम्हारे रास्ते पर चलेगी.

किर मेरे उपर हर रोज़ पचास नमाजे इर्ज लुछ. किर सारा किस्सा आभिर तक जयान किया.

उरप. मालिक बिन शअशर रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है रसुलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “वही हदीष जो उपर गुजरी वो छतना जयाहह है की मेरे पास अेक तस्त लागा गया सोनेका जो लरा लुआ था. हिकमत और छमान से.

किर सीनेको खीरा गया पेट के नीचे तक और जमजम के पानीसे धोया गया और हिकमत और छमान लरा गया.

उरद. कताहहसे रिवायत है, “मैंने अबु आलीयासे सुना वो कहते थे, मुझे हदीष जयानकी तुम्हारे पयगम्बर रसुलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के अयाजद लाछने, यानी हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्जास रदीअल्लाहो अन्होसे. रसुलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने मेअराजका जिकर किया, तो इरमाया, “मूसा अलयहिस्सलाम गन्दुमी रंग के अेक लम्बे आहमी थे. या सनुवाल के आहमी और इसा अलयहिस्सलामको धूधराले बालवाले भीयाना कद के और मालिकका जयान कीया जो के जहन्नुमका दारोगा है और हज़रतका जिक किया.”

उर७. कताहहसे रिवायत है उन्होंने अबुल आलियाहसे सुना, उन्होंने कहा के तुम्हारे अया के जेते हज़रत छप्ने अब्जासने हदीष जयान की (रदीअल्लाहो अन्हो) के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया,

“जस रात मुझे मेअराज लुछ, मैं मूसा बीन छमरान अलयहिस्सलाम के (पास)से गुजरा, वो अेक गंदुमी रंगके, लम्बे आहमीथे धूधराले बालवाले, जैसे (कभीला) शनुआ के आहमी होते हैं.”

और मैंने हेजा इसा बिन भरियम अलयहिस्सलामको वोह भियाना कद, सूर्ष और सुफ़ेद रंग था, उन के बाल सप्त (लटवाले, लम्बे) छटे लुअे, आपको होजभ के मालिक और दारोगाको हिललाया गया और हज़रतको (हिल्लाय़ा गया), “उन निशानीयाँको जो के अल्लाहने आपको हिललाछ और मूसा अलयहिस्सलामसे मुलाकात के बारमें शक मत करो.” (सुरअे सजदह-२३)

रावीने कहा के, कताहल धस (उपरी) आयातकी यही तक्षीर करते है , के नभी सल्लल्लाहो अलयहे व आलेह्लि व सल्लमने मूसा अलयह्लिस्सलामसे मुलाकात की।  
उर८. अब्दुल्लाह धप्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेह्लि व सल्लम, (जभ) वाहीअे अजरकसे गुजर तो पूछा, “ये कौनसी वाही है?”

सहाबाने कहा, ‘वाहीअे अजरक.’

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, ‘गोया के मैं मूसा अलयह्लिस्सलामको देभ रहा हुं. वो थोटीसे उतर रहे है. और आवाजसे लब्बैक पुकार रहे हैं. फिर आप हरसाकी (टेकरी की) थोटी पर आये,’ (महीना और शाम के बीच)  
आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमनेपुछा, ‘ये कौनसी टेकरी है?’

सहाबाने कहा, ‘ये हरसाकी टेकरी है.’

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, ‘गोया के मैं देभ रहा हुं युनुस अलयह्लिस्सलाम बिन मन्की, वो अेक सूर्भ घूरी दुध छिंटनी पर सवार हैं और वो बालोंका अेक जल्मा पहने हुये हैं, (उनका जल्मा) उनकी छिंटनीकी नकेल भल्मा की दुध है और वो लब्बैक कहे रहे है.’

धप्ने हंभर रहमतुल्लाह अलयहेने अपनी हदीषमें बयान किया है के, ‘भल्मासे हसीमने नीक मुराह लिया है याने की भजर के दरभ्तकी छाल,’

उर९. हजरत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, ‘हम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेह्लि व सल्लम के साथ जा रहे थे, मकका और महीना के बीच अेक वाहीसे गुजरना हुआ,’

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने पूछा, ‘ये कौनसी वाही है?’

लोगोंने कहा, ‘वाहीअे अजरत’

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, ‘मैं देभ रहा हुं मूसा अलयह्लिस्सलाम को. फिर उन के रंग और बालों के बारेमें बयान किया, जो दाउह्ल बिन अपनी ह्लिन्हको (यानी धस हदीष के रावी को) याह ना रहा,

“और उंगलियां कानोंमें रब्भी दुध है और अल्लाहको पुकार रहे हैं. आवाजसे लब्बैक कहे कर धस वाहीसे जा रहे हैं. ”

हजरत अब्दुल्लाह बिन अब्बासने कहा फिर हम आगे बणहे, यहां तक के अेक टेकरी पर पहुँचे, आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, ‘ये कौनसा टेकरी है?’

लोगोंने कहा, ‘हरसाका या लक्ष्त का.’

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, ‘गोया के मैं देभ रहा हुं युनुस अलयह्लिस्सलामको अेक सूर्भ छिंटनी पर अेक (उनका) सूर्का जल्मा पहने हुये और

उनकी छिंटनीकी नकेल भणुरकी छालकी जनी दुध है. (अल्फा) इस वादीमें लब्बेक कहते दुअे ज़ रहे हैं.”

मुग़ाहदसे रिवायत है इम हज्जत अज्जुदल्लाह बिन अज्ज्बास के पास जैके थे, लोगोंने दण्जलका जिक्र किया और कहा की ‘उसकी दोनों आंभो के बीच काकिरका लब्ब लिज्जा हुआ होगा.’

३३०. हज्जत एब्ने अज्ज्बासने कहा, “थे तो मैंने नहीं सुना, लेकिन आप सल्लल्लाहो अलैयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “एब्राहीम तो जैसे हैं जैसे आप अपने साहुभको (नबीअे करीम सल्लल्लाहो अलैयहे व आलेहि व सल्लम)को देभते हो और मूसा अलैयहिस्सलाम अेक जैसे शिषीयत है ज़सका रंग घेंठिया (गन्दुमी), घुघरावे जाल या घुटे दुअे बहनवाले, सूर्ण छिंट पर सवार हैं, ज़सकी नकेल भणुर की छाल की है, गोयामें उनकी देभ रहा हुं, जब वादीमें उतरते हैं तो लब्बेक कहते हैं.”

३३१. ज़बीर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “मेरे सामने पयगंजरोकी (अलैयहिमुस्सलाम)को लाया गया, तो मूसा अलैयहिस्सलाम तो दरम्याना कह के आदमी जैसे थे, जैसे सनवह के लोग होते हैं और मैंने इसा बिन मरीयम अलैयहिस्सलामको देभा, उन के जैसे मुसाजेहतमें मैं अरवह बिन मसजिदको पाता हुं, और मैंने एब्राहिम अलैयहिस्सलामको देभा ज़नको मुसाजेहतमें, सजसे जयादा आप के साजेहको पाता हुं, और मैंने ज़ब्रील अलैयहिस्सलामको (एन्सानी शकलमें) देभा दहया (रहीअल्लाहो अन्हो)को उन की मुसाजेहतमें पाता हुं. और एब्ने इम्ह की रिवायतमें है के, दहया ज़ीन जलीक़ा (को पाता हुं)

३३२. हज्जत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब आपको मेअराज़ दुध, के मैं मूसासे मिला. फिर आप सल्लल्लाहो अलैयहे व आलेही व सल्लमने उन की सूत जयान की, मैं जयाल करता हुं, आप सल्लल्लाहो अलैयहे व आलेही व सल्लमने जैसे इरमाया, “वो लम्बे छरहरे थे, सीधे जालवाले जैसे सनवह के लोग होते हैं.

और इरमाया के मैं इसा अलैयहिस्सलामसे मिला, फिर आप सल्लल्लाहो अलैयहे व आलेही व सल्लमने उन की सूत जयान इरमाय, वो दरम्यानी काम त के थे, सूर्ण रंग के थे जैसे कोध ज़बी अज़ी हुम्मासे निकला हो. (तरोताज़ा)

और आप सल्लल्लाहो अलैयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “मैंने एब्राहिम अलैयहिस्सलामसे मिला, तो उन की औलाहमें उनसे सजसे जयादा मुसाजेहत में रभता हुं.

आप सल्लल्लाहो अलैयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “फिर मेरे सामने दो ज़रतन लाये गये, अेक मे दूध था और अेक में शराब थी. और मुजे कहा गया, ज़से जाहो पसंद कर लो. मैंने दूधका ज़रतन ले लिया, और दूध पी लिया, उस (इरीस्ते)ने कहा,

તુમ્હે કિતરત કી રાહ મીલ ગઈ, યા તુમ અપની કિતરતકો પહુંચ ગયે અગર તુમ શરાબકો પસંદ કરતે તો તુમહારી ઉમ્મત ગુમરાહ હો જાતી.

૩૩૩. હજરત અબ્દુલ્લાહ બિન ઉમર રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “મુજકો એક રાત દિબાઈ દિયાકે, મૈ કાઅબા કે પાસ હું, ઔર મૈને એક ઘંઉએ રંગ કે આદમીકો દેખા, જેસે આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને (ભી) ઘેઊએ રંગ કે બહાતેસે લોગ દેખે હુંગે ઉસ કે કંધો તક બાલ થે જેસે તુમ લોગોને બહોતસે લોગોં કે કંધે તક કે અચ્છે બાલ દેખે હુંગે, ઔર બાલોંમેં કંધી કી ગઈ હો ઇનમેંસે પાની ટપકા રહા થા, ઔર તીકયા દિએ હુએ થે, દો આદમીઓ કે કંધો પર ઔર કાબાકા તવાફ કર રહે થે, મૈને પૂછા, યે કૌન હૈ ?

લોગોંને કહા, યે મસીહ હૈ, મરિયમ કે બેટે અલયહિરસસલામ ફિર મૈને એક શખ્સકો દેખા, ઘુંઘરાલેબાલ વાલે, બહોત ઘુંઘર, દાહિને આંખ કાની ઉસકી કાની આંખ ફુલે હુએ અંગુર જેસી થી, મૈને પૂછા, યે કૌન હૈ ? લોગોંને કહા, યે મસીહ દજજાલ હૈ.

૩૩૪. ઔસી હી હદીષ હજરત અબ્દુલ્લાહ બિન ઉમર રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ

૩૩૫. હજરત અબ્દુલ્લાહ બિન ઉમર રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને. એક દિન લોગોં કી કે ખીચમેં મસીહ દજજાલકા ઝિક કિયા તો ફરમાયા.

અલ્લાહ જલ્લજલાલહું કાના નહીં હૈ, ઔર મસીહ દજજાલ દાહિની આંખસે કાના હૈ, ઉસકી દાહિનીઆંખ ફુલે હુએ અંગુર જેસી હૈ. આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “એક રાત ખ્વાબમેં મૈને અપને આપકો કાઅબા કે પાસ એક શખ્સકો દેખા જોસકા રંગ ઘેઉઆ થા. ઔસા ઘેહુઆ રંગ જો સબસે અચ્છા આદમી હો ઉસ આદમી કે પુઝે. મૂંહો તક થે ઔર બાલોં મેં કંધી કી હુઈ થી, સરમેંસે પાની ટપક રહા થા ઔર અપને દોનોં હાથ દો આદમીઓં કે મૂંહો પર રખકર ખાનએ કાઅબાકા તવાફ કર રહા થા.

મૈને પૂછા, યે કૌન હૈ ?

લોગોંને કહા, યે મસીહ હૈ. મરિયમ કે બેટે અલયહિરસસલામ ઔર ઉન કે પીછે મૈને એક ઔર શખ્સકો દેખા જો ઘુંઘરાલે બાલવાલા દાહિની આંખસે કાના થા.

મૈને જો લોગ દેખે હૈ ઇન સભીમેં ઇબ્ને કતન ઇસસે જયાદા મુશાબેહત રખતે હૈ. વો ભી દો આદમીઓં કે મૂંહો પર હાથ રખકર તવાફ કર રહા થા, મૈને પૂછા, યે કૌન હૈ ? લોગોંને કહા, યે મસીહ દજજાલ હૈ.

૩૩૬. જાબીર બિન હજરત અબ્દુલ્લાહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમસે સુના આપ ફરમોત થે, મૈ સો રહા થા, ઇતને મેં મૈને અપને આપકો ખાનાએ કાઅબાકા તવાફ કરતે દેખા (વહાં) મૈને એક શખ્સકો દેખા જોસકા રંગ ગન્દુમી થા, ઉસ કે બાલ છટે હુએ થે, સરસે પાની ટપક રહા થા, ‘મૈને પુછા યે કૌન હૈ?’

લોગોંને કહા, ‘યે મરિયમ કે બેટે હૈ’

किर में यला और दूसरी तरफ देभा तो अक शप्सको देभा जो मोटा था, दाहिनी आंभसे काना, उसकी आंभ जैसे के कुला हुआ अंगुर है, मैंने पूछा, 'ये कौन है?'  
 उन्होंने कहा, 'ये दज्जल है' सभी लोगोंमें उससे मुशाबहत रभनेवाले धुंने कतन है. (धुंने कतन जैसे लगता था)

उ३७. दज्जल अब्दुल्लाह बिन उमर रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, "मैंने काअभा के पास अक शप्सको देभा जो गन्दुमी रंग की था उस के बाल लट के हुये थे, दोनों हाथ दो आदमीयो के मूँहो पर रफ्फे हुये थे और उस के सरमेंसे पानी बह रहा था, मैंने पूछा, 'ये कौन है ?' लोगोंने कहा, 'यसा है मरियम के भेटे, या युं कहा, मसीह है, मरीयम के भेटे. मालुम नहीं कौनसा लज्ज कहा. किर उन के पीछे अक और शप्स देभा सूर्ण रंगका दाहिनी आभसे काना उसकी सभसे जयादा मुशाबहत कतन के भेटेसे है. मैंने पूछा, 'ये कौन है?'"

उन्होंने कहा, "ये मसीह दज्जल है."

उ३८. दज्जल अबु दुरैरह रदीअल्लाहो अन्होने रिवायत है, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, " के मैंने अपने आपको देभा के कुरैश मुजसे मेरी तक़ीबु की, मैं हतिममें था तो उन्होंने बयतुल मुकदस की कंठ यीजे पूछी जिसमें बयान ना कर सका, और मुजे जलोत रंज हुआ यैसा रंज कभी नहीं हुआ था. किर अल्लाहने मेरे सामने बयतुलमुकदसकी उका कर रभ दिया, मैं इसको देभने लगा. अब जो भी बात वो पूछते मैं उसे देभकर बता देता था और मैंने अपने आपको पयगंबरों की जभाअतमें पाया देभा तो मुसा अलयहिस्सलाम नमाज पढ रहे हैं, वो अक यैसे शप्स है जिसका म्याना तन है, और घटे हुये जिसके है जैसे (कबीला) सुनअह के लोग होते हैं.

और मैंने यसा बिन मरीयम अलयहिस्सलामको देभा वो भी जे हुये नमाज पढ रहे हैं सभसे जयादा उनसे मुशाबहत रभनेवाले अरवह धुंने मरुद शकई रदीअल्लाहो अन्होको पाता हुं.

और मैंने देभा के दज्जल धुंन्राहीम अलयहिस्सलाम जे हुये नमाज पढ रहे है. उनसे सभसे जयादा मुसाबहत तुम्हारे साहज रभते हैं (यानी आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम)

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, " के जब नमाजका वकत आया तो मैंने धभात की.

उ३९. दज्जल अब्दुल्लाह बिन मरुद रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, जब रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमको मेअराज हुवा तो आप सीहरतुल मुत्तहा तक पहुँचे और वो छठे आसमानमे है जमीनसे जो छुटता है, तो यही आकर ठहर जाता है. ईर ले लीया जाता है और मैंउपरसे उतरता हु वो भी यही आकर ठहर जाता है. ईर ले लीया जाता है. (घेनो तरफ़ी जिजें यही आकर ठहर जाती है.)

अल्लाह तयालाने इरमाया, "धज यगशरिस-सिहरत मा यशा."

તરજુમા : જબ સિદરતુલ મુન્તહા પર છા રહા થા જો છા રહા થા. (સુરે નજમ : ૧૬)  
હજરત અબ્દુલ્લાહ રદીઅલ્લાહો અન્હોને કહા યાની સોને કે પતંગે, ફીર રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વસલ્લમકો વહાં તીન ચીઝેં દી ગઈ. એક તો પાંચ નમાઝે, દુસરી સુરહ-એ-બકરહ કી આખરી આયતે ઔર તીસરી અલ્લાહને આપ કી ઉમ્મતમેસે ઉસ શખ્સકો બખ્શ દીયા જો અલ્લાહ કે સાથ શર્ક ના કરે, બાકી તમામ તબાહ કરનેવાલે ગુનાહો કો.

**બાબ ૭૨ :- ઇસ બાબમે યે બયાન હૈ કી “વ લકદ રચાહુ નુઝલતન ઊખરા”**

**સે કયા મુરાદ હૈ? ઔર રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને હક તચાલા જલજલાલહુકો મેઅરાઝ કી રાતમેં દેખા થા યા નહીં?**

૩૪૦. ઈબાદ બિન અવવામ સયબાનીસે રિવાયત હૈ, મૈને જરઅ બિન હુબૈસસે ઇસ આયતકા મતલબ પુછા, “ફ કાન કાબા કવસયને અવ અદના ફ ઔહા ઇલા અબ્દિહી મા ઔહા ”

તરજુમા : “ ફિર (વો જલ્વા) ફરીબ હુવા ફિર (ખુબ) ઉતર આયા તો ઉસ જલ્વે ઔર ઉસ મહબુબમેં દો કમાનોંકા ફાસલા રહ ગયા બલકે ઉસસે ભી કમ.” (સુરે નજમ : ૯, ૧૦)

ઉન્હોંને કહા,

મુજસે હજરત અબ્દુલ્લાહ બિન મસઉદ રદીઅલ્લાહો અન્હોને બયાન કીયા કે રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને હજરત જુબ્રીલ અલયહિરસસલામકો ઉન કે કે છેહ સૌ પરોં કે સાથ દેખા.

૩૪૧. હજરત અબ્દુલ્લાહ બિન મસઉદ રદીઅલ્લાહો તચાલા અન્હોને કહા, જો હક તચાલાને ફરમાયા, “મા કઝઝબ લકુઆહુ મા રચા.”

તરજુમા : “દિલને ઝૂટ ના કહા જો કુછ આખોંને દેખા.” ( સૂરએ નજમ : ૧૧)

આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “મૈને જુબ્રીલકો દેખા જુસ કે છે સૌ પંખ થે.”

૩૪૨. હજરત અબ્દુલ્લાહ બિન મસઉદ રદીઅલ્લાહો અન્હોને કહા, “યે જો હક તચાલાને ફરમાયા, “લકદ રાચા મીન આયતે રખે હી કુખરા.” સૂરએ નજમ:૧૮,

તરજુમા : “બેશક અપને રબ કી બહોત બડી નિશાનીયાં દેખી.”

૩૪૩. અબુ હુરૈરહ રદીઅલ્લાહો અન્હોને “વ લકદ રચાહુ નુઝલતન ઊખરા” કે બારેમે ફરમાયા ‘રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને હજરત જુબ્રીલ અલયહિરસસલામકો દેખા.”

૩૪૪. હજરત ઇબને અબ્બાસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ, “રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને અલ્લાહકો અપને દિલસે દેખા”

૩૪૫. હજરત ઇબને અબ્બાસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ, “મા કઝઝબ લકુઆહુ.મા રાચા વ લકદ રાચહુ નુઝલતન ઊખરા.”

तरजुमा :- दिलने जूट ना कहा जे देभा, तो क्या तुम उन के देभे हुअे पर अगडते हो, और उन्होंने तो वो जल्वाह हो भार देभा. ” (सूरअे नजम : ११... १३)

उन्होंने इरमाया, “उन्होंने वो जल्वा हो भार देभा.”

३४६. हजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे औसीली और अेक हदीष मनकुल है.

३४७. मशइकसे रिवायत है, “मैं हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हो के पास तकिया लगाअे हुअे था, उन्होंने कहा अय अबु आयेशा, तीन भातें हैं, जे कोछ उनका काछल हो उसने ખुदा पर अडा जूट आंधा.”

मैंने कहा, “वो तीन भातें कीनसी है ?”

उन्होंने कहा, “जे कोछ सभजे के हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने अपने रभको देभा उसने अल्लाह पर अडा जूट आंधा.”

मशइकने कहा, “मैं तकिया लगाअे हुअे था ये सुनकर मैं ँठ गया और मैंने कहा, अय ओम्मुल मुअमेनीन जरा मुजे ली भात करने हो और जल्दी मत करो क्या अल्लाह तआलाने नहीं इरमाया, “व लकह रआहु बिल उकुकिल मुभीने (सुर-अे-तकवीर : २३ )

व लकह रआहुं नुजलतन ओभर.” (सुर-अे-नजम : १३ )

तरजुमा: “ और भेशक उन्होंने उसे रोशन किनारे पर देभा और उन्होंने तो वो जल्वा हो भार देभा. ”

हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होने कहा, छस ओम्मतमें छन आयातोको मैंने सभसे पहले रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमसे पूछा.

आप सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “छन आयातोमें हजरत ओब्रील अल्यहिस्सलाम मुराह है. मैंने उनको उन की असली सूरत पर नहीं देभा. सिवाअे हो भार के ओनका ओक छन आयातोमें है. मैंने देभा उनको वो उतर रहे थे आसमानसे और उन के तीन व तुस की अडाछने आसमानसे जमीन तकको रोक दिया था.”

इर हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होने कहा, क्या तुने नहीं सुना, अल्लाह तआला इरमाता है. “ ला तुदरीकुल अब्शारो व हुवा युदरिकुल अब्शार व हुवल लतीकुल अबीर.” (सूरअे छन्आम-१०३)

तरजुमा :- आंभे उसे अहाता नहीं करती और सभ आंभे उस के अहातेमें है और वही है पुरा लतीक पुरा अबरदार.

(छदराक और छिदार में इक है , छदराक की तइसीर मुइरसेरीनने अहातासे की है )

क्या तुने नहीं सुना, अल्लाह तआलाने इरमाया है.

“वमा कान लि-अशरीन, अंयुडल्लिमुल्लाहु छल्ला वहीयन, अव मिव्वराअे छिआबिन औ युरसिल रसूलन इयूहिय जे छजनेही मा यशाअ.” (सुर-अे-शुरा : ५१)

तरजुमा : और कीसी आहमीको ये ताकत नहीं के अल्लाह तआलासे वही के बिना कलाम इरमाअे था यं के वो अशर पदअे अजमत के उस तरक हो, या अल्लाह कोछ इरीस्ता भेजे के वो उस के हुकमके मुताबिक उस अशर पर वही नाजील करे.

(और दूसरी बात ये है के) जो कोश औरसा जयाल करे के रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने अल्लाहकी कीताजमेंसे कुछ छिपाया, तो उसने अल्लाह पर बडा जूट् पांचा.

अल्लाहने इरमाया है , या अय्युदर रसूलु अल्लगी मा उन्नेला धलयक, मिररब्बिक, व धल्लम तइअल. इमा अल्लगत रिसालतुहु. (सुर-अे-माधदुद : ६७ )

तरजुमा :- अय रसूल ! पहोंयाही जो कुछ कुरआनमें आप पर नाजील किया गया है , तुम्हारे रब की तरफसे और आपने (बिल इरज) औरसा नहीं किया हो तो आपने इरीजाअे रिसालत अद्व नहीं किया.

(और तीसरी बात ये है के) जो कोश कहै के रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम (बिना अल्लाह के अता किये जुद) कल होनेवाली बात जानते थे. तो उसने अल्लाह पर बडा जुठ पांचा.

अल्लाहने इरमाया है. कुल ला यअलमो मन इससमावाते वल अरही-ल गयमे धल्लल्लाह. (सूरअे नमल : ६५)

तरजुमा :- आप इरमाअो, आरमानों और जमीनमें जो कोश गैज है (बिना अल्लाह के अता किये जुद) कोश नहीं जानता.

उ४८. दाउिदने धसी हदीषको रिवायत की है जो उपर गुजरी है. उसमे धतना धज्जश है , हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे कहा, अगर रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम छूपानेवाले होते तो धस आयतको छूपाते.

वधज तकुलु लिललज्जी अन्अम अल्लाहु अयहे, व अन्अमत् अलयहे, अम्सिक अलयका जौजक. वत्तकिल्लाहा व तुअही डी नईसिक मल्लाहु मुब्हिही व तअशन्नास वल्लाहु अहककु अन् तअशाह. (सूरअे अहज्जाम : ३७)

तरजुमा :- और अय महेज्जुय याद करो जब आप इरमाते थे उस शअशसे जसे अल्लाहने धनअाम दीया, और आपने भी उसे धनअाम दीया के अल्लाहसे डर और अपनी जीजी अपने पास रहेने हे, और आप अपने हिलमें वो थीज रजे हुअे थे, जसे अल्लाहको जाहिर करना मन्जूर था, और आपकें लोगों के तानेका अहेशा था. हालाके अल्लाह धसअ जथाद्व हक्कर हैके आप अल्लाहसे डें.

उ४९. मशइकसे रिवायत है के, मैंने ठिम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे पूछाके, मुहम्मद सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने अपने रबको हेभा है ?

उन्होंने कहा, “सुल्हानल्लाह ! मेरे रोंगेटे जेडे हो गअे” और जयान की हदीषको धसी तरहां, लेकीन दाउिद की रिवायत (जो उपर गुजरी) वो बडी और मुकम्मील है...

उ५०. मशइकसे रिवायत है, मैंने हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे कहा, फिर अल्लाहका ये कौल है धसअी तइसीर क्या है ?

“सुम्मा दना इतदल्ला, इ कान काभा कपसयनी अव अदना.” (सूरअे नजम : ८-९)

तरजुमा :- फिर (वो जल्दा) झींज हुवा फिर (जुज) उतर आया तो उस जल्दे और उस महजुजुममें दो कमानोंका झसला रह गया बल्के उससे भी कम.

उन्होंने कहा, इससे जुज्रील अलयहिरसलाम मुराह है. वो हंमेशा आप के पास भरहों की सूतमें आते थे, और इस भरतभा पास अपनी सूतमें आये तो आसमानका सारा दिनारा भर गया था.

उप१. अबु जर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे पूछा, “क्या आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने अपने परवरदिगारको देभा?”

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “वोह तो नूर है, मैंने जुस तरइसे देभा नूर ही नूर है?”

उप२. हजरत अब्दुल्लाह बिन शकीक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैंने अबु जर रहीअल्लाहो अन्होसे कहा, “अगर मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमको देभता तो आपसे पूछता,”

अबु जर रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “तो क्या पूछता?”

हजरत अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “मैं ये पूछता के आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने अपने परवरदिगारको देभा या नहीं?”

अबु जर रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “मैंने ये रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे पूछा था. आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “मैंने अेक नूर देभा.”

उप३. अबु मूसा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने हमको भंटे होकर पांच भातें सुनाई आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया,

“अल्लाह जल्लजलालोहु सोता नहीं और सोना उसकी शानके लायक नहीं, तराजुको जुकाता है और जिया उधता है. उसकी तरइ दिन के अमल रात के अमलसे पहले पढ़ोंयाये जाते है और रात के अमल दिन के अमलसे पहले पढ़ोंयाये जाते है. उसका परदा नूर है. हजरत अबु बक्र रहीअल्लाहो अन्होकी रिवायतमें है के, उसका परदा आग है. अगर वो उस परदेको भोल दे तो उसकी शुआयें जहां तक उसकी नजर पढ़ोंयती है वहां तक मज्जुकको जला दे.”

उप४. इमाम मुस्लीमसे इसी तरहां की दूसरी रिवायत आई है मगर इसमें पांच के बहले चार भातें है और इसमें मज्जुक जिंक नहीं और कहा है की उसका हिजाब नूर है.

उप५. अबु मुसा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने हममें भंटे होकर चार भातें भयान की, ये की अल्लाह सोता नहीं है और ना ही सोना उस के लायक है, “ भिजानको उठाता ह और जुकाता है उसकी तरइ दिनका अमल रातको और रातका अमल दिनको पेश किया जाता है.

બાબ ૭૩ :- આખેરતમેં અલ્લાહ સુબહાનહુ વ તઆલાકા ફિદાર મુઅમીનોંકો હોગા.

૩૫૬. હજરત અબ્દુલ્લાહ બિન કેસ સે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “દો જન્તેં ચાંદીકી હોંગી ઉસ કે બરતન ઔર સભી ચીજેં ચાંદીકી હોંગી ઔર દો જન્તેં સોને કી હોંગી ઇસી કે બરતન ઔર સભી ચીજે સોને કી હોંગી, ઔર લોગોંકો અપને પરવરદિગારકો દેખનેમેં જન્તતુલ અદન મેં અલ્લાહ કે રૂખ પર એક કિબ્રીયાઈ કી ચાદર કે સિવાય કોઈ આડ ના હોગી.”

૩૫૭. શુઅબ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ, “રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “જબ જન્તતી જન્તતમેં જા ચૂકેંગે ઉસ વકત અલ્લાહ તઆલા ફરમાએગા તુમ ઔર કુછ જયાદા ચાહતે હો ?

વો કહેંગે, “ક્યાં તુને હમારે મુંહ સુફેદ નહી કિયે ? ક્યા હમેં જન્તત નહી બખ્શી? હમેં જહન્નમસે નહી બચાયા ?”

ફિર પરદા ઉઠાયા જાએગા ઉસ વકત જન્તતોં કી કોઈ ભી ચીજ ઉસસે (અલ્લાહ કે જલ્વેસે) અચ્છી માલૂમ ના હોગી. યાની અપને પરવરદિગાર કી તરફ દેખને સે.

૩૫૮. હમ્માદ બિન સલમાસે ઇસી ઇસ્નાદસે યહી હદીષ રિવાયત હુઈ હૈ ઇસમે ઇતના ઇઝાફા હૈ કે, ફિર આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને યે આયત પઢી, “લિલ્લાહીના અહસનુલ હુસ્ના વ ઝિયાદહ, વલા યરહુકુ વજ્હુહુમ કતરૂબ-વલા ઝિલ્લાહ, ઊલાએકા અસ્હાબુલ જન્તહ હુમ ફિલા ખાલેફૂન.”

તરજુમા :- ભલાઈવાલોં કે લિયે ભલાઈ હૈ ઔર ઉસસે ભી ઝાઈદ ઇનઆમ (ફિરે ઇલાહી) ઔર ઉન કે મુંહ પર શિયાહી ના ચેહેગી ઔર ના ખુંવારી વોહી જન્તતવાલે હૈં વો ઉસમેં હંમેશા રહેંગે.

૩૫૯. હજરત અબુ હુરૈરહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ, કુછ લોગોંને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમસે કહા, ક્યા હમ ક્યામત કે દિન અપને પરવરદિગારકો દેખેંગે? રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “ક્યા તુમ એક દૂસરેકો તકલીફ દેતે હો, ચૌદહવી રાત કે ચાંદકો દેખને કે લિયે ? યા તુમકો ચૌદહવી રાત કે ચાંદકો દેખને મેં કોઈ તકલીફ હોતી હૈ ?”

લોગોંને કહા, નહી, યા રસૂલુલ્લાહ ! આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા,

“ભલા તુમ્હેં સૂરજ કે દેખનેમેં મશકકત હોતી યા, યા એક દૂસરેકો (દેખને કે લિયે) સદમા પહોંચાતે હો ? જીસ વકત કે બાદલ ના હો ? ”

લોગોંને કહા, ‘નહી.’

આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “ફિર ઇસી તરહાં તુમ અપને પરવરદિગારકો દેખેંગે હક તઆલા લોગોંકો ક્યામત કે દિન જમા કરેગા, તો ફરમાએગા જો કોઈ જીસકો પૂજતા થા ઉસ કે સાથ હો જાએ, ફિર જો શખ્સ આફતાબકો પૂજતા થા વો સૂરજ કે સાથ હોગા, જો ચાંદકો પૂજતા થા. વો ચાંદ કે સાથે ઔર જો તાગુતકો પૂજતા થા વો

तागुत के साथ और ये उम्मतें मुहम्मद सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम भाकी रह जायेंगी, उनमें मुनाफिक भी होंगे।”

फिर अल्लाह तआला उन के पास ऐसी सूत्रमें आयेगा जोसे वो नहीं पहचानते और कहेगा, “मैं तुम्हारा परवरद्विगार हूँ।”

वो कहेंगे अल्लाहकी पनाह मांगते हैं हम तुजसे और हम इसी जगह रहें हैं यहाँ तक की हमारा परवरद्विगार आयेगा तो हम उसको पहचान लेंगे। फिर अल्लाह तआला उन के पास आयेगा और कहेगा, मैं तुम्हारा रब हूँ वो कहेंगे, “तुं हमारा रब है।” फिर उस के साथ हो जायेंगे और दोज्ज की पुस्त पर पुल सिरात रभा जायेगा, तो मैं और मेरी उम्मत सबसे पहले उस परसे पार होंगे और सिवाय पयगंबरकी( अलयहिमुस्सलाम)काँछ अल्लाहसे आत नहीं कर सकेगा।

और उस वकत पयगंबरों की ये दूआ होगी “ या अल्लाह हमें बचा ”

दोज्ज की आंकड़ी ऐसी है जैसे सख्दान(काँटदार पेड़) के काँटे।

हुजुर सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने सदाभा रहीअल्लाहो अन्दुमसे इरमाया, ‘क्या तुमने सख्दानको देखा है ?’

उन्होंने कहा, ‘या रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम हां देखा है।’

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “फिर वो आंकड़े, सख्दान के काँटे की वज्ज पर होंगे, पर ये अल्लाह के सिवाय कोछ नहीं जानता के वो आंकड़े कितने ओठे ओठे होंगे, वो लोगोंको उन के बहअमलों की वज्जसे दोज्जमें घसीट ले जायेंगे, अब उनमेंसे अब्ज मुअमीन होंगे जो अपने अच्छे आमाँल की वज्जसे अब्ज जायेंगे, और उनमेंसे अब्जको पहल दिये जायेंगे, अपने अब्ज की वज्जसे यहाँ तक के जब अल्लाह तआला अपने बंदों के ईसलेसे इरागत पायेगा और याहेगा के दोज्जवालोंमेंसे अपनी रहेमतसे जोसे याहे निकाले, तो इरीस्तोंकी उनको दोज्जसे निकालनेका हुकम करेगा, जोसने कीसीको भुदा की जात के साथ शरीक ना किया हो, जोस पर अल्लाहने रहेमत करना याही, जो के ला एलाह एल्लल्लाह कहेता हो। तो जैसे लोगोंको इरीस्ते दोज्जमेंसे उन के सज्दे के निशानो से पहचान लेंगे।

आग आदमीकी जला हेगी सिवाय के सज्दों के निशान (वो भाकी रहेंगे) क्युं के अल्लाहने उसका जलाना आग पर हुराम किया है। फिर वो दोज्जसे जले लूने हुये निकाले जायेंगे, और जब उन पर आये हयात छीडका जायेगा तो वो तरो-ताजा होकर जो उठेंगे, जैसे दाना क्यरे के बहावमें जो उठता है। उस के बाद अल्लाह तआला (अपने) बंदों के ईसलेसे इरागत करेगा और (उस वकत) अेक भई भाकी रह जायेगा, जोसका मुंह दोज्ज की तरफ होगा और वोह आभिर जन्तमें जायेगा।

वो कहेगा अब मेरे रब मेरा मुंह दोज्ज की तरफसे इर दे, उसकी लपटने मेरा मुंह जला दिया है, और फिर अल्लाहसे दूआ करेगा जब तक के अल्लाह तआलाको भंजुर होगा।

धस के भाद अल्लाह तयाला इरमाअेगा (अगर) 'में तेरा ये सवाल पुरा कर हुं तो क्या तुं और सवाल करेगा ?'

वो कहेगा, 'नहीं में फिर कोछ सवाल नहीं करूंगा.'

और अल्लाहको जो मंजूर होंगे जैसे कौलो करार करेगा तब अल्लाह उसका मुंह दोज्ज की तरफसे इर देगा. जब उसका मुंह जन्तत की तरफ किया जाअेगा तो वो चुप रहेगा जब तक के अल्लाहको मंजूर होगा. फिर वो कहेगा, "अय अल्लाह मुजे जन्तत के दरवाजे तक पहुँचा हे."

अल्लाह तयाला इरमाअेगा, "तुने क्या क्या कौलोकरार किये थे के तुं दुसरा सवाल नहीं करेगा, भुराहो तेरा अय आदमी तुं हे सा दगा भाज हे."

फिर वो कहेगा, "अय रब ! और दुआ करेग जहां तक अल्लाहको मंजूर होगा, फिर अल्लाह उससे इरमाअेगा, अच्छा अगर में तेरा ये सवाल परा कर हुंगा तो फिर तुं और कुछ नहीं मांगेगा वो कहेगा कसम हे तेरी धज्जत की, नहीं (मांगुगा)" और क्या क्या कौलो करार करेगा. जैसा की अल्लाहको मंजूर होगा.

आभिर कार अल्लाह उसे जन्तत के दरवाजे पर पहुँचा देगा जब वो वहां पडा होगा तो उसे पुरी जन्तत और उसमे हे वो सारी इरहत नेअमतें और ખુशी दिभाध देगी.

वो वहां अेक मुदत तक चुप रहेगा जब तक के अल्लाहको मंजूर होगा. धस के भाद वो अल्लाहसे अरज करेगा के "अय अल्लाह तुं मुजे जन्तत के अंदर दाभिल कर."

अल्लाह तयाला इरमाअेगा, "तुने क्या कौलो करार किया था ?"

तुने कहा था के "अब में कोछ सवाल नहीं करूंगा, अय आदमी के भेदे, तेरा भुरा हो, केसा मककार हे तु?"

वो अर्ज करेगा "अय मेरे रब ! में तेरी मख्लूक में जहनसीब होनेवाला नहीं हुं, और दुआ करता रहेगा." यहां तक के अल्लाह तयाला (उस पर) हुंस देगा. और जब वो हुंस देगा तो इरमाअेगा "अच्छा जन्ततमें जा," जब वो जन्ततमें जाअेगा तो अल्लाह उसे इरमाअेगा, "अब तुं कोछ आरजु कर, फिर वो आरजु करेगा और मांगेगा, यहां तक की अल्लाह उसे याद दिलाअेगा, इलां थीज मांग, इलां थीज मांग.... जब उसकी तमाभ आरजुअें जत्म हो जाअेंगी तो अल्लाह इरमाअेगा ये सभ नेअमतें तुजे ही और धतनी ही नेअमतें उस के साथे और भी ही."

धस हदीष के रावी अता बीन यजीदने कहा के, अबु सधद ખुदरी रहीअल्लाहो अन्हो भी धस हदीष की रिवायत हज्जत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्हो के मुवाकिक करते थे, कही भी भिलाइ नहीं थे. लेकीन जब हज्जत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, "के "अल्लाह तयाला उससे इरमाअेगा के हुमने ये सभ नेअमतें तुजे ही और धतनी हो नेअमतें (और भी) ही,"

तो अबु सधद रहीअल्लाहो अन्होने कहा, "दस हिससे जयादह नेअमतें ही."

हजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “मुझे तो यही बात याद है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने युं इरमाया, “हमने ये सभ नेअमते तुंजे ही और धतना हिस्सा जयाहल नेअमते ही.” तो अबु सधद रहीअल्लाहो अन्होने कहा, मैं अल्लाहकोगवाह बना कर क्हेता हुंके रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमक धरशाह फिसी तरहां याद है “ हमने ये सभ नेअमते तुंजे ही और इस हिस्से जयाहल नेअमते ही.”

हजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “ये वो शप्स है जो सभसे आभिर में जन्तमें जायेगा.”

उ६१. हजरत हुमाम बिन मुतब्बेहसे रिवायत है के, ये वोह रिवायत है जो हमसे हजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होने बयान की. उन्होंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लम से, और बहोतसी अहदीष बयान की उनमेंसे अेक अहदीष ये ली थी की रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “तुममेंसे जो सभसे कम दरजेका जन्तली होगा उसे कहा जायेगा “आरजु कर,” वो आरजु करेगा, आरजु करेगा... फिर उससे कहा जायेगा “(क्या) तुं आरजु कर चुका ?”

वो कहेगा हां” फिर अल्लाह त्वाला उसे कहेगा, “तुंजे ये सभी आरजुमें ही और धतनी और (ही)”

उ६२. हजरत अबु सधद जुहरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लम के जमानेमें कहा “या रसूलुल्लाह ! क्या हम क्यामत के दिन अपने परवरदिगारको देखेंगे ? ”

आपने इरमाया, “हां, देखेंगे, क्या तुमहें दीपहर के वजत जुला हुआ हो और बाहल ना होतो सूरज देखनेमें कुछ तकलीफ होती है ? क्या तुमहें यौदवी की रातको जभ (आसमान) जुला हुआ हो और बाहल ना हो उस वकत यादको देखनेमें तकलीफ होती है ?”

उन्होंने कहा, “नहीं”

आपने इरमाया, “अस तुमको क्यामत के दिन अल्लाह त्वाला के देखनेमें धतनी होगी जतनी याद और सूरजको देखनेमें होती है.”

जभ क्यामतका दिन होगा तो अेक पुकारनेवाला अवाज देगा और सभी गिरोह अपने अपने माअबजूहों के साथे हो जायेंगे, फिर जतने लोग जुदा के सिवाय किसी औरको पूजते थे जैसा के पुतोंको और थानोंको उनमेंसे कोछ ली नहीं जायेगा सभी आगमें गिरेंगे और जो लोग अल्लाहकी ध्भाहत करते थे वो बाकी रहे जायेंगे, याहे वो नेक हों या बह (केसेल्ली) मुसलमानोंमेंसे होंगे, और कुछ अेहले किताबमेंसे होंगे, फिर यहदीआंको जुलाया जायेगा, और उनसे कहा जायेगा तुम कीसको पूजते थे. वो कहेंगे हम, उंजे अल्यहिस्सलाम जो अल्लाह के भेटे थे उनको पूजते थे. उन्हें जवाब दिया जायेगा, तुम जूहे थे अल्लाह ना तो जीजी की और नाही उसको कोछ भेटा हुआ है. अब तुम क्या यादते हो ?

“वो कहेंगे” अथ हमारे रब हमें पानी पिला। हम प्यासे हैं। हुकम होगा “जान्यो पीज्यो” शीर वो जहन्नुम की तरफ़ हांक दिये जान्येंगे, वहां (सराब-भृगजल) उनको ऐसा देगा जैसे शराब (पानी) शौले मार रहा होगा, जैसे अकड़ो अकड़ आ रहा है वो सभी आगमें गिर पड़ेंगे।

उन के भाद नसारा बुलाये जान्येंगे और उनसे सवाल होगा “तुम डीसको पूजते थे?” वो कहेंगे, “हम मसीहको पूजते थे जो अल्लाह के भेटे है” जवाब मिलेगा, “तुम जुठे थे, अल्लाह जल्लजलालहु के ना तो कोछ भीजी हे ना भेटा हुआ है।”

फिर उससे कहा जान्येगा, “अब तुम क्या चाहते हो?”

वो कहेंगे अथ हमारे रब, “हम प्यासे हैं हमें पानी पीला।”

हुकम होगा, “जान्यो, शीर वो सब हांक दिये जान्येंगे दोज्ज की तरफ़, वोह शराब होगा और लपटे मारा हुआ अकड़ो अकड़ भाता हुआ दिभेगा, फिर वो सभी जहन्नुम में गिर पड़ेंगे उनमेंसे अकड़ भी बाकी ना रहेगा। सिवाय उन के जो के अल्लाह ही की धभाहत करते थे। याहे फिर वो नेक हों या भद”

उस वक़्त रब्बुल आलमीन उन के पास अकड़ औरसी शकलमें आयेगा जिससे वो वाकिफ़ ना होंगे और इरमायेगा “तुम डीस चीजका धन्तज़र कर रहें हो? जब के हर अकड़ गिरोह अपने अपने मायबुहों के साथ हो गया है?”

वो कहेंगे, “अथ हमारे रब, दुनियामें तो उन लोगोंका साथ नहीं दिया, जब के हम उन लोगों के मोहताज थे। ना तो उन की सोहभतमें रहे।”

फिर वो इरमायेगा, के “मैं तुम्हारा रब हूँ।”

वो कहेंगे, “हम अल्लाहकी पनाह मांगते हैं, तुजसे, और हम अल्लाह के साथ डीसीको शरीक नहीं करते, वो लोग दो या तीन बार ऐसा कहेंगे और उनमेंसे कुछ लोग फिर जाने के करीब होंगे।”

फिर वो कहेगा, “अच्छा तुम अपने रब की कोछ निशानी जानते हो जिससे तुम उसे पहचान शको?”

वो कहेंगे, “हां”

फिर रब की पिंडली भुल जान्येगी, और जो शप्स दुनियामें भुदाको अपने दिलसे सजदह करता होगा, उसको वहां भी सजदह मयस्सर होगा और जो शप्स अपनी जान बचाने के लिये सजदह करता था दिभाया या रिया उसकी पीठको अल्लाह त्वाला अकड़ तपते जैसे करेगा जिससे कीवो सजदह करना चाहेगा तो चित हो जान्येगा गिर पड़ेगा।

फिर वो लोग अपना सर उठायेगे, तो रब त्वाला उस सूतमें होगा जिस सूतमें उन्होंने पहले देखा था। और कहेगा मैं तुम्हारा रब हूँ। सब कहेंगे, “तुं ही हमारा रब है।”

धस के भाद जहन्नुम पर पुल सिरात रभा जान्येगा। और शक्षात शइ होगी और लोग कहेंगे “या अल्लाह (हमें) बचा, या अल्लाह (हमें) बचा।”

असहाबने कहां, “या रसूलुल्लाह ! पुल सिरात कैसा होगा?”

आपने इरमाया, “अेक किसलनेका मकाम होगा, और आंकडे होंगे, और कोटे होंगे जैसे. नज्द के मुल्कमें अेक कांटा होता है ज़से सख्तान कहेते हैं. मुयमीन उस परसे अैसे पार होंगे जैसे बाय्ज पलक अंपकते, बाय्ज बीजली की रफ्तार से, बाय्ज परीदो की तरहां, बाय्ज तेज धोटे की तरहां, बाय्ज ठोटो की तरहां और बाय्ज दोणजसे बिलकुल बाय्जर पुल परसे पार हो जायेंगे, और बाय्ज थोड़ी तकलीक उठायेंगे. लेकिन पार हो जायेंगे और बाय्ज तकलीक उठाकर जहन्नुममें गिर जायेंगे. जब मुयमीनोंको जहन्नुमसे छूटकारा मिल जायेगा तो, उसकी कसम ज़से के हाथमें मेरी जान है, अपने उन भाइयों के लिये जे जहन्नुममें होंगे क्यामत के दिन अपने हक के लिये तुममेंसे कोधली धतनी अरज करनेवाला नहीं है, ज़तना के वो अदलाहसे अरज करनेवाले होंगे, वो कहेंगे, “अय हमारे रब ! वो लोग, हमारे साथ रोज़ा रपते थे और नमाज पढते थे और हज करते थे.”

हुकम होगा “अख़ा जायो ज़नको तुम पहचनते हो, उनको दोणजसे निकाल दो.” फिर उन की सूतें दोणज पर हुराम हो जायेंगी. (और उनका अहेरा महेकुअ रहेगा, ता के उनहें मुयमेनीन पहचान शके) और मुयमेनीन जहोतसे लोगोंको निकाल लेंगे. उनमेंसे कुछ लोगोंको आग पिंदलियों तक भा चुकी होगी, कुछ लोगोंको धुंतनो तक, फिर वो लोग कहेंगे, “अय हमारे रब, अब उन लोगों मेंसे कोध भी दोणजमें बाकी नहीं रहा ज़नको तुने हमें निकालने के लिये हुकम दिया था.”

फिर हुकम होगा, के “जायो ज़से के हिलमें दिनार के बराबर भी भलाध पायो तो उसको भी निकाल लायो, फिर वो जहोतसे लोगोंको निकालेंगे, और कहेंगे अय हमारे रब ! अब उन लोगोंमेंसे कोध भी बाकी नहीं रहा ज़सको के तुने निकालनेका हुकम दिया था ”

फिर हुकम होगा के “ईरसे जायो और ज़से के हिलमें अेक ज़रा बराबर भी भलाध हो उसको भी निकाल दो.”

फिर वो निकालेंगे जहोतसे लोगोंको और कहेंगे, अय हमारे रब, अब तो उसमें अैसेा कोध भी बाकी नहीं रहा ज़से के हिलमें ज़रा बराबरभी भलाध हो.

अबु सधद भुदरी रहीअदलाहो अन्हो जब धस हदीषको बयान करते थे तो कहते थे, के “अगर धस हदीषमें तुम मुजे सख्या ना जानो तो धस आयतको पढो.” “धन्नदलाहा, ला यजलिमे भिश्काला अरतीन, व धन-तकु हसनतंय्युदा धइहा व युअति मिल्लहुनुहु अजरन अजीमा.”

तरजुमा :- अदलाह अेक अरा बराबरभी वीसीकि साथ जुल्म नहीं इरमाता, और अगर कोध ने की हो तो उसे दुगनी कर देता है और अपने पाससे बाडा सवाब देता है.

फिर अदलाह त्याला इरमायेगा, इरीशते शक़ायत कर चुके, पयगंबर शक़ायत कर चुके, मोयमीनी शिक्कारीश कर चुके, अब कोध बाकी नहीं रहा, पर वोह बाकी है जे सभी रहेम करनेवालोंसे ज़्यादह रहेम करनेवाला है. (भुदा अदलाह त्याला गदुरर रहीम). फिर वो अेक मुस्त लोगोंको दोणजसे निकालेगा. उसमें वो लोग होंगे. ज़न्होंने कभी कोध भलाध नहीं की

હોગી વો જલકર કોયલા બન ચુકે હોંગે. ફિર અલ્લાહ ત્યાલા ઉનહેં એક નહર મેં ડાલ દેગા. જો જન્નત કે દરવાજો પર હોગી. જીસકા નામ નહરે હયાત હૈ.

વો ઉસમેં ઇસ તરહાં તરોતાજા હો જાએંગે જીસ તરહાં પાની કે બહાવ કી મીટ્રીસે દાના ઊગ જાતા હૈ. તુમ દેખતે હો વો દાના કભી કે પત્થર કે પાસ હોતા હૈ, કભી દરખત કે પાસ, ઓર જો આક્રતાબ કે રૂખ પર હોતા હૈ, વો ઝર્દ યા શબ્ઝ ઊગતા હૈ ઓર જો સાએમેં ઊગતા હૈ વો સુફેદ રહતા હૈ.

સહાબાને કહા, “યા રસૂલુલ્લાહ ! આપ તો ઇસ તરહાં બયાન કર રહે હૈ ગોયા આપ જંગલમેં જાનવરોંકો ચરા ચુ કે હૈ.”

ફિર આપને ફરમાયા, “વો લોગ ઉસ નહેરસે મોતી કી તરહાં ચમકતે હુએ નિકલેંગે ઉન કે ગલોંમેં જન્નતવાલે પટ્ટે હોંગે. જન્નતવાલે ઉનકો પહેચાન લેંગે ઓર કહેંગે ‘યે અલ્લાહ ત્યાલા કે આઝાદ કિયે હુએ (લોગ) હૈ, ઇનકો અલ્લાહને બગેર કીસી અમલ યા ભલાઈ કે જન્નત અતા ફરમાઈ.’”

ફિર અલ્લાહ ત્યાલા ફરમાએગા, “જન્નતમેં જાએ ઓર જીસ ચીઝકો દેખો વો તુમહારી હૈ.” વો કહેંગે, “અય હમારે રબ ! ! તુને હમેં ઇતના સબ કુછ દે દિયા હૈ કે, સારે જહાં વાલોંમેં ઇતના કિસીકો નહીં દિયા”

અલ્લાહ ત્યાલા ફરમાએગા, “અભી મેરે પાસ તુમહારે લિયે ઇસસે ભી બઢકર હૈ.”

વો કહેંગે, “અય હમારે રબ !! અબ ઇસસે બઢકર કયા હૈ ?”

અલ્લાહ ફરમાએગા, “મેરી રઝામંદી !! મેં અબ તુમ પર કભી ભી ગુસ્સા નહીં કરુંગા”

૩૬૩. દૂસરી રિવાયત ભી અબુ સઈદ ખુદરી કી ઐસી હૈ. (રદીઅલ્લાહો અન્હો) ઇસમેં યે હૈ કે, હમને કહા, “યા રસૂલુલ્લાહ !! કયા હમ અપને માલિકકો દેખેંગે ?”

આપને ફરમાયા, “જબ સાફ દિન હો તો કયા તુમહેં સૂરજકો દેખનેમેં કુછ હર્જ હોતા હૈ ?”

હમને કહા “નહીં” ઓર ફિર પુરી હદીષ આખિર તક બયાન કી હૈ. ઇતના ઇજાકા હૈ ઇસ ઇબારત કે બાદ. ઉનકો ખુદાને જન્નત કી બગેર કીસી અમલ યા ભલાઈકે, ઉનસે કહા જાએગા, “જો તુમ દેખો વો તુમહારા હૈ ઓર ઇતના ઓર હૈ.”

અબુ સઈદ રદીઅલ્લાહો અન્હોને કહાં મુઝસે યે હદીષ પહોંચી કે પૂલ બાલસે ઝયાદહ બારીક ઓર તલવારસે ઝયાદહ તેજ હોગા.”

ઓર લયસ રદીઅલ્લાહો અન્હોકી રિવાયતમેં યે નહીં હૈ કે, “વો કહેંગે, અય હમારે રબ ! તુને હમેં વો દિયા જો સારે જહાનવાલોંમેં કીસીકો નહીં દિયા ઓર જો ઉસ કે બાદ હૈ....”

૩૬૪. ઇમામ મુસ્લીમ રહમતુલ્લાહે અલયહે બયાન કરતે હૈ ઝેદ રદીઅલ્લાહો અન્હોકી રિવાયતસે ઐસી હી હદીષ થોડે બહુત ફરક કે સાથ મનકુલ હૈ.

**आय ७४ : शक़ायतका धरिआत और मुवहिदों जहन्नमसे निकाले जानेका अयान**

उ६५. अबु सधद भुदरी रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “अल्लाह जन्नत वालोंको जन्नतमें दाखिल करेगा वो जोसे आहेगा अपनी रहेमतसे जन्नतमें दाखिल करेगा और दोज्जबवालोकों दोज्जभमें दाखिल करेगा, फिर इरमायेगा देभो, जोस के दिलमें राह के दाने के अराअर ली इमान हो, उसको दोज्जभसे निकाललो वो लोग उन्हें निकालेंगे (जो) कोयले की तरहों जले हुये होंगे फिर उन्हें नहरिल हयात या नहरे हयामें (इमाम मालिकसे ये रिवायत है यहाँ इस नहर के नाम के बारेमें गलती ना हो ज़अये इस लिये इन्होंने दोनों लिख दिया है, या हो शक़ता है इन तक रिवायत इसी तरहों पहुँची हो.)”

और (नहरमें डालने के बाद) जैसे उगेंगे जैसे के दाना (पानीके) अहाव की तरह उग आता है, क्या तुमने उसे नहीं देखा कैसा ज़द लिपटा हुआ उगता है ?

उ६६. इमाम मुस्लीम रहमतुल्लाहे अल्लयहे अयान करते है अबु सधद भुदरी रदीअल्लाहो अन्होकी रिवायतसे जैसे ही इदीष थोडे अहुत इरक के साथ मनकुल है.

उ६७. अबु सधद भुदरी रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “वो लोग के जो (इंमेशा) जहन्नममें रहेनेवाले है, वो (लोग) ना तो ज़न्दा रहेंगे और ना ही मरेंगे, लेकिन कुछ लोग जो गुनाहों की वजहसे दोज्जभमें गये होंगे उन्हें मारकर (दोज्जभ) कोयला बना देगी.”

फिर शक़ायत की इज्जत ही ज़अयेगी, तो ये लोग, गिरोह दर गिरोह, (दोभजसे निकाल कर) लाये ज़अयेगे और जन्नत ी नहरों पर इलाये ज़अयेगे और (फिर) हुकम किया ज़अयेगा, “अय जन्नत के लोगों ! इन पर पानी डालों, तब ये लोग जैसे जमेंगे जैसे उस मीट्रीमें दाना जम जाता है, जैसे पानी अहा कर लाता है.” (यानी नदी के कांप में)

सहाअभसे अेक शप्स ओला, “(जैसे) माअलुम होता है (जैसे) रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही व सल्लम जंगलमें रहे हैं.” (तब ही उन्हें इस आतका पता है)

उ६८. इमाम मुस्लीम रहमतुल्लाहे अल्लयहे अयान करते है अबु सधद भुदरी रदीअल्लाहो अन्होकी रिवायतसे जैसे ही इदीष थोडे अहुत इरक के साथ मनकुल है.

उ६९. अबुल्लाह बिन मसउद रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “मैं उस शप्सको जानता हुं जो सभसे आभिरमें जन्नतमें ज़अयेगा, ये वो शप्स होगा जो दोज्जभसे धसीटता हुआ निकलेगा, उसे अल्लाह त्आला इरमायेगा, ज़ जन्नतमें दाखिल हो ज़” (और इरमाया, “पस, वो जन्नतमें आयेगा या उस के करीब आयेगा, तो, उस के दिलमें डाला ज़अयेगा के जन्नत तो भरी हुइ है, तो (फिर) वो लौट आयेगा और कहेगा,” अय मेरे रब !! मैंने इसे भरा हुआ पाया.”

तो अल्लाह त्वाला इरमाअेगा, “ज, दाभिल हो जन्त में” और इरमाया, “किर वो जन्तमें दाभिल होगा, किर उस के दिलमें डावा जअेगा के जन्त तो लरी हुंछ है, तो किर वो लौट आअेगा और कहेगा, “अय मेरे रब !! मैंने इसे लरा हुआ पाया.”

किर अल्लाह त्वाला इरमाअेगा, “ज जन्तमें तेरे लिये दुनिया और इस गुना (जयादा) दुनिया के बराबर है जगा है या इस दुनिया के बराबर जगा है.”

वो कहेगा, “तु मुजसे बादशाह होकर मजक करता है या हंसी उडाता है ?”

अब्दुल्लाह बिन मसउद रहीअल्लाहो अन्होने कहा, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमको देभा, आप हंसे, यहां तक के आप के हांत मुबरक भुल गये और आपने इरमाया, “ये सभसे कम दरजेका जन्ती होगा.”

उ७०. अब्दुल्लाह बिन मसउद रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया “मैं पहेयानता हुं उस शअ्सको जो सभसे आभिरमें जहन्नमसे निकलेगा, वो शअ्स कुलों के भल घसीटता हुआ दोजभसे निकलेगा, उससे कहा जअेगा, ज, जन्तमें ज वोह जअेगा, देभेगा तो सभी मकानोंमें जन्त लरे हुअे उससे कहा जअेगा, तुजे वो जमाना याद है जसमें तुं था ? वो कहेगा, हां, याद है किर उससे कहा जअेगा” अचछा, अज कोछ और आरजु करो, वो आरजु करेगा तो हुकम होगा ये ले, और इस दुनिया के बराबर लें,

वो कहेगा, “तु मुजसे बादशाह होकर मजक करता है, हंसी उडाता है ?”

रावीनेक हा, “मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमको देभा, आप हंसे पडे, यहां तक के आप के हांत भुल गये”

उ७१. अब्दुल्लाह बिन मसउद रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “जो सभसे आभिरमें जन्तमें जअेगा वो अेक शअ्स होगा, जो अलेगा और औंध गिरेगा और दोजभ की आग उसे जलाती जअेगी, जभ दोजभसे पार हो जअेगा, तो पीठ मोड कर उसे देभेगा, और कहेगा, भडा भरकतवाला है वोह जसने मुजे तुजसे नजत अता इरमाछ, भेशक (वोह) अल्लाह त्वालाने मुजे धतना दिया है जतना किसीको नहीं दिया, ना अगलोंमें ना तो पीछलोंमें, किर उसे अेक दरभ्त दिभाछ देगा, वो कहेगा, “अय मेरे रब ! मुजे इस दरभ्त के नजदीक कर दो, मैं उस के तले सायेमें रहूं और उसका पानी पीयूं. थप

अल्लाह त्वाला इरमाअेगा, “अय आदम के भेटे, (अलहिरसलाम) अगर मैं तेरा ये सवाल पुरा कर हुं तो तुं और सवाल करेगा, वो कहेगा” नहीं, अय मेरे रब, और अहेद करेगा के किर कोछ और सवाल नहीं कड़ेगा.” और अल्लाह उसका अजर कभूल करेगा इस लिये के वो औसी औसी नेअमतोंको देभेगा जसे देभकर उससे सभर ना हो शकेगा. आभिर कार अल्लाह उस उस दरभ्त के नजदीक कर देगा. तो वो उस के सायेमें रहेगा और उस के पानीसे सैराभ होगा. किर उसे अेक और दरभ्त दिभाछ देगा जो उससे ली अचछा होगा. वो

कहेगा, “अय मेरे रब ! मुझे उस दरभ्त के नजदीक पहुँचा दे. ताके, मैं उसका पानी पीयुं और उस के साथेमें रहुं, फिर तुजसे कोछ सवाल नहीँ कइंगा.”

अल्लाह इरमाअगेगा, “अय आहम के भेते !! क्या तुने ये अहद नहीँ किया था के फिर सवाल नहीँ कइंगा ? अगर मैं तुजे उस दरभ्त के पास पहुँचा हुंगा तो तुं फिर सवाल करेगा.”

वो छकरार करेगा के नहीँ, फिर मैं कोछ सवाल नहीँ कइंगा और उसे अल्लाह त्वाला मअजूर रअभेगा, छस लिये के उसे उस नेअमत पर सभर नहीँ जे देभता है, तभ अल्लाह उसे उस दरभ्त के नजदीक कर देगा, वो उस के साथेमें रहेगा और उसका पानी पीअेगा. फिर उसे अेक दरभ्त दिभाछ देगा जे जन्नत के दरवाजे पर होगा. और पहुलेवाले दोनोँ दरभ्तोंसे भहेतर होगा. वो कहेगा, “अय मेरे रब !! मुझे उस दरभ्त के नजदीक पहुँचा दे ता के मैं उस के साथेमें रहुं और उसका पानी पीयुं, अब मैं और कोछ सवाल नहीँ कइंगा.”

अल्लाह त्वाला इरमाअगेगा, “अय आहम के भेते !! क्या तुने छकरार नहीँ किया था के, अब और कोछ सवाल नहीँ कइंगा ? वो कहेगा, भेशक मैं छकरार कर चुका था, लेकीन अब मेरा ये सवाल पुरा कर दे फिर तुजसे और कोछ सवाल नहीँ कइंगा और अल्लाह त्वाला, उसे छस लिये मअजूर रअभेगा के उस नेअमतों पर सभर नहीँ करतां जसे वो देभता है”

आभिर अल्लाह त्वाला उसे उस दरभ्त के करीभ कर देगा. जब वो उस दरभ्त के करीभ पहुँचेगा तो जन्नतवालों की आवाअें सुनेगा और कहेगा, अय मेरे रब ! मुजे जन्नतमें पहुँचा दे.

अल्लाह त्वाला इरमाअगेगा, “अय आहम के भेते !! तेरे सवालोंको कौनसी चीज भत्म कर शकेगी ? लला क्या तुं छस पर राजु है के, मैं तुजे सारी दुनिया के भराभर अता कइं और छतनाहीँ और अता कइं ?”

वो कहेगा, “अय मेरे रब ! तुं तमाम जहानोंका रब होकर मेरा मजक करता है ?”

फिर अब्दुल्लाह भिन मसअिद रहीअल्लाहो अन्हो हंसने लगे और लोगोंसे कइके “ तुम कयुं पूछते नहीँ के मैं कयुं हंस रहा हुं ?”

लोगोंने पूछा, “तुम कयुं हंस रहे हो ?”

उन्होंने कइा, “रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लम भी छसी तरहां हंसते थे.” (जब ये हदीष भयान करते थे)

सहान्जाने पूछा, “या रसूलुल्लाह, आप कयुं हंसते है ?”

आपने इरमाया, “रअभुल आलभीन के हंसनेसे मैं भी हंसता हुं, जब वो भंदा ये कहेगा,” अय मेरे रब !! तुं तमाम जहानोंका रब होकर मेरा मजक कर रहा है ” तो परवरदिगार हंस देगा.

और इमाअगेगा, “मैं मजक नहीँ करता. भलेके मैं जे आहता हुं करता हुं. (अल्लाहकी सिफत में, हंसना, मजक करना शामिल नहीँ है उसकी शान के लायक भी नहीँ है)”

उठर. अब्बु सहद अुदरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लमने इरमाया सभसे कम दरजेका जन्नती वो है जसका भुंइ अल्लाह

દોજખ કી તરફસે જન્નત કી તરફ ફેર દેગા, ઔર ઉસકો એક સાયાદાર દરખ્ત દિખા દેગા, વો કહેગા, અય મેરે રબ, મુજે ઉસ દરખ્ત કે પાસ લે જા મેં ઉસ કે સાયેમેં રહુંગા....

ઔર આગે હદીષકો ઇસી તરહાં બયાન કિયા. જૈસા કી હજરત અબ્દુલ્લાહ બિન મસઉદ રહીઅલ્લાહો અન્હોને બયાન કિયા. ઇસમેં ઇતના (હિસ્સા) નહીં હૈ. કે અલ્લાહ ફરમાયેગા, અય આદમ કે બેટે!! તેરે સવાલોંકો કૌનસી ચીજ ખત્મ કર શકેગી?... આખિર તક ઔર ઇસમે ઇતના જયાદા હૈ, “ઔર અલ્લાહ ત્યાલા ઉસે યાદ દિલાયેગા ફલાં, ફલાં ચીજ કી આરઝુ કર, યહાં તક કે જબ ઉસકી સભી આરઝુએ ખત્મ હો જાયેગી, તો અલ્લાહ ત્યાલા ફરમાયેગા,” તું યે સબ લે ઔર દસ હિસ્સે ઇસસે જયાદા ભી લે, ફિર વો અપને ઘર જાયેગા ઔર હુરોંમેંસે દોનો બીબીયાં ઉસ કે પાસ આયેગી, ઔર કહેંગી, અલ્લાહકા શુક હૈ જીસને તુજે હમારે લિયે જીન્દા કિયા, ઔર હમેં જીલાયા તેરે લિયે, ફિર વો કહેગા “અલ્લાહને કીસકો ઇતના ઝયાદા નહીં દિયા જીતના મુજકો દિયા હૈ.”

૩૭૩. મુગીરહ બિન શોઅબા રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ, વો કહેતે થે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “હજરત મૂસા અલયહિસ્સલામને અપને પરવરદિગારસે પૂછા,” સબસે કમ દરજે વાલા જન્નતી કૌન હૈ ?”

અલ્લાહ ત્યાલાને ફરમાયા, “યે વો શખ્સ હોગા જો સભી જન્નતીયોં કે જન્નતમેં જાને કે બાદ આયેગા, ઉસે કહા જાયેગા, ‘જા, જન્નતમેં જા.’ વો કહેગા “અય મેરે રબ! કેસે જાઉં? વહાં તો સબ લોગોંને અપન અપને ઠીકાને કર લિયે ઔર અપની અપની જાગયે બનાલી હૈ.”

ઉસસે કહા જાયેગા. “કયા તું ઇસ બાત પે રાજી હોગા, કે તુજે ઇતની મિલ્કિયત મિલે જીતની કે દુનિયામેં કીસી બાદશાહ કે પાસ થા”

વો કહેગા “અય મેરે રબ ! મેં રાજી હું.” હુકમ હોગા, “જા ઇતના હી મુલક હમને તુજે અતા કિયા, ઔર ઇતનાહી ઔર, ઔર ઇતના હી ઔર, ઔર ઇતનાહી ઔર” પાંચવી બારમેં વો કહેગા, “અય મેરે રબ, મેં, રાજી હું.”

અલ્લાહ ત્યાલા ફરમાયેગા, “તું યે ભી લે ઔર દસ હિસ્સે ઇસસે ઔરભી જયાદા લે, ઔર ભી જો તેરા જી ચાહે, જો કુછ તુજે દેખનેમે અચ્છા લગે વો ભી લે.”

ફિર વો કહેગા, “અય મેરે રબ!! મેં રાજી હો ગયા.”

હજરત મૂસા અલયહિસ્સલામને પૂછા, “સબસે બડે દરજેવાલા જન્નતી કૌન હોગા? ”

અલ્લાહત્યાલાને ફરમાયા, “યે વો લોગ હોંગે જીન્હે મેંને પસંદ કિયા ઔર ઉન કી અઝમત ઔર બુઝુર્ગીકો મેંને અપને હાથસે કાયમ કિયા ઔર ઉસ પર મુહર લગાદી, ના કીસી આંખને દેખા, ના કીસી કાનને સુના, ના કીસી કે દિલ પર ગુજરા ઔર ઉસકી તરફીક કરતા હૈ. વો કલામ જો કલામુલ્લાહમેં હૈ,” ફલા, ત્યલમુ નફસુમ-મા ઊખફા લહુમ. મીન કુરંતે અઅયુન જઝાઅમ બેમા કાનુ યઅમલુન.” (સૂરએ સજદહ : ૧૭)

તરજુમા : તો કીસી શખ્શકો માલુમ નહીં કે જો ઉનકી આંખ કી ઠંડક કે લિયે ક્યા ક્યા નેઅમતેં છુપા રખી હૈ, સિલા ઉન કે કરમોં કા.

३७४. मुगीरह बिन शोअबु रहीअल्लाहो अन्हो भिम्बर परसे ये कहते थे, “मूसा अलखदिरसलामने अल्लाह त्वालासे पूछा, सभसे कम दरजेका जन्तनी कौन है?” ईर जैसे उपर गुजरी है इसी तरहां हदीष बयान की।

३७५. अबु अर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायात है, के रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलखले व आलेही व सल्लमने इरमाया, “मैं उस शप्सको ज्ञानता हुंने सभ के भाह जन्तमें जायेगा, और सभ के भाह होजभसे निकलेगा, वो अक शप्स होगा जो क्यामत के दिन लाया जायेगा फिर हुकम होगा,” उस के पहले गुनाह पेश करो और उस के लारी गुनाह पेश ना किये जायें, तो इस पर उस के गुनाह पेश किये जायेंगे, उस के हल के गुनाह और कड़ा जायेगा, इलां रोज तुने ऐसा काम किया था, वो कुबुल करेगा, छन्दार कर शंकेगा नहीं, और अपने लारी गुनाहोंसे डरेगा, के कहीं वो ना पेश किये जायें,

हुकम होगा, “हमने तेरे हर अक गुनाह के पहले अक ने की ही वो कहेगा. अय मेरे रब!! मैंने और भी गुनाह किये है, जूहें मैं यहां पाता हूं.”

रावीने बयान किया है के, मैंने देखा रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलखले व आलेही व सल्लमको आप हंस पडे यहां तक के आप की दाढ़े पुल गध.”

३७६. इमाम मुस्लीम रहमतुल्लाहे अलखले बयान करते है ऐसी ही हदीष थोडे बहुत इरकके साथ दूसरी सनहसे मनकुल है।

३७७. अबु जुअैरने सुना ज़ाबीर बिन अब्दुल्लाह अन्सारी रहीअल्लाहो अन्होसे, उनसे क्यामत के दिन लोगों के आनेका हाल पुछा गया तो उन्होंने कहा, हम क्यामतमें इस तरहांसे आयेंगे, देभ यानी ये उपर सभ छन्सानोंके, इरी अपने अपने भूतों और भयभूतों के साथ उभमती बुलाये जायेंगे, पहलेही उभमत, फिर दूसरी उभमत इस के भाह आभरमें रब तभारक व त्वाला, आयेगा और इरमायेगा, तुम किसको देभ रहे हो ?”

वो कहेगा, “हम अपने परवरदिगारको देभ रहे है.”

वो कहेगा, “मैं तुम्हारा रब हूं.”

वो कहेंगे, “हम तुजे देभें (तो जाने)”

फिर रब उन्हें दिभाध देगा, हंसता हुआ और उन के साथ यदेंगा और सभी लोग उस के पीछे होंगे, भोअमीन हो या मुनाफिक, हर अक शप्सको अक नूर मिलेगा और लोग उस के साथ होंगे, और जहन्नुम के पुल पर आंके और कटे होंगे, वो पकडलेंगे उसको जूसे अल्लाह आहेगा, इस के भाह मुनाफिकोंका नूर जुअ जायेगा, और भोअमीन नजात पायेंगे. तो पहलेला गिरोह भोअमीनोंका होगा उन के चेहरे चौदवी रात के आंध की ताहिर होंगे, ये गिरोह सतर (७०) हज़ार लोगोंका होगा, छनका कोछ हिसाबो किताब ना होगा.

छन के भाह के गिरोह भूष यमकीले तारे की मानीह होंगे इरी उन के भाहका उनसे उतरता हुआ (यमक), यहां तक के शक्षयतका वकत आयेगा, और लोग शक्षयत करेंगे. और जहन्नुमसे निकाला जायेगा उस शप्सका भी जूसने “ला छलाह छललल्लाह” कहा था. और उस के हिलमें अक जव बराबर भी ने की और जेहतरी थी, ये लोग जन्तने आंगनमें डाल

दिये जायेंगे. और जन्तनी लोग उन पर पानी छोड़ेंगे, वो लोग जैसे पनप उठेंगे जैसे पानी बहावमें पेड़ पनप उठता है और उन की जलन और सोझीश यही जायेंगी. फिर वो अल्लाहसे सवाल करेंगे और उन्हें धतना मिलेगा. जैसे सारी दुनिया इस दुनिया के बराबर होगा.

३७८. जाबिर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, उन्होंने अपने कानोंसे सुना नबी अे करीम सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लम इरमाते थे, “भेशक, अल्लाह त्वाला, खंद लोगोंको दोषभसे निकाल कर जन्तमें ले जायेंगा.”

३७९. इम्माद बिन अैदसे रिवायत है के, मैंने उमर बिन हिनारसे पूछा क्या तुमने सुना है इज्जत जाबीर रहीअल्लाहो अन्होको हदीष बयान करते हुये, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमसे, के अल्लाहत्वाला कुछ लोगोंको शक़ायत की वजहसे दोषभसे निकालेगा ? उन्होंने कहा, हां, सुना है.

३८०. जाबीर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “कुछ लोग जहन्नमसे जलकर वहांसे निकलेंगे, और जन्तमें जायेंगे. उनका पुरा बदन जल चुका होगा सिवा मुंह के दायरेंके.”

३८१. यज़ीद बिन इकीरसे रिवायत है के, मेरे दिलमें भारजुयों की एक भात यूँ गध थी (कबीरा गुनाह करनेवाले दोषभमें ही रहेंगे) तो हम एक बडी जमायत के साथ इस धरादेसे निकले के इज्जत करें और फिर भारजुयोंका मजहब ईलाये, जब हम मदीना तैयजह पहोंये तो देखा के इज्जत जाबीर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्हो एक सूतून के पास बैककर लोगोंको रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमकी अहादीष सुना रहे है उन्होंने यकायक दोषभोंका जिक्र किया, तो मैंने कहा ‘अय सहाबी (रहीअल्लाहो अन्हो) आप रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमकी कैसी हदीष बयान करते हो? (जभके) अल्लाह तो इरमाता है, “रब्बना, धन्नक मन तहभुलुन्नार इकद अभअयतुदु” (सुर-अे-आले धमरान-१९२)

तरजुमा :- अय हमारे रब, भेशक जसे तुने दोषभमें जला उसे जइर तुने इस्वह दी.

और अल्लाह इरमाता है, “कुलमा, अंअ्यभरुजु भिन्हा, उधदु किहा”

तरजुमा :- जब कभी अिसमेंसे निकलना चाहेंगे फिर अिसमें ईक दिये जायेंगे “अब तुम क्या कहेते हैं ?”

उन्होंने कहा, “तुने कुरआन पढा है?”

मैंने कहा, “हां”

उन्होंने कहा, “तुने हुजुर सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लम क। मकाम सुना है?”

यानी वो मकाम जो क़ायमत के दिन अल्लाह त्वाला उन्हें धनायत इरमायेगा?

मैंने कहा, “हां मैंने सुना है”

उन्होंने कहा, “फिर वही मकामे महमूह है जसकी शक़ायतकी वजहसे अल्लाह त्वाला, उन लोगोंको आहेगा दोषभसे निकालेगा.” फिर उन्होंने पुलसिरातका हल बयान किया और उस

पुल सिरातसे लोगों के गुजरनेका हाल बयान किया, और मुझे डर है, याद ना रहा हो मगर उन्होंने ऐसा कहा, के कुछ लोग दोग्जभसे निकाले जायेंगे, उसमें जाने के बाद और धस तरहासे निकलेंगे जैसे अबनूस की जली हुई लकड़ीयां, फिर जन्नत की एक नहरमें जायेंगे और वहां गुस्ल करेंगे. और कागज की तरहां सुईह हो कर निकलेंगे, ये सुनकर हम लौटे, और हमने कहा, “भराबी हो तुम्हारी, (भारजुयोंकी) क्या ये जुगहा शप्श रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेही व सल्लम पर जूह बांध रहा है? ” (मतलब के भारजु जुके है) और हम सब हीर गये (भारजुयों के मजहब से) अपने मजहबसे, सिवाय एक शप्श के वो ना फिरा, हजरत अबु नुयैम इजल बिन हुकैनने ऐसा ही रहा.

३८२. हजरत अनस बिन मालिक रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेही व सल्लमने इरमाया, “दोग्जभसे चार लोग निकाले जायेंगे तो उन्हें अल्लाह के सामने पेश किये जायेंगे धनमेंसे एक दोग्जभ की तरफ देण कर कहेगा, “अथ मेरे रब !! जभ तुने मुझे धससे नजात अता इरमाय है तो मुझे हीरसे धसमें मत लेजा. ” अल्लाह त्वाला उसे दोग्जभसे नजात अता इरमायेंगा.

३८३. अनस बिन मालिक रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेही व सल्लमने इरमाया, “अल्लाह त्वाला क्यामत के दिन लोगोंकी धकठ्ठा करेगा, फिर वोह कोशीष करेंगे उस मुसीबतकी दूर करने की, या अल्लाह उन के दिलोंमें किकर डाल देगा वो कहेंगे, हम डीसी की शिक्षारिश करावायें, हमारे रब के पास, यहांसे आराम पाने के लिये तो ये बेहतर होगा, तो ये लोग आदम अल्यहिरसलाम के पास आयेंगे. और कहेंगे तुम सभी धन्सानो के वालिद हो, अल्लाह त्वालाने तुम्हें अपने हाथसे बनाया है और अपनी (पसंदीदा) इह तुममें कुं की है, और इरीस्तोंको हुकम दिया तो उन्होंने तुम्हें सजदा किया, तो आज तुम अल्लाह त्वालामसे हमारी शिक्षारिश करो के वो हमें धस जगह की तकलीफसे आराम अता इरमाये.”

वो कहेंगे “मैं धस लायक नहीं” और अपनी (धन्तेहादी )भताको याद कर के अल्लाहसे शरमायेंगे, “लेकिन तुम नहू अल्यहिरसलाम के पास जाओ वो पहलेले पयगंबर है अल्लाह के जुन्हे भेजा गया (लोगों की हिदायत के लिये).”

वो लोग नहू अल्यहिरसलाम के पास आयेंगे, वो कहेंगे “मेरा ये मनसब नहीं है” फिर वो अपनी (धन्तेहादी )भता याद करेंगे जो दुनियामें दुध थी और अपने अल्लाहसे शरमायेंगे, और कहेंगे, “तुम धब्राहिम अल्यहिरसलाम के पास जाओ जसे अल्लाहने अपना दोस्त बनाया है.

वो सभी धब्राहीम अल्यहिरसलाम के पास आयेंगे, वो कहेंगे, “मेरा ये मनसब नहीं है” और अपनी (धन्तेहादी )भता पर जो उनसे दुध थी याद कर के शरमायेंगे अल्लाह त्वालामसे और कहेंगे “लेकिन तुम भूसा अल्यहिरसलाम के पास जाओ जन्से अल्लाहने बात की और तौरेशरीक अता इरमाय,”

વો સભી મૂસા અલયહિસ્સલામ કે પાસ આચ્છેંગે, વો કહ્લેંગે “મેં ઇસ કે લાયક નહીં” ઔર અપની (ઇજ્તેહાદી ) ખતા યાદ કર કે અલ્લાહસે શરમાચ્છેંગે ઔર કહ્લેંગે “લેકીન તુમ હજરત ઇસા અલયહિસ્સલામ પાસ જાચ્ઓ. જો રહુલ્લાહ હૈ ઔર ઉસ કે હુકમસે પચદા હુએ હૈ.”

વો સભી લોગ ઇસા અલયહિસ્સલામ કે પાસ આચ્છેંગે, વો કહ્લેંગે “મેરા યે મનસબ નહીં હૈ લેકીન તુમ જાચ્ઓ, મુહમ્મદ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમ પાસ વો અલ્લાહ કે ઐસે બંદે હૈ જીન કે અગલે ઔર પિછલી સભી જાહિરી (ક્રેતાહીયો)કો અલ્લાહ ત્યાલાને દુનયામેં માફ ફરમાયા હૈ. .”

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા ફિર વો સભી લોગ મેરે પાસ આચ્છેંગે, મેં અપને પરવરદિગારસે ઇજાજત આહુંગા, મુજે ઇજાજત મિલેગી, જબમેં ઉસકો દેખુંગા, તો સજદેમેં ગિર પડુંગા, ફિર વો મુજે જબ તક આહેગા સજદેમેં રહેને દેગા.

ઇસ કે બાદ કહા જાચ્છેગા, “યા મુહમ્મદ અપને સરકો ઉપર ઉઠાચ્ઓ ઔર જો કહેના આહતે હો કહો, સુના જાચ્છેગા, ઔર માંગો જો માંગના હૈ, દિયા જાચ્છેગા ઔર શકાયત કરો તુમહારી શકાયત કુબુલ કી જાચ્છેગી.

ફિર મેં અપના સર (સજદે સે) ઉઠાઉંગા ઔર અપને પરવરદિગાર કી ઇસ તરહાં હમ્દ બજા લાઉંગા, જીસ તરહાંસે વો મુજે શિખાચ્છેગા, ફિર શિક્ષારીશ કહુંગા, તો મેરે લિયે એક હદ મુકર્રર કી જાચ્છેગી. મેં ઉસ હદ કે મુતાબક લોગોંકો દોજખસે નિકાલકર જન્નતમેં લે જાઉંગા, ઔર દોબારા અપને પરવરદિગાર કે પાસ આકર સજદેમેં ગિર જાઉંગા, વો મુજે જબ તક આહેગા સજદમેં રહેને દેગા ફિર હુકમ હોગા. “યા મુહમ્મદ ! અપને સરકો ઉઠાચ્ઓ ઔર કહો, સુના જાચ્છેગા, માંગો દિયા જાચ્છેગા, શિક્ષારીશ કરો કુબુલ કી જાચ્છેગી, મેં અપને સબકો ઉઠાઉંગા ઔર રબ કી હમ્દ બજા લાઉંગા. જીસ તરહાં વો મુજે શિખાચ્છેગા ફિર શિક્ષારીશ કહુંગા તો એક હદ મુકર્રર કી જાચ્છેગી. મેં ઉસ હદ કે મુવાફિક લોગોંકો દોજખસે નિકાલકર જન્નતમેં લે જાઉંગા.”

રાવીને કહા, મુજે યાદ નહીં, આપને તીસરી બાર યા ચોથી બાર ફરમાયા, “મેં કહુંગા, અચ મેરે રબ !! અબ તો કોઇ ભી દોજખમેં નહીં રહા સિવાય ઉન લોગોં કે જો કુરઆન કે મુજબ હંમેશા દોજખમેં રહેને કે લાયક હૈ.”

હજરત કતાદહ રદીઅલ્લાહો અન્હોને કહા, “યાની જીનકા વહાં હંમેશા રહેના જરૂર હૈ.”

૩૮૪. હજરત અનસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે ઐસી હી દુસરી રિવાયત ભી હૈ ઉસમેં યે હૈ કે, “મેં અપને પરવરદિગાર કે પાસ ચોથી બાર આઉંગા ઔર અરજ કહુંગા, અચ મેરે રબ !! અબ તો કોઇ ભી દોજખમેં બાકી નહીં રહા, સિવાય ઉન કે જીનકો કુરઆનને રોક રખા હૈ.”

૩૮૫. અનસ બિન માલિક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “અલ્લાહ ત્યાલા મોઅમીનોંકી કયામત કે દિન ઇકઠ્ઠા કરેગા, ઉનકો ખયાલ આચ્છેગા.....” હદીષ આબિર તક, જેસે ઉપર ગુજરી ઇસમેં યે હૈ કે, “આપ ચોથીબાર અર્ઝ કરેંગે અચ મેરે રબ !! અબ તો દોજખમેં કોઇ ભી નહીં રહા

સિવાય ઉન કે જો કુરઆન કે હુકમસે રહા હુગ્યા હૈ. યાની જો હંમેશા દોજાખમેં રહેનેકા હકદાર હૈ.”

૩૮૬. અનસ બિન માલિક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “વો શખ્સ (ભી) દોજાખસે નિકલેગા જીસને ‘લા ઇલાહ ઇલ્લલ્લાહ’ કહા હોગા ઓર ઉસ કે દિલમેં એક જવ કે બરાબર ભી ભલાઇ હોગી. ફિર વો શખ્સ નિકલેગા દોજાખસે, જીસને ‘લા ઇલાહ ઇલ્લલ્લાહ’ કહા હોગા ઓર ઉસ કે દિલમેં એક ગોંહુ કે બરાબર ભલાઇ હોગી. ફિર વો શખ્સ નિકલેગા દોજાખસે, જીસને ‘લા ઇલાહ ઇલ્લલ્લાહ’ કહા હોગા ઓર ઉસ કે દિલમેં ચીંટી કે બરાબર ભલાઇ હોગી.”

ષોઅબાને ઇસ હદીષમેં તશહિફ કી ઓર જરેં કી બજાઅએ ધૂરૂહ રિવાયત કિયા, (એક અનાજકા દાના)

૩૮૭. મયમ્બદ બિન હિલાલ અનઝીસે રિવાયત હૈ કે, હમ અનસ બિન માલિક રદીઅલ્લાહો અન્હો કે પાસ ગએ ઓર (ઉનસે મિલને કે લિયે) સાબિતસે શિકારીશ ચાહી ઓર આખિર હમ ઉન તક પહોંચે, વો ચાસ્તકી નમાઝ પઠ રહે થે, હમારે લિયે સાબિતને અંદર આને કી ઇજાજત માંગી ઓર હમ અંદર ગએ, ઉન્હોને સાબિતકો અપને સાથ તખ્ત પર બિઠાયા. સાબિતને કહા, “અય અબુ હમઝા તુમ્હારે બશરાવાલે ભાઇ ચાહતે હૈં કે તુમ ઉન્હેં, શકાઅત કી હદીષ સુનાઓ.”

ઉન્હોને કહા, “હમસે બયાન કિયા હઝરત મુહમ્મદ મુસ્તફા સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને, જબ કયામતકા દિન હોગા તો લોગ ઘબરા કર એક દૂસરે કે પાસ જાઅંગે, પહેલે હજરત આદમ અલયહિસ્સલામ કે પાસ જાઅંગે, કહૈંગે, તુમ અપની ઓલાહ કી ખુદા કે પાસ શિકારીશ કરો, વો કહૈંગે મૈં ઇસ લાયક નહીં, તુમ હજરત ઇબ્રાહિમ અલયહિસ્સલામ કે પાસ જાઓ, વોહ કલીમુલ્લાહ હૈં,

લોગ ઉન કે પાસ જાઅંગે, વો કહૈંગે મૈં ઇસ લાયક નહીં લેકીન તુમ હજરત ઇસા અલયહિસ્સલામ કે પાસ જાઓ વો રહુલ્લાહ હૈ ઓર ઉસકા કલામા હૈં,

લોગ ઉન કે પાસ જાઅંગે, વો કહૈંગે મૈં ઇસ લાયક નહીં લેકીન તુમ હજરત મુહમ્મદ મુસ્તફા સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમ કે પાસ જાઓ.

વો સભી લોગ મેરે પાસ આઅંગે, મૈં કહુંગા “અચ્છા યે મેરા કામ હૈ ઓર મૈં ચલુંગા ઓર અલ્લાહ ત્યાલાસે ઇજાજત ચાહુંગા, મુજે ઇજાજત મિલેગી, મૈં ઉસ કે સામને ખડા હોઉંગા, ઓર ઐસી ઐસી તારીફ બયાન કરુંગા, જો કે મૈં અબ બયાન નહીં કર શક્તા. (કયું કે વો અલ્લાહ મેરે દિલમેં ડાલેગા, ઉસ કે બાદ મૈં સજદેમેં ગિર પડુંગા, આખીર હુકમ હોગા, “યા મુહમ્મદ ! અપના સર ઉઠાઓ ઓર કહોં હમ સુનેંગે, ઓર માંગો, હમ દેંગે, શિકારીશ કરોં હમ કુબુલ કરેંગે.”

મૈં અર્ઝ કરુંગા “અય મેરે રબ!! મેરી ઉમ્મત... મેરી ઉમ્મત... હુકમ હોગા જાઓ ઓર જીસ કે દિલમેં ઘોંહુ યા જવ કે દાને કે બરાબર ભી ઇમાન હો ઉસકો દોજાખસે નિકાલ લો.”

મैं जैसे सली लोगोंकी निकाल दूंगा. और फिर अपने रज के पास आकर वैसी ही इम्हो (बना) करूंगा (जैसी पहले की थी) फिर सज्देमें गिर पडूंगा,

हुकम होगा, “या मुहम्मद !! अपना सर उठाओ और कही जो कहेना है, तुम्हारी बात सुनी जायेगी, और मांगो जो मांगना है, मिलेगा और शिक्षारीश करो, तुम्हारी शिक्षारीश कुबुल की जायेगी,”

मैं अर्ज करूंगा, अथ मेरे रज!! मेरी इम्मत, मेरी इम्मत... हुकम होगा जाओ और जूस के दिलमें राह के दाने के अराबर भी इमान हो उसको जहन्नुमसे निकाल दो, मैं जैसे ही करूंगा, और फिर लौट कर अपने परवरदिगार के पास आऊंगा और वैसीही इम्ह करूंगा, फिर सज्देमें गिर पडूंगा.

हुकम होगा, “या मुहम्मद !! अपना सर उठाओ और कही, હમ સુનેગે આપકો, માંગો હમ દેંગે, શિક્ષારીશ કરો હમ કુબુલ કરેંગે, મેં અર્જ કરુંગા, અથ મેરે રજ !! મેરી ઊમ્મત... મેરી ઊમ્મત... હુકમ હોગા. જાઓ ઔર જુસ કે દિલમં રાહ કે દાનેસે ભી કમ, બહોત હકીર, બહોત હી કમ ઇમાન હો ઉસકો દોજખસે નિકાલલો, મેં जैसे ही करूंगा.

મચબદ બિન હિલાલને કહા, યે હજરત અનસ રદીઅલલાહો અને કી હદીષ હે જો ઉન્હોને હમસે બયાન કી, ફિર હમ ઉન કે પાસસે નિકલે, જબ કબ્રસ્તાન કી બુલંદી પર પહોંચે તો હમને કહા, કાશ કે હમ હસન (બશરી) રદીઅલલાહો અન્હોકી તરફ જાએ, ઔર ઉનકો સલામ કરે. ઔર વો અબુ બલીકા કે ઘરમં છુપે હુએ થે (હિજજાબ બિન યુસુફ કી વજહસે), ખૈર હમ ઉન કે પાસ ગએ ઔર ઉન્હે સલામ કિયા, હમને ઉનસે કહા ‘યા અબુ સઈદ, હમ આપ કે ભાઈ અબુ હમઝા (અનસ બિન માલીક રદીઅલલાહો અન્હો) કે પાસ ગએ ઔર ઉન્હે હમને સલામ કિયા, કહા, અથ અબુ સઈદ હમ તુમહારે ભાઈ અબુ હમઝા કે પાસસે આ રહે હૈ, ઉન્હોને હમં શકાઅત કે બાબમે હદીષ હમસે બયાન કી, વૈસી હદીષ હમને નહીં સુની, ઉન્હોને કહા, હાં, બયાન કરો, હમને ઉનસે વો હદીષ બયાન કર દી ઉન્હોને કહા, ઔર બયાન કરો, હમને કહા બસ ઉન્હોને ઇસસે ઝયાદા બયાન નહીં કિ કી, ઉન્હોને કહા, યે હદીષ તો ઉન્હોને હમસે બીસ બરસ પહેલે બયાન કી થી જબ વો નાઢે (છોટે, જવાન) થે, અબ ઉન્હોને કુછ છોડ દિયા હૈ, નહીં જાન તા કે વો ભુલ ગયે હોં, યા તુમસે બયાન કરના મુનાસિબન સમઝા હો जैसे ना हो तुम लरोसा कर बैठा (और अमले सालेहा छोट हो)

હમને ઉનસે પૂછા, વો કયા હૈ ? હમસે બયાન કીજીએ યે સુનકર હંસે ઔર બોલે “ઇન્સાન કી પૈદાઈશમં જલદી હૈ, મેંને તુમસે યે કિસ્સા ઇસ લિયે જિફ કિયા થા કે મેં તુમસે ઉસ ટૂકડેકો બયાન કરૂં, (યહાં સુનનેવાલોં કી જલદી પર આપ હંસ કિયે, વરના વો ઇસે બયાન તો કરનેહી વાલે થે) રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “મેં ફિર લૌદુંગા અપને રજ કે પાસ ચોથીબાર ઔર ઇસી તરહ તારીફો તૌસીફ કરૂંગા ઔર સજ્દેમં ગિર પડુંગા, મુજે હુકમ હોગા, “યા મુહમ્મદ !! સર ઉઠાઓ ઔર કહો હમ સુનેગે, માંગો હમ દેંગે, શિક્ષારીશ કરો હમ કુબુલ કરેંગે, ઉસ વકતમં અર્જ કરૂંગા, અથ મેરે રજ !! મુજે ઉસ શખ્સકો ભી નિકાલને કી ઇજાજત દે જીસને “લા ઇલાહ ઇલ્લલ્લાહ” કહા હો.

અલ્લાહ ફરમાયેગા, “યે તુમહારા કામ નહીં, લેકીન કસમ હૈ, મેરી ઇજાજત, બુઝુર્ગી, જલાલ ઔર અઝમત કી ઉસ શખ્સકો દોજાબસે મેં નિકાલુંગા. જીસને લા ઇલાહ ઇલ્લાલાહ કહા હો.”

મઅબદ ને કહા, મેં ગવાહી દેતા હું, કે હસનને યે હદીષ હમસે બયાન કી, કહા કે, ઉન્હોંને ઇસ હદીષકો અનસ બિન માલિક રદીઅલ્લાહો અન્હોંસે સુના હૈ. સમજતા હું યું કહા, ખીસ બરસ પહેલે, જબ વો તાકતવર થૈ. (કુવ્વતે બદન ઔર કુવ્વતે હાકિઝા કે લિહાઝસે જયાદા તાકત રખતે થૈ)

૩૮૮. હજરત અબુ હુરૈરહ રદીઅલ્લાહો ત્યાલા અન્હોંસે રિવાયત હૈ કે, એક દિન રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમ કે સામને ગોશ્ત પેશ કિયા ગયા, તો આપકો દસ્તકા ગોશ્ત પેશ કિયા ગયા, ઔર આપ દસ્ત કે ગોશ્તકો જયાદા પસંદ ફરમાતે થૈ. આપને ઉસે દાંતોસે નોંચા, ફિર ફરમાયા, “મેં કયામત કે દિન સબ આદમીયોંકા સરદાર હોઉંગા, ઔર કયા તુમ જાનતે હો અલ્લાહકીસ વજહસે અગલે ઔર પીછલોંકો એક સાથ મયદાનમેં ઇકઠ્ઠા કરેગા? યહાં તક કે પુકારનેવાલે કી આવાઝ સભીકો સુનાઈ દેગી ઔર દેખનેવાલે કી નિગાહ, ઉન સબ પર પહોંચેગી ઔર સૂરજ નજદીક હો જાએગા, ઔર લોગોં પર વો સખ્તી હોગી કે સહ ના શકેંગે. આખીર આપસમેં એક દુસરેસે કહેંગે, “ચલો આદમ અલયહિસ્સલામ કે પાસ”

ઔર ઉન કે પાસ જાએંગે, ઔર કહેંગે, ‘યા આદમ અલયહિસ્સલામ !! તુમ સભી આદમીયોં કે વાલિદ હો, અલ્લાહ ત્યાલાને તુમહેં અપને હાથસે પયદા ફરમાયા, “ઔર અપની રૂહ તુમમેં ફુંકી, ઔર ફરીશ્તોંકો હુકમ દિયા તો ઉન્હોંને તુમહેં સજદા કિયા, અલ્લાહસે આપ હમારી શિક્ષારીશ કરો કયા તુમ નહીં દેખ રહે હો હક કીસ હાલમેં હૈ ? કયા તુમ નહીં દેખ રહે હમ મુસીબતમેં હૈ?”

આદમ અલયહિસ્સલામ ફરમાએંગે, “આજ અલ્લાહ તબારક વ ત્યાલા ગુસ્સમેં હૈ, ઔર ઐસે ગુસ્સેમેં હૈ જૈસા પહેલે કભી ગુસ્સે નહી હુઆ થા ઔર ના હોગા. ઔર ઉસને મુજે દરખ્તસે મના ફરમાયા થા લેકીન મેંને ઉસકી નાફરમાની કી. અબ મુજે ખુદ અપની ફિકર હૈ, તુમ ઔર કીસી કે પાસ જાઓ, નહૂ અલયહિસ્સલામ કે પાસ જાઓ.”

ફિર વો સબ નહૂ અલયહિસ્સલામ કે પાસ જાએંગે, ઔર કહેંગે, “અચ નહૂ અલયહિસ્સલામ, તુમ સભી પયગંબરોસે પહેલે જમીન પર તશરફ લાએ, ઔર અલ્લાહને તુમહેં શુક ગુઝાર બંદા કહા, તુમ હમારી શિક્ષારીશ કરો, અપને રબ કે પાસ, કયા આપ નહીં દેખ રહે હો, હમ કિસ હાલમેં હૈ ઔર હમ પર કેસી મુસીબત આઈ હુઇ હૈ ?”

વો કહેંગે “ આજ મેરા રબ, ઐસા ગુસ્સેમેં હૈ, જૈસા પહેલે કભી નહી હુઆ થા ઔર ના હોગા. ઔર મેંને અપની કૌમ પર બદદુઆ કી થી, ઇસલિયે મુઝે ખુદ અપની ફિકર હૈ, તુમ ઇબ્રાહીમ અલયહિસ્સલામ કે પાસ જાઓ.”

ફિર વો સબ મિલકર ઇબ્રાહીમ અલયહિસ્સલામ કે પાસ જાએંગે ઔર કહેંગે “અચ ઇબ્રાહીમ અલયહિસ્સલામ!! તુમ અલ્લાહ કે નબી હો ઔર ઉસ કે દોસ્ત હો, જમીનવાલોંમેંસે તુમ

हमारी अपने परवरदिगारसे शिक्षारीश करो, क्या तुम नहीं देख रहे हम जिस हालमें हैं और जो मुसीबत हम पर (आन) पडी है?”

वो कहेंगे, “मेरा परवरदिगार आज धतना गुरसेमें है जतना गुरसेमें ना कभी हुआ था और ना कभी होगा और अपना कज्जल जयान करेंगे और कहेंगे, मुझे भुद अपनी झिंकर है. तुम और डीस के पास जाओ, मूसा अलयहिस्सलाम के पास जाओ.”

वो लोग मूसा अलयहिस्सलाम के पास जायेंगे, और कहेंगे “अब मूसा तुम अल्लाह के रसूल हो अल्लाहने तुम्हें अपने पयाभोंसे, और कलामसे सज लोगों पर जुजुर्गी अता इरमाध है. अपने रबसे तुम हमारी शिक्षारीश करो.”

मूसा अलयहिस्सलाम कहेंगे. “आज मेरा रब जैसे गुरसेमें है के, धतना गुरसा कभी नहीं हुआ था ना होगा. और मैंने दुनियामें एक कतल किया था. जिसका मुझे हुकम ना था. धस लिये मुझे भुद अपनी झिंकर है. तुम धसा अलयहिस्सलाम के पास जाओ.”

वो लोग धसा अलयहिस्सलाम के पास आयेंगे, और कहेंगे, “अब धसा तुम अल्लाह के रसूल हो, तुमने मां की गोदसे लोगोंसे भात की, तुम अल्लाहकी एक भात हो, जो उसने मरीयममें डाल दी और तुम उसकी इह हो, तो अपने रबसे हमारी शिक्षारीश करो. क्या तुम नहीं देख रहे हो हम जिस हालमें हैं और जो मुसीबत हम पर पडी हुई है?”

धसा अलयहिस्सलाम कहेंगे, “मेरा रब आज धस कहर गुरसेमें है जतना गुरसेमें ना कभी था और ना होगा, और उन की कोध (धज्जेहादी ) अता जयान नहीं कि गध, तो मुझे अपनी झिंकर है. तुम डीसी और के पास जाओ, मुहम्मद सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लम के पास जाओ.”

वो सज मेरे पास आयेंगे और कहेंगे, “या मुहम्मद ! सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लम आप अल्लाह के रसूल हैं, भातेभिन्नबीय्यीन हैं, अल्लाहने आपकी अगली और पीछली (खेताहीयों को) दुनियामे ही ज्जश दिया गया है. आपकी सजजसे, आप हमारी शिक्षारीश करो अपने रब के पास, क्या तुम हमारा हाल नहीं देख रहे हो ? क्यां तुम नहीं देख रहे हो हम डीस मुसीबतमें है?”

ये सुनकर मैं अलुंगा और अरि की नीचे आकर अपने रबको सज्हा करूंगा, फिर अल्लाह त्वाला मेरा हिल जोल देगा और मुझे अपनी वो इहद (तारीक) अतायेगा जो मुजसे पहले डीसीको नहीं अताध, मैं उसकी इहदो तारीक करूंगा फिर अल्लाह इरमायेगा, “या मुहम्मद ! अपना सर उठाओ, मांगो, जो मांगना है, दिया जायेगा, शिक्षारीश करो कुबुल की जायेगी, मैं सर उठाऊंगा और कहूंगा, मेरी उम्मत... मेरी उम्मत...”

हुकम होगा, “या मुहम्मद सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लम. अपनी उम्मतमेंसे उन लोगोंकी जाजे अयमनसे जन्तमें दाजिल करो जिनका कोध हिसाज किताय नहीं होना है, और वो दूसरे लोगों के शरीक है, जन्त के जाकी दरवाजोंसे (बी जा सकते हैं).

कसम उसकी जिस के कबल अे कुरतमें मुहम्मद की जान है, जन्त के दरवाजे के दोनों किंवाडोंमें धतना शसला है जिसतना मक्का और हिजर के दरम्यान है, (हिजर अहरीनका अेक शहर है) या जिसतना शसला मक्का और अशरा के दरम्यान है।

उ८९. अबु हु२ैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही व सल्लम के सामने सरीहका अेक प्याला रब्जा और गोस्त रभा, आपने हस्तका गोस्त लिया वो आपको पुरे अकरेमेंसे सभसे जयादा पसंद था. आपने उसे दंतोंसे भाना शुरू किया, फिर इरमाया मैं कयामत के दिन लोगोंका सरदार होंगा,”

जब आपने देखा की आप के यार कुछ नही पूछते तो आपने ખुद ही (आगे) इरमाया, “तुम ये नहीं पूछते “कयुं कर?”

सहाबाने कहा, “कयुं कर या रसूलुल्लाह ?”

आपने इरमाया, “लोग सभ अडे होंगे रब्बुल आलमीन के सामने... और अैसी ही हदीष अयान की जैसे अेपर गुजरी है. ”

हज्रत एब्राहीम अलअहलिरसलाम के किरसेमें धतना जयादा है उनहोंने अयान किया, सितारेको के क्या ये मेरा रभ है? (पयगंबरोसे शिकं नहीं हो शकता, ये एब्राहीम अलअहलिरसलामका अकीदा हरगीअ नहीं था के, वो रभ है सिई काकिरोको दिभाने के लिये कहा था और जब ये दूअ गये तो कहा, ये मेरा ખुदा नहीं हो शकता, सितारा, सुरज और आंद किअअ था) अुतोंको आपने तोडा था और कहा था अडे अुतने तोडा है. अिमार ना थे और कहा मैं अिमार हूं. ( यानी मेरी कौम अिमार है.)

कसम उसकी जिस के हाथमें मुहम्मद की जान है जन्त के दोनों दोनों किंवाडोंमें धतना शसला है जिसतना मक्का और हिजर के दरम्यान है, या युं कहा जिसतना हिजर और मक्का के दरम्यान है. मुजे याद नहीं कयुं कर कहा.

अबु हु२ैरह और हु२ैकह रहीअल्लाहो अन्हुमसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह, सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “अल्लाह त्वाला कयामत के दिन लोगोंको जमा करेगा, मुसलमान अडे रहेंगे यहां तक के उन के पास जन्त जायेगी. फिर वो आहम अलअहलिरसलाम के पास जायेंगे, और कहेंगे अय हमारे वालिद हमारे लिये जन्तको ખोल दो” वो कहेंगे, “तुम्हें किसने जन्तसे निकाला, मेरी ही (एजतेहादी ) अताने, अब मुजसे ये काम नहीं हो शकता है, हा लेकीन तुम मेरे अेते एब्राहिम अलअहलिरसलाम के पास जाओ”

एब्राहिम अलअहलिरसलाम कहेंगे ये काम मुजसे नहीं हो शकता, मैं अल्लाहका दोस्त लेकीन मेरा मक़म मक़मे शक़अतसे हू है, तुम मूसा अलअहलिरसलाम के पास जाओ, अल्लाहने उनसे अात की है.

वो लोग मूसा अलअहलिरसलाम के पास जायेंगे, वो कहेंगे मैं एस लायक नहीं. तुम एसा अलअहलिरसलाम के पास जाओ, जो अल्लाहका कदमा और उसकी इह है. एसा अलअहलिरसलाम कहेंगे, ये मेराका नहीं, फिर वो सभी मुहम्मद सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही व सल्लम के पास आयेंगे.

આપ ખેડે હોંગે ઔર આપકો ઈજ્જત મિલેગી. અમાનત ઔર નાતેકો છોડ દિયા જાએગા, વો પુલ સિરાત કે દાહિને ઔર બાયે ખેડે હો જાએંગે. તુમમેંસે પહેલા શખ્સ પુલસિરાતકો ઈસ તરહાં પાર કરેગા જૈસે બીજલી.

ઉન્હોને કહા, “આપ પર હમારે માં-બાપ કુરબાન હોં, બીજલી કી તરહાં કૌનસી ચીજ ગુજરતી હૈ?”

આપને ફરમાયા, “તુમને બીજલીકો નહીં દેખા? વો કેસી ગુજરાતી જાતી હૈ ઔર ફિર લૌટ આતી હૈ? પલક ઝપકતે, ફિર જૈસે હવા જાતી હૈ, ફિર જૈસે પરિંદા ઉડતા હૈ, ફિર જૈસે આદમી દૌડતા હૈ, અપને અપને આમાલ કે મુવાફિક (ગુજરેંગે) ઔર તુમહારે નબી પુલ પર ખેડે હોંગે વો કહેંગે, યા અલ્લાહ બચા... યા અલ્લાહ બચા... યહાં તક કે આમાલકા જોર ઘટ જાએગા. ઔર એક શખ્સ આએગા વો ચલ ના શકેગા, ઘસીટતા હુઆ આએગા ઔર ઉસ પુલ પર દોનોં તરફ લપકતેહુએ આંકડે હોંગે, જીસકો હુકમ હોગા ઉસે પકડ લેંગે. ફિર બઅઝ લોગ છિલ-છિલાકર નજાત પા જાએંગે. ઔર બઅઝ લોગ ઊલટ પૂલટ કર દોજખમેં ગીર જાએંગે, કસમ હૈ ઉસકી જીસ કે હાથમેં, અબુ હુરૈરહ કી જાન હૈ (રદીઅલ્લાહો અન્હો) જહન્નમ કી ગહરાઇ સત્તર (૭૦) સાલ કી રાહ (કે બરાબર) હૈ.”

૩૯૧. હજરત અનસ બિન માલીક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “કયામત કે દિન સબસે પેહલે મેં જન્નતમેં શકાયત કહુંગા, ઔર સભી પયગંબરોંસે જયાદા લોગ મેરે પૈરવી કરને વાલે હોંગે.”

૩૯૨. અનસ બિન માલીક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “સભી પયગંબરોંસે જયાદા લોગ કયામત કે દિન મેરે પૈરવી કરને વાલે હોંગે ઔર સબસે પેહલે મેં જન્નતકા દરવાજા ખટખગાઉંગા.”

૩૯૩. અનસ બિન માલીક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “સબસે પેહલે મેં જન્નતમેં શકાયત કહુંગા, ઔર કીસી અંબિયા પર ઈતને લોગ ઈમાન નહીં લાયે જીતને લોગ મુજ ઈમાન લાયે ઔર બઅઝ અંબિયા ઈસ તરહાં હૈ જીન કે માનને વાલોંમે શિર્ક એક હી, શખ્સ હૈ.”

૩૯૪. અનસ બિન માલિકસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા” મેં કયામત કે દિન જન્નત કે દરવાજે પર આઊંગા ઔર દરવાજા ખુલવાઉંગા. ચૌકીદાર પુછેગા, “તુમ કૌન હો?” મેં કહુંગા, “મુહંમદ” (સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમ)

વો કહેગા, “આપ હી કે લિયે મુજે હુકમ હુઆ થા કે આપસે પેહલે કીસી કે લિયે દરવાજા મત ખોલના.”

૩૯૬. અબુ હુરૈરહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “હર નબી કી એક દુઆ હોતી હૈ, (જો કુબુલ કી જાતી હૈ) તો મેં ચાહતા હું કે વો દુઆ કયામત કે દિન તક અપની ઉમ્મત કી શકાયત કે લિયે બચાકર રખુંગા.”

३६७. अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमायाके,

“हर नबी की अेक दुआ (होती है) जो जर कुबूल होती है. तो मेरा धरादा है के, अगर अल्लाह चाहे तो, मैं अपनी दुआको बना कर रज्जुं और क्यामत के दिन अपनी उम्मत की शक़ायत करे.”

३६८. अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे अैसी ही अेक और हदीष मन्कुल है.

३६९. अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होने कअम बिन अहबारसे कहा,

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया,

“हर नबी के लिये अेक दुआ होती है, जिसको वो मांगता है, मेरा धरादा है अशर्त के अगर अल्लाह चाहे, मैं उस दुआको छुपाये रज्जुं अपनी उम्मत की शक़ायत के लिये क्यामत के दिन”

कअमने कहा, अबु हुसैरह (रहीअल्लाहो अन्हुम)से “क्या तुमने ये रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने सुना है?”

अबु हुसैरहने कहा, “हां”

४००. अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया,

“हर नबी की अेक दुआ है जो जर कुबूल होती है, तो हर अेक नबीने जदही कर के वो दुआ मांगली और मैं अपनी दुआको छुपा रज्जता हु क्यामत के दिन के लिये अपनी उम्मत की शक़ायत के वास्ते, और अल्लाहने चाहा तो मेरी शक़ायत हर अेक उम्मती के लिये होगी, अशर्त के वोह शिर्क पर ना भरा हो.”

४०१. अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया,

हर नबी की अेक कुबूल होने वाली दुआ होती है, जोसे वो मांगता है ओर कुबूल होती है. और अता की जाती है. और मैंने अपनी वो दुआ उठा रज्जनी है अपनी उम्मत की शक़ायत के लिये क्यामत के दिन.

अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “हर नबी की अेक दुआ है जो उसने अपनी उम्मत के लिये मांगी और मैंने अनी दुआ छुपा रज्जनी है, अपनी उम्मत के लिये क्यामत के दिन शक़ायत के लिये.”

४०२. अनस बिन मादीक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “हर नबी की अेक दुआ है जो उसको उसने अपनी उम्मत के हकमें मांगा, और मैंने अपनी दुआको उठा रज्जना है क्यामत के दिन अपनी उम्मत की शक़ायत के लिये.”

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમકા અપની ઉમ્મત કે લિયે ઉન કે હાલ પર શક્કતસે દુઆ કરના

૪૦૩. ઈમામ મુસ્લીમ બયાન કરતે હૈ એક ઔર સનહસે ઔસી હી એક ઔર હદીષ મનકુલ હૈ.

૪૦૪. ઈમામ મુસ્લીમ બયાન કરતે હૈ એક ઔર સનહસે હજરત ક્તાદહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે ઔસી હી એક ઔર હદીષ મનકુલ હૈ.

૪૦૫. ઈમામ મુસ્લીમ બયાન કરતે હૈ અનસ બિન માલીક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે ઔસી હી એક ઔર હદીષ મનકુલ હૈ

૪૦૬. હજરત જાબીર બિન અબ્દુલ્લાહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા “હર નબી કી એક દુઆ હૈ જીસકો ઉસને અપની ઉમ્મત કે હકમૈ માંગા, ઔર મૈને અપની દુઆકો કયામત કે દિન અપની ઉમ્મત કી શકાયત કે લિયે મહકુઝ રખા હૈ.”

**બાબ ૭૫ : રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમકા અપની ઉમ્મત કે હકમૈ દુઆ કરના, રોના ઔર શકાયત ફરમાના.**

૪૦૭. અબ્દુલ્લાહ બિન અમ્ર રદીઅલ્લાહો અન્હો (બીન આસ)સે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા યે આયત તિલાવત કી જીસમે ઇબ્રાહીમ અલયહિસ્સલામકા કૌલ હૈ, “રખ્ખી ઇન્નહુન્ન અદલલન કસીરમ-મિનન્નાસ ઇમન તબેઅની, ઇ ઇન્નહુ મિન્ની, વ મન અસાની ઇ ઇન્નક ગફુર રહીમ (સૂર-એ-ઇબ્રાહિમ : ૩૬)”

(તરજુમા :- અય મેરે રબ ! બેશક ઇન બુતોને બહોત લોગોંકે બહકા દિયે, તો જીસને મેરી પૈરવી કી , વોહ તો મેરે રાસ્તે પર હૈ, ઔર જીસને મેરા કહા ના માના તો બેશક તું બખ્શનેવાલા મહેરબાન હૈ.)

ઔર યે આયત જીસમે ઇસા અલયહિસ્સલામકા કૌલ હૈ.

“ઇન તુઅઝઝીબહુમ ઇ ઇન્નહુમ ઇબાહુક. વ ઇન તગફિર લહુમ ઇફન્નક અન્તલ અઝીઝૂલ હકીમ ” (સૂર-એ-માઈદહ - ૧૧૮)

(તરજુમા :- અગર તું ઉન્હે અઝાબ દે તો વો તેરે બદે હૈ, ઔર અગર તું ઉન્હે બખ્શ દે તો તું હી ગાલિબ ઔર હિકમતવાલા હૈ.)

ફિર અપને દોનોં હાથ ઉઠાએ ઔર કહા અય મેરે રબ મેરી ઉમ્મત... મેરી ઉમ્મત... ઔર રોને લગે.

અલ્લાહ ત્યાલાને ફરમાયા, “અય જીબ્રીલ, તુમ મુહમ્મદ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમ કે પાસ જાઓ, ઔર તુમહારા રબ ખુબ જાનતા હૈ. લેકીન તુમ જા કર ઉનસે પૂછો વો ક્યું રો રહે હૈ ? જીબ્રીલ આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમ કે પાસ આએ ઔર પુછા “આપ ક્યું રો રહે હૈ?” આપને સબ હાલ બયાન કિયા, જીબ્રીલને અલ્લાહ ત્યાલાસે જાકર અરજ કિયા, હાલાં કે વો ખુબ જાનતા થા.”

अल्लाह त्आलाने इरमाया, “अय ज़ुब्रील ! मुहम्मद सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लम के पास जाओ और कहो ‘हम आपसे जुश करेंगे आपकी उम्मतकी ज़ुशीश के मामले में, ना आपसे नाराज़ नही करेंगे.’”

**भाब ७६ :-** जो शम्स कुह पर भरे वो दोज़भमें जायेगा और उसकी शक़ायत ना होगी, और जुज़ुगी की जुज़ुगी उस के कोह काम ना आयेगी.

४०८. अतस रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, अक शम्सने पूछा “ या रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लम मेरे वालिद कहां है ?”

आपने इरमाया, “दोज़भमें”

जब वो पीठ केर कर खला तो आपने उसको बुलाया और इरमाया के “मेरा वालिद और तेरा वालिद दोनों दोज़भमें हैं.”

(धमाम ज़लालुद्दीन सुयुती रहमतुल्लाह अलयहेने कथ हदीषोंसे धस भातको साबित किया है के, अल्लाहने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमकी दुआको आप के वालिदैन के हकमें कुबुल किया, उनहें दोबारा ज़ुलाया गया और उनहोंने धस्लाम कुबुल किया.)

४०९. अबु हुदैरह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, जब ये आयत नाज़ील हुइ... “व अतज़ीर अशीरतकल अकरणीन.” (सूर-अे-शुअरा : २१४)

तरज़ुमा :- “और अय महेबुब ! आपने क़रीबतर रिश्तेदारोंको डरायो.”

तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने कुरैश के आम और भास लोगोंको बुलाया, वो सब धक़्ठे हुअे, आपने सबको आम तौर पर डराया, फिर भास तौर पर डराया, और इरमाया, “अय कअब बिन लवी के भेटो अपने आपको ज़हन्नुमसे छुडाओ, अय मरहू बिन कअब के भेटो अपने आपको ज़हन्नुमसे छुडाओ अय अब्दे शम्श के भेटो अपने आपको ज़हन्नुमसे छुडाओ, अय हाशिम के भेटो अपने आपको ज़हन्नुमसे छुडाओ, अय अब्दुलमुत्तलीब के भेटो अपने आपको ज़हन्नुमसे छुडाओ, अय शतेमह रहीअल्लाहो अन्हा अपने आपको ज़हन्नुमसे छुडाओ, धसलिये के मैं अल्लाह के सामने (अज् जुह) क़ीसी यीअज़ मालीक नही अलबत्ता तुम जो मुजसे रीश्तेदारी रभते हो. उसका कैअ मैं पहुआउंगा.”

४१०. धमाम मुस्लीम बयान करते है अक और सनहसे औसी ही अक और हदीष मन्कुल है.

४११. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, जब ये आयत नाज़ील हुइ. “व अतज़ीर अशीरतकल अकरणीन.” तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लम शक़ा पहाडी पर भडे हुअे और इरमाया, “अय शतेमा, (रहीअल्लाहो अन्हा) मुहम्मद (सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लम) की भेटी, अय सक्कियह अब्दुल मुत्तलीब के भेटी, अय अब्दुल मुत्तलीब के भेटो, मैं अल्लाह के सामने (अज् जुह) तुमको नही बया शक़ता, अलबत्ता, तुम मेरे मालमेंसे जो आहो मांग लो.”

४१२. अबु हुदैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जब रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व आलेही व सल्लाम पर ये आयत नाज़ील हुं “व अनज़ीर अशीरतकल अकरबीन.” (अश-शुअरा : २१४)

तो आपने इरमाया, “अय कुरैश के लोगो, तुम अपनी जानोंको अल्लाहसे मोल लो. मैं अल्लाह के सामने(अज जुह) तुम्हारे कुछ काम नहीं आ सकता. अय अब्दुलमुत्तलीब के भेटो, मैं अल्लाह के सामने तुम्हारे कुछ काम नहीं आ सकता, अय अब्बास अब्दुलमुत्तलीब के भेटे, मैं अल्लाह के अजाब के (अज जुह) टाल नहीं सकता. अय शकिअह(रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व आलेही व सल्लामकी कुड़ी) मैं अल्लाहकेमें अल्लाह के अजाब के (अज जुह) टाल नहीं सकता. अय इतेमह बिनते मुहम्मद (सललल्लाहो अललयहे व आलेही व सल्लाम की) मेरे मालमेंसे जो चाहे मांग ले, पर अल्लाहकेमें अल्लाह के अजाब के (अज जुह) टाल नहीं सकता.

४१३. इमाम मुस्लीम बयान करते है अक और सनहसे औसी ही अक और हदीष मनकुल है. ४१४. कबीशह बिन मुभारिक और जुदैर बिन अम्रसे रिवायत है दोनोंने कहा, जब ये आयत उतरी. “व अनज़ीर अशीरतकल अकरबीन.” (अश-शुअरा : २१४) तो रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व आलेही व सल्लाम पहाडी के अक पत्थर पर गये और सभसे ऊंथे पत्थर पर भेडे हुये फिर आवाज दी, “अय अफ्दे मुनाक़ के भेटो!! मैं डरानेवाला हुं ! मेरी और तुम्हारी मिसाल औसी है जैसे अक शफ्सने दुश्मनको देभा, फिर वो अपने अहेलको बचाने के लिये यत्ना, और डरा के कहीं दुश्मन उससे पहले ना पहुँच जाये, तो पुकारने लगा, या शभाहाह” (ये भबरदार होने के लिये कहा जानेवाला अरबी जुमला है)

४१५. इमाम मुस्लीम बयान करते है अक और सनहसे औसी ही अक और हदीष मनकुल है. ४१६. इब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, के जब ये आयत नाज़ील हुं “व अनज़ीर अशीरतकल अकरबीन.” (अश-शुअरा : २१४)

तो रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व आलेही व सल्लाम निकले यहाँ तक के शक़ा पहाडी पर यह गये और पुकारा “या शभाहाह”  
लोगोंने कहा “ये कौन पुकार रहा है?”

उन्होंने कहा, “मुहम्मद (सललल्लाहो अललयहे व आलेही व सल्लाम) है.”

फिर सभ लोग आप के पास धकड़ा हुये, आपने कहा, “अय इलां के भेटो, अय इलां के भेटो!! अय इलां के भेटो !! अय अफ्दे मुनाक़ के भेटो, अय अब्दुलमुत्तलीब के भेटो!!” वो सभ धकड़े हुये तो आपने इरमाया, “तुम क्या समजते हो ? अगरमें ये कहु के धस पहाडी के पीछे सवार है तो मेरी भात मानोंगे ?”

उन्होंने कहा, “हमने तो तुम्हारी कोछ भी भात झूट नहीं पाछ.”

आपने इरमाया “तो फिर मैं तुम्हें डराता हुं, सप्त अजाब से.”

अबु लहुबने कहा, “ तुम ललाक हो जाव (नउजुबिल्लाह), तुमने हम सभको धस लिये जमा किया?”

झिर वो भडा हुआ, उस वकत ये सूरत नाजिल हुई, “तब्बतयदा अभील हर्बीव व ऊ तब्ब.....”

तरजुमा : हलाक हों अभी लहलह के दोनों हाथ, और वो हलाक हुआ.

अम्मसने इस सूरतको खुंटी पढा, तब्बतियदा अभी लहलहवीव व कद तब्ब. आभिर तक.(मतलब के उसमें कद तब्ब पढा. कद जयादा लगाया जब के तब्बतियदा अभीलहर्बीव व तब्ब पढा जाता है)

४१७. इसी सनहसे औरी ही अेक और हदीष मनकुल है. इसमें आयाते करीमा “व अनजीर अशीरतकल अकरबीन.” क। तज्जरीरा नहीं है.

**बाब ७७ : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमकी शिकारीश की वजहसे अबु तालिब के अजाबमें तभदीक होने के बयानमें**

४१८. हजरत अब्बास बिन अब्दुल मुत्तलिब रहीअल्लाहो अन्होने पुछा, “या रसूलुल्लाह ! क्या आपने, अबु तालीबको भी कुछ शयदा पढोयाया? वो आप की हिंजजत करते थे और आप के वास्ते गुस्सा होते थे”

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “हां, वो जहन्नुमके सिर्फ़ उपर के दरजेमें हैं और अगर मेरी शक़ायत ना होती तो वो जहन्नुम के नीचे के दरजेमें होते.”

४१९. अब्दुल्लाह बिन हारीष रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैंने हजरत अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे सुना. वो इरमाते थे, “मैंने कडा की, या रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लम अबु तालीब आपका बयाव करते थे और आप की महद करते थे और आप के लिये लोगों पर गुस्सा करते थे. तो उनको धन बातों की वजहसे कोछ शयदा हुआ?”

आपने इरमाया, “हां, मैंने उनको सप्त अंगारमें पाया तो मैं उन्हें हलकी आगमें निकाल लाया.”

४२०. धिमां मुस्लीम बयान करते है अेक और सनहसे औरी ही अेक और हदीष मनकुल है.

४२१. अबु सय्द भुदरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लम के पास आप के आया अबु तालीबका जीक हुआ, आपने इरमाया, “शायद मेरी शक़ायतसे उनका कयामत के दिन शयदा हो और उन्हें हलकी आगमें रभा जायें, जो उन के टभनों तक हो लेकीन इससे हिमाग भौलेगा.”

४२२. अबु सय्द भुदरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “ के सभसे कम दरजेका अजाब उसको होगा जोसे दो ज़ुतियां आग की पहेनाछ जायेंगी उन ज़ुतियों की गरमी की वजहसे हिमाग भौलेगा.

४२३. धुने अज्जाल रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “अबु तालीबको दोज्जका सभसे हलका अज्जाल होगा, वोह दो ज़ुतीयां पहने होंगे, औसी ज़ुतीयां ज़ुनेसे उनका हिमाग षौलेगा.”

४२४. नोअमान बिन अशीर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, वो ज़ुत्बा पह रहे थे, उन्होंने कहा के मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लमसे सुना आपने इरमाया, “क्यामत के दिन सभसे कम दरजेका अज्जाल उसे होगा ज़ुस के तलवों के भीच दो अंगर रभे ज़ावेंगे उसकी वजहसे हिमाग षौलने लगेगा.”

४२५. नोअमान बिन अशीर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लमने इरमायाके, “सभसे हलका अज्जाल उसको होगा, जो दो ज़ुतीयां और दो तरभें अंगारे के पहने होगा, उसका हिमाग धस तरहों षौलेगा ज़ुस तरहों हंडी इड इड पकती है. वो सभजेगा उससे ज़यादा सप्त अज्जाल कीसीको नहीं, हालां के उसे सभसे हलका अज्जाल होगा.”

**आय ७८ :- कुई पर भरनेवाले शप्स के कोई अमल काम ना आउंगे.**

४२६. उमुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होने सवाल किया, “या रसूलुल्लाह (सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लम) ज़ुदअनका भेटा जमानअे ज़ाहिलियतमें सिला रहभी करता था और भिरकीनोंको जाना बिलाता था, क्या उसे ये अमल शयदा पहोंयाउंगे ? ”

आपने इरमाया, “कुछ शयदा नहीं हेंगे, उसने कभी औसा नहीं कहा के अय मेरे रभ! क्यामत के दिन मेरे गुनाह अफ्श हे.”

**आय ७९ :- मुअमीनसे दोस्ती और गैरमुअमीनसे दोस्ती तोडने और उससे ज़ुदा रहने के अयान में.**

४२७. अत्र बिन आस रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लमसे सुना, आप पुकार कर इरमाते थे. युपकेसे ना इरमाते थे, “इलां आनद्वन मेरा अजीज नहीं अल्ले अल्लाह मेरा वली है और मेरे अजीज वो मोमीन है जो नेक हों.”

**आय ८० :- मुसलमानों के अेक गिरोहका अगैर हिसाब और अगैर अज्जाल जन्नतमें दाबिल होनेका अयान.**

४२८. अबु डुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह, सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “मेरी उम्मतमेंसे सत्तर हज़ार (७०,०००) आदमी अगैर हिसाब के जन्नतमें दाबिल होंगे.” अेक शप्स बोला, “या रसूलुल्लाह! (सल्लल्लाहो

अलखड़े व आलेही व सल्लम) दुआ डीणुअे अल्लाह मुजे उन लोगोंमे शामिल कर दे.”  
आपने इरमाया, “या अल्लाह एसे उन लोगोंमें शामिल कर दे.”

इर दुसरा शप्स ञडा हुआ और ओला, “या रसूलुल्लाह ! (सल्लल्लाहो अलखड़े व आलेही व सल्लम) दुआ डीणुअे अल्लाह मुजे भी उन लोगोंमें शामिल कर दे.”

आपने इरमाया, “उककाशह ! तुजसे पहले ये काम कर चुका.”

४२८. अेक और सनहसे अैसी ही अेक और हदीष मनकुल है.

४३०.अबु हुशैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलखड़े व आलेही व सल्लमसे सुना आप इरमाते थे, “मेरी उम्मतमेंसे सत्तर हज़ार लोगों की अेक जमाअत जन्नतमें जायेंगी, ञन के मुंड अौहलवी की रात के आंद की तरहां यमकते होंगे, अबु हुशैरह रहीअल्लाहो अन्होने कहा, ये सुनकर उककाशह बिन मुहसीन असदी अपना कम्मल उठाते हुअे ञडे हुअे और कहा, “या रसूलुल्लाह ! अल्लाहसे दुआ डीणुअे मैं उन लोगोंमें हो जाँउ”

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलखड़े व आलेही व सल्लमने इरमाया, “अय अल्लाह! तुं एसे उन लोगोंमेंसे कर दे.”

इर अेक शप्स अन्सारमेंसे और ञडा हुआ और ओला,

“या रसूलुल्लाह ! (सल्लल्लाहो अलखड़े व आलेही व सल्लम) दुआ डीणुअे के अल्लाह मुजे भी उन लोगों मेंसे करे.”

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलखड़े व आलेही व सल्लमने इरमाया, “ये बात तुजसे पहले उककाशह कर चुका.

४३१. अबु हुशैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलखड़े व आलेही व सल्लमने इरमायाके, “मेरी उम्मतमेंसे सत्तर हज़ार लोग जन्नतमें जायेंगे, उनमेंसे ञअअ लोगों की सूत आंद की तरहां यमकती होंगी.”

४३२. हज़रत एमरान रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलखड़े व आलेही व सल्लमने इरमाया, “मेरी उम्मतमेंसे सत्तर हज़ार लोग ञगैर हिसाब के जन्नतमें जायेंगे. लोगोने पूछा “वो कौन लोग होंगे या रसूलुल्लाह!”

आपने इरमाया, “वो लोग ञे दाग नहीं देते और मन्तर नहीं करते और अपने रब पर भरोसा करते है.”

उस वकत उककाशह रहीअल्लाहो अन्हो ञडे हुअे और कहा “या रसूलुल्लाह! दुआ इरमाएअे के ञुदा मुजको उन लोगोंमेंसे करे.”

आपने इरमाया, “तु उनमेंसे है.”

इर अेक शप्स और ञडा हुआ और कहने लगा, “अय अल्लाह के नबी ! दुआ डीणुअे के अल्लाह मुजको भी उन लोगोंमें (शामिल) करे” आपने इरमाया, “पहले उककाशह कहे चुका.”

૪૩૩. હજરત ઇમરાન બિન હસીન રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયોકે, મેરી ઉમ્મતમેંસે સત્તર હજાર લોગ બગેર હિસાબ કે જન્તમેં જાયેંગે.

લોગોને કહા, “યા રસૂલુલ્લાહ વો કોન લોગ હોંગે ? આપને ફરમાયા, “વો લોગ જો ના મંતર કરતે હૈ, ના બદ્દશગુની લેતે હૈ, ના દાગ (ડામ) લગાતે હૈ, ઓર આપને પરવરદિગાર પર ભરોસા કરતે હૈ,” સહલ બિન સઅદ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમને ફરમાયા, “મેરી ઉમ્મત મેસે સત્તર હજાર યા સાત લાખ આદમી એક દૂસરેકો પકડે હુઅ જન્તમેં. કોઇ ઉનમેસે પેહલે જન્તમેં ના દાખિલ હોગા. જબ તક કી આખિરી શખ્સ જન્તમેં ના દાખિલ હો જાયે, ઓર ઉન કે મુંહ ચૌદહવીં રાત કે આંદ કી તરહ અમકતે હોંગે.”

૪૩૪. હુસૈન બિન અબ્દુરરેહમાનસે રિવાયત હૈ કે, મેં સઈદ બિન જુબૈર રદીઅલ્લાહો અન્હો કે પાસ થા. ઉન્હોને કહોકે, “તુમ મેસે કિસીને ઉસ સિતારેકો દેખા જો કલ રાતકો ટુટા થા?” મેને કહા, “મેને દેખા કે મેં નમાઝમે ઉસ વકત મશગુલ ના થા. બલ્કે મુજે બિચ્છુને ડંખ મારા થા.”

સઈદ રદીઅલ્લાહો ત્યાલા અન્હોને કહા, “ફિર તુને કયા કિયા?”

મેને કહા, મેને, “દમ કરાયા,”

ઉન્હોને કહા, “તુને દમ કયું કરાયા?”

મેને કહા, “ઉસ હદીષ કી વજહસે જો શઅબીને હમસે બયાન કી.”

ઉન્હોને કહા, “શઅબી ને કોનસી હદીષ બયાન કી?”

મેને કહા, “ઉન્હોને હમે ખુરિદાહ બિન હસીબ અસ્લમી રદીઅલ્લાહો ત્યાલા અન્હોસે રિવાયત હદીષ કહી હૈ કે, દમ મુફીદ નહીં સિવા નજર કે લિઅે યા ડંખ કે લિઅે.” (યાને સાપ-બિચ્છુ કે કાટને પર યા નજર ઉતારને પર દમ મુફીદ હે.)

સઈદને કહા, “જોસને જો સુના ઓર ઉસ પર અમલ કિયા તો અચ્છા કિયા, લેકીન હમસે તો અબ્દુલ્લાહ બિન અબ્બાસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે યે હદીષ બયાન કી, ઉન્હોને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વ સલ્લમસે સુના કી આપ ફરમાતે થે, “મેરે સામને પયગમ્બરો કી ઉમ્મતેં લાઇ ગઈ, બઅઝ પયગમ્બર એસે થે કી ઉન કી ઉમ્મત કે લોગ દસસે ભી કમ હો, ઓર બઅઝ પયગમ્બર કે સાથ એક યા દો આદમી થે, ઓર બઅઝ કે સાથ એક યા દો આદમી થે, ઓર બઅઝ કે સાથ એક ભી ના થા. ઇતનેમે એક બડી ઉમ્મત આઈમેં સમજા કે મેરી ઉમ્મત હે.”

મુજસે કહા ગયા કી “યે મુસા અલયહિસ્સલામ હે ઓર ઉન કી ઉમ્મત હે. તુમ આસમાન કે કિનારેકો દેખો.”

મેને દેખા તો એક ઓર બડી ગિરોહ હે. ફિર મુજસે કહા ગયા કી અબ દુસરે કિનારે કી તરહ દેખો.” મેને દેખા તો એક ઓર બડા ગિરોહ હે.”

मुजसे कडा गया की “ये तुम्हारी उम्मत हे और उन लोगोमें सत्तर हज़ार आहमी जैसे हें की जो भगैर हिसाब और अज़ाब के जन्तमें जायेंगे.”

किर आप भडे हो गये और अपने घर तशरिफ़ ले गये. तो लोगोने गुफ़्तगु की उन लोगो के बारेमें जो भगैर हिसाब और अज़ाब के जन्तमें जायेंगे.

अज्ज लोगोने कडा ये वो लोग हे जो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमकी शोहबतमें रहे, अज्जने कडा, नहि, शायद वो लोग हे जो धस्लाम की हालतमें पैदा हुये और उन्होंने अल्लाह के साथ किसीको शरीक नही किया, अज्जने कडा कुछ और एतनेमें रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम, भाहर तशरीफ़ लाये और इरमाया, “तुम लोग किस चीजमें जहस कर रहे हो ?” उन्होंने आपको जबर दी तब आपने इरमाया, “ये वो लोग हे जो ना हम करते हे, ना हम कराते हें, ना बइशगुन लेते हे, और अपने रब पर भरोसा करते हे.”

ये सुनकर उककाशह बिन मिहसन रहीअल्लाहो त्वाला अन्हो भडे हुये और उन्होने कडा, “आप अल्लाहसे दुआ किजिये के वो मुजको उन लोगोमेंसे कर दे.” आपने इरमाया, “तु उन लोगोमेंसे है.” किर अक और शप्स भडा हुया औरकेहने लगा, “दुआ किजिये अल्लाह मुजको भी उन लोगोमें करे.” आपने इरमाया, “उककाशह, तुजसे पेहले ये काम कर चुका.”

४३६. हजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो त्वाला अन्होसे रिवायत हे की, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “ मेरे सामने पयगम्बरो की उम्मतमें पेश की गयी, आकी उपर जैसी ही हदीष मन्कुल है.

**आब ८१ :- अच्छे लोग जन्त के आधे लोग इस उम्मत के होंगे.**

४३७.. अब्दुल्लाह बिन मसउद रहीअल्लाहो त्वाला अन्होसे रिवायत हे की रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “क्या तुम इस बातसे जुश नहि हो के जन्तनीयो की योथाए तुम लोगोमेंसे होंगे?”

ये सुनकर हमने तकबीर कही. किर आपने इरमाया “क्या तुम इस बातसे जुश नहि होते की अक तिहाए जन्तनीयोमें तुम लोग होंगे.”

ये सुनकर हमने तकबीर कही. किर आपने इरमायाके, “मुजे उम्मीद हे की जन्तनीयोमें आधे तुम लोग होंगे और इसकी वजह ये हे की जो ये जयान करता हुं मुसलमान काकिरोमें जैसे हे जैसे अक सईद बाल सियाह जेलमे हो या अक सियाह बाल सईद जेलमें हो.”

४३८.. अब्दुल्लाह बिन मसउद रहीअल्लाहो त्वाला अन्होसे रिवायत हे के हम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम के साथ अक जेमेमें थे. जसमें करीब आलीस आहमी होंगे.

आपने इरमाया, “क्या तुम इस बातसे जुश हो के जन्त जन्तनीयो की योथाए तुम लोग हो?” हमने कडा, हां,

फिर आपने इरमाया, “तुम इस बातसे भुश हो की जन्तियों की एक तिहाई तुम लोग हो?” हमने कहा, “हां”

आपने इरमाया, “कसम उसकी जोस के हाथमे मुहम्मद सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेहि व सल्लमकी जान हे. मुजे उम्मीद है के तुम जन्तियों के आधे होंगे, और ये इसलिये के जन्तमें वही जायेगा जो मुसलमान हे और मुसलमान भुरिको के अंदर ऐसे हे जैसे एक सुई बाल सियाह बेल की पालमें हो या, एक सियाह बाल लाल बेल की पालमें हो.”

४३९. अब्दुल्लाह बिन मसूद रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हमारे सामने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेहि व सल्लमने यमंडे के भेजेमे अपनी पीठका टेका दीया और खुन्ना पढा, “जबरदार हो जाओ, वोह जो मुसलमान है उस के सिवा कोह भी जन्तमें दाबिल नहीं होगा, या अल्लाह ! मैंने तेरा पयगाम पहुंचा दिया, या अल्लाह ! तुं गवाह रहे.”

“क्या तुम चाहते हो के जन्त के चौथाई लोग तुममेंसे हो ? ”

हमने कहा, “हां, या रसूलुल्लाह (सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेहि व सल्लम)”

आपने इरमाया, “क्या तुम चाहते हो के जन्त के एक तिहाई लोग तुममेंसे हो?”

सबने कहा, “हां, या रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेहि व सल्लम”

आपने इरमाया, “मुजे उम्मीद है के, तुम जन्त के निस्फ (आधे) होंगे. तुम पीछली उम्मतों के मुक़बिल तुम्हारी मिसाल ऐसे होगी. जयसे एक सियाह बाल सुई बेलमे या एक सुई बाल सियाह बेल में.”

४४०. अबु सय्द रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “अल्लाह इरमायेगा, अय आहम अल्यहिरसलाम”

वो कहेंगे “हाजूर हुं तेरी भिदमतमे, तेरी धतायतमें, सभ बलाह तेरे हाथमें है”

हुकम होगा, “दोज़ाबीओं की जमायत निकाल दो.”

वो कहेंगे, “दोज़ाबीओं की कैसी जमायत ?”

हुकम होगा, “हर हाजर आहमीयोंमेंसे नवसो नन्यानवे आहमी जहन्नम के लिखे निकालदो.”

आपने इरमाया, “यही तो वकत है जब अब्बा जुण्डाहो जायेगा और हर एक पेटवाली औरत अपना पेट डाल देगी, और तुं देवेगा लोगोंको जैसे नशेमें मस्त हें, और वो मस्त ना होंगे पर अल्लाहका आज्ञा सप्त होगा.”

इस अफ़्फ़े सुनकर सहाबा रदीअल्लाहो अन्हुम अल्यहो व आलेहि व सल्लम, उन हजार लोगोंमेंसे एक आहमी हममेंसे कौन निकलता है ?

आपने इरमाया, “कसम है उस जात की जोस के हाथमें भेरी जान है, मुजे उम्मीद है के, जन्त के एक चौथाई आहमी तुममेंसे होंगे,”

इस पर हमने अल्लाहकी हम्द की और तकबीर कही.

किर आपने इरमाया, “कसम है उसकी जिस के हाथमें मेरी जान है, मुझे उम्मीद है के, जन्नत के अेक तिलाछ आदमी तुममेंसे होंगे.”

इस पर हुमने अल्लाहकी हुम्द की और तकबीर कही.

किर आपने इरमाया, “कसम है उसकी जिस के हाथमें मेरी जान है, मुझे उम्मीद है के, जन्नत के आधे लोग तुम लोगोंमेंसे होंगे. तुम्हारी भिसाल दुसरी उम्मतों के सामने अैसी है, जैसे अेक सुईह आल सियाह आैल की आलमें हो या गधे के पांवमें अेक निशान हो.”

४४१. दुसरी रिवायतका अयान भी वैसा ही है जैसे उपर गुजरा है. इसमें इतना है “तुम उस दीन और लोगों के सामेन अैसे हो जैसे अेक सुईह आल काले आैलमें, या अेक सियाह आल सुईह आैलमें, और गधे के पांव के निशानका जिक इसमें नहीं है.”

## किताबुतहारत तहारत के मसाहल

हर खंफ़ धमान के भाह सली धभाहतींमें नमाअ सभसे पहले है.  
लेकीन नमाअ की शर्त तहारत (पाकी) है धस लिये पहले तहारतकी भयान किया है.

**भाब ८२ :- वजु की इजीलतका भयान**

४४२. अबु मालिक अश्शरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “तहारत आधे धमान के भराभर है. और अलहम्दुलिल्लाह तराजुको भर देगा, और सुब्दानअल्लाह और अलहम्दोलिल्लाह ये दोनो आस्मानों और जमीन के भीय की जगहको भर देंगे और नमाअ नूर है. और सफ़का दलील है और सभ्र रोशनी है और कुरआन तेरी दलील है दुसरे पर या दुसरे की दलील है तुज पर हर अेक आहमी सुब्दाको उहता है. या फिर अपने आप आअाह करता है या अपने आप तभाह करता है.”

**भाब ८३ :- नमाअ के लिये तहारतका होना जरूरी है.**

४४३. मुसअ्म बिन सअ्दसे रिवायत है के, अफ्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्हो, धंने आभीर रहीअल्लाहो अन्हो के पास आअे वो भीमार थे तो उन की (तभीयत) पुछने के लिये.

धंने आभीरने कहा अय धंने उमर (रहीअल्लाहु अन्हुम) “क्या तुम भेरे लिये हुआ नहीं करते ?”

उन्होंने कहा के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमसे सुना है आप इरमाते थे, “अल्लाह तहारत के बिना नमाअको नहीं कुभुल करता और जूस माले गनीमतको तकसीमसे पहले उडा लीया गया हो उसमेंसे दिया गया सफ़का नहीं कुभुल करता और तुम तो भशरा के हाकीम हो चुके हो.”

४४४.. धिमाभ मुस्लीम भयान करते है अेक और सनहसे अैसी ही अेक और हदीष भनकुल है.

४४५. हुमाभ बिन मुनब्जिहसे रिवायत है जे वहभ बिन मुनब्जिह के भाध हैं, उन्होंने कहा, के ये वो हदीष है जे, अबु दुरैरह रहीअल्लाहो अन्होने हमसे भयान की, हजशत मुहम्मद रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमसे, फिर कंघ हदीषोंका जिंक किया, उनमेंसे अेक हदीष ये ली थीक, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “अल्लाह त्आला तुममेंसे कीसी की ली नमाअ ”

**भाष ८४ :- पुरा (मुझ्मिल) वुजु करनेका तरीका और उसका भयान :-**

४४६.. हुमरान जो के हजरत उस्मान बिन अफ्फान रहीअल्लाहो अन्हो के आजाह करदा गुलाम थे उनसे रिवायत है, उन्होंने कहा के, हजरत उस्मान बिन अफ्फान रहीअल्लाहो अन्होने वुजुका पानी मंगवाया, और वुजु किया तो, पहले दोनों पहोंयोको तीन बार धोया, फिर कुल्ली की और नाकमें पानी डाला, फिर तीन बार मुंह धोया, फिर दाहिना हाथ कुल्ली तक धोया, तीन बार, फिर बायां हाथ धोया तीन बार धोया, फिर मसह किया सर पर, फिर दाहिना पांव तीन बार धोया, फिर बायां पांव तीन बार धोया, इस के बाद कहा के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमको देखा के आपने वुजु किया इसी तरहां जैसा की मैंने अभी वुजु किया. फिर इरमाया, “जो शप्स मेरी तरहां वुजु करे और दो रकअत नमाज अडे होकर पढे इस के भीयमें डीसी और ज्वालमें मुप्तीला ना हो तो उस के सभी अगले गुनाह अप्श हिये ज्ञअंगे.”

४४७. एभने शिहाबने कहा के हमारे उल्मा कहते थे के वुजु सभी वुजुओं हुमरान जो के हजरत उस्मान बिन अफ्फान रहीअल्लाहो अन्हो के आजाह करदा गुलाम थे उनसे रिवायत है के, उन्होंने देखा के उस्मान बिन अफ्फान रहीअल्लाहो अन्होने अेक पानीका भरतन मंगवाया और तीन बार दोनों हाथों पर पानी डाला, उनको धोया, फिर दाहिना हाथ भरतन के अंदर डाल दिया, और कुल्ली की और नाकमें पानी डाला, फिर मुंहको तीन बार धोया, और दोनों पांवोंको तीन बार धोया, फिर कहा की, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जो शप्स मेरे इस वुजु की तरहां वुजु करे इस के बाद दो रकतें पढे और हिलको डीसी और ज्वालमें ना लगाये तो उस के अगले गुनाह अप्श हिये ज्ञअंगे.”

**भाष ८५ :- वुजु करने की और उस के बाद नमाज पढने की इज्जीलत :-**

४४८.. हुमरानसे रिवायत है जो हजरत उस्मान रहीअल्लाहो अन्हो के आजाह करदा गुलाम थे. उन्होंने कहा के, मैंने हजरत उस्मान बिन अफ्फान रहीअल्लाहो अन्होसे सुना, वो भरज्ज के सामने थे, एतनेमें असर की नमाज के वकत मुअजजीन उन के पास आया, उन्होंने वुजुका पानी मंगवाया, और वुजु किया. फिर कहा, “अल्लाहकी कसम में, तुमसे अेक हदीष भयान करता हुं, अगर अल्लाहकी किताबमें अेक आयत ना होती तो मैं तुमसे भयान ना कता. मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम आप इरमाते थे, “जो शप्स अखी तरह वुजु करे फिर नमाज पढे तो उस के वो गुनाह अप्श हिये ज्ञते हैं, जो उस नमाजसे लेकर दूसरी नमाज तक होंगे.”

४४९.. एभाम मुस्लीम भयान करते है अेक और सनहसे अैसी ही अेक और हदीष मनकुल है.

हुमरानसे रिवायत है जब हजरत उस्मान रहीअल्लाहो अन्हो वुजु कर यू के तो उन्होंने इरमाया, “कसम है अल्लाहकी मैं तुमसे अेक हदीष भयान करता हुं, अगर अल्लाहकी किताबमें अेक आयत ना होती तो मैं इस हदीषको तुमसे भयान ना करता.”

૪૫૦.. મૈને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમસે સુના હૈ આપ ફરમાતે થે, “જો શખ્સ અચ્છી તરહાં વુઝુ કરે ફિર નમાઝ પહે તો ઉસ કે વો ગુનાહ બખ્શ દિયે જાઅંગે, જો ઉસ નમાઝ કે બાદસે દૂસરી નમાઝ તક હોંગે.”

ઉરવહને કહા, “વો આયત યે હૈ, ઇન્નલ લઝીન યકતુમુના મા અન્ઝલના મિનલ બૈયિનાતે વલ હુદા... લાઅેનૂન.” (સૂરઅે બકર : ૧૫૯)

તરજુમા :- વોહ જો હમારી ઉતારી હુઇ રૌશન ખાતોં ઔર હિદાયતકો છૂપાતે હૈ, બાદ ઇસ કે કે લોગોં કે લિયે હુમ ઇસ કિતાબમેં વાજેહ ફરમાતે હે ઉન પર અલ્લાહકી લાનત હૈ ઔર લાનત કરને વાલોં કી લાનત.

૪૫૧. અમ્ર બિન સઈદ બિન આસસે રિવાયત હૈ કે, મૈ હજરત ઉસ્માન રદીઅલ્લાહો અન્હો કે પાસ બૈઠા થા ઉન્હોને વુઝુકા પાની મંગવાયા ફિર કહા, મૈને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમસે સુના આપ ફરમાતે થે, “જો કોઇ મુસલમાન ફરજ નમાઝકા વકત પાઅે ફિર અચ્છી તરહાં વુઝુ કરે ઔર દિલ લગા કર નમાઝ પહે ઔર અચ્છી તરહાં રુકુઅ કરે તો યે નમાઝ ઉસ કે અગલે ગુનાહોંકા કફ્ફારા હોગી, જબ તક કબીરહ ગુનાહ ના કરે ઔર હંમેશા ઐસા હી જારી રહેગા.”

૪૫૨. હુમરાનેસે રિવાયત હૈ જો મૌલાથે હજરત ઉસ્માન બિન અફ્ફાન (રદીઅલ્લાહો અન્હુમ) ઉન્હોને કહા, મૈ હજરત ઉસ્માન બિન અફ્ફાન રદીઅલ્લાહો અન્હો કે પાસ વુઝુકા પાની લાયા, ઉન્હોને વુઝુ કિયા ફિર કહા, બાઅઝ લોગ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમસે ઐસી હદીષ નકલ કરતે હૈ જીનકો મૈ નહી જાનતા, લેકીન મૈને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમકો દેખા આપને ઇસ તરહાં વુઝુ કિયા જૈસા કી મૈને વુઝુ કિયા. ફિર ફરમાયા “જો શખ્સ ઇસ તરહાં વુઝુ કરેગા ઉસ કે અગલે ગુનાહ બખ્શ દિયે જાઅે ઔર ઉસકો નમાઝકા ઔર મસ્જીદમેં જાનેકા સવાબ અલગ મિલેગા.”

૪૫૩.ઇબને અબ્દહ કી રિવાયત ઇસ તરહાં હૈ, કે હુમરાનેને કહા, મૈ ઉસ્માન રદીઅલ્લાહો અન્હો કે પાસ આયા ઉન્હોને વુઝુ કિયા. અબુ અનસ (ઇમામ માલિક કે દાદા)સે રિવાયત હૈ કે, હજરત ઉસ્માન રદીઅલ્લાહો અન્હોને મકાઅદમે વુઝુ કિયા, ફીર કહા, “કયા મૈ તુમ્હે રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમકા વુઝુ ના દિખાહુ?” ફીર વુઝુ કિયા તીન તીન બાર કુતૈબહ કી રિવાયતમેં ઇતના જયાદા હૈ કે, જીસ વકત હજરત ઉસ્માન રદીઅલ્લાહો અન્હોને યે હદીષ બયાન કી ઉસ વકત ઉન કે આસપાસ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ કે કંઈ સહાબા મૌજુદ થે.

૪૫૪. હુમરાન બિન અબાનસે રિવાયત હૈ, મૈ હજરત ઉસ્માન રદીઅલ્લાહો અન્હો કે લિયે તહારતકા પાની રખા કરતા થા, વો હરરોજ થોડે પાનીસે નહા લેતે થે.

હજરત ઉસ્માન રદીઅલ્લાહો અન્હોને કહા, હુમસે રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને હદીષ બયાન કી, જો હુમ ઉસ નમાઝસે ફારિગ હુઅે, મસ્અરને કહા, (જો રાવી હૈ હદીષકે) મૈ સમઝા વો અસર કી નમાઝ થી, આપને ફરમાયા, “મૈ નહી જાનતા તુમસે હદીષ બયાન કરે યા ચૂપ રહું. હુમને કહા કે “યા રસૂલુલ્લાહ ! અગર બહેતરી કી ખાત

हो तो अयान कीजिये. और अगर बेहतरी ना हो तो अल्लाह और उस के रसूल ખૂબ જાનते हैं. ”

आपने इरमाया, “जो मुसलमान तदारत करे, हीर मुकम्मिल तदारत करे जिसको अल्लाह त्यागाने इर्ज किया है, और पांचो नमाजों पढे उस के वो गुनाह मुग्थाह हो जायेंगे, जो उन नमाजों के भीयमें कहेगा.”

४५५. जामेअ बिन सदादसे रिवायत है, उनहोंने कहा, मैंने हुमरान बिन अयानसे सुना वो अबु अरदहसे हदीष अयान करते थे अशर की हुकुमतमे के उरमान बिन अइफान रहीअल्लाहो अन्होने कहा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जो शप्स वुजुको पुरा करे, जिस तरहां अल्लाहने हुकम किया है. तो उसकी इरज नमाजें उन गुनाहोंका कइशारा होंगी जो उसने उन के भीय किये होंगे,” ये रिवायत है एब्ने मुअबक की और गुन्दर की रिवायतमें ये एब्नारत नहीं है (अशर की हुकुमत) और इरज नमाजोंका अयान भी नहीं है.

४५६. हुमरान बिन अयान हजरत उरमान बिन अइफानसे रिवायत करते है, उनहोंने कहा मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे सुना आप इरमाते थे, “जो शप्स नमाज के लिये पुरा वुजु करे फिर इरज नमाज के लिये यले (मस्जुद की तरफ और लोगों के साथ या जमाअत के साथ, या मस्जुदमें नमाज पढे तो अल्लाह, उस के गुनाह बप्श देगा.”

४५७. हुमरान बिन अयान रिवायत करते है के उरमान बिन अइफान रहीअल्लाहो अन्होने कहा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जो शप्स वुजुको पुरा करे, फिर इरज नमाज के लिये यले मस्जुद की तरफ और जमाअत के साथ नमाज पढे तो अल्लाह, उस के गुनाह बप्श देगा.”

४५८. अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “पांचो नमाजें और जुम्मासे जुम्मा तक, कइशारा है उन गुनाहोंका जो उन के भीयमें हों, जब तक कबीरह गुनाह ना करे.”

४५९. अबु हुरैरह रहीअल्लाहो त्याला अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम इरमाते थेके, “पांचो नमाजें, और जुम्मासे जुम्मा तक और रमजानसे रमजान तक, उन गुनाहोंका कइशारा हो जाते हैं, जो उनके भीयमें हों, लेकीन ये शर्त है की कबीरह गुनाहोंसे अये.”

४६०. अबु हुरैरह रहीअल्लाहो त्याला अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम इरमाते थेके, “पांचो नमाजें, और जुम्मासे जुम्मा तक और रमजानसे रमजान तक, उन गुनाहोंका कइशारा हो जाते हैं, जो उनके भीयमें हों, लेकीन ये शर्त है की कबीरह गुनाहोंसे अये.”

### भाष ८६ : पुजु के भाद कौनसी दुआ पढना चाहिये ?

४६१. उकभल बिन आभिर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हम लोगोका उंट यरानेका काम था, मेरी भारी आँध तो मैं उंटको यरा कर शामको उन के रहने की जगह लेकर आया, तो मैंने देखाके, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम लोगोको भेडे होकर वाअज सुना रहे थे. आपने इरमाया, “जो मुसलमान अच्छी तरहसे पुजु करे फिर अडा होकर हो रकअते पढे अपने दिलको और मुंहको लगाकर, उस के लिये जन्नत वाजुज हो जायेगी, मैंने कहा, “क्या उम्हल बात इरमाँह”

अक शप्स मेरे सामने था उसने कहा, “पहेली बात इससे ली उम्हल थी” मैंने देखा तो वोह उभर रहीअल्लाहो अन्हो थे, उन्होंने कहा, “मैं समझता हुं तुं अभी आया.”

आपने इरमाया, “जो कोह तुममेंसे पुजु करे अच्छी तरहां पुरा पुजु फिर कहे “अशहदो अल्लाहलाह एलल्लाही व अन्न मुहम्मदह अह्दुहु व रसूलोहु” तो उस के लिये जन्नत के आहों हरवाजे भोल दिये जायेंगे, जसमेंसे चाहे जाये.”

४६२.. इमाम मुस्लीम जयान करते हैं उकभल बिन आभिर रहीअल्लाहो अन्होसे अक और रिवायत अक और औसी ही मनकुल है मगर इसमेये अलकाज है “अशहदो अल्लाहलाह एलल्लाही वाहदुहु ला शरीक लहु वशहदु अन्न मुहम्मदह अह्दुहु व रसूलोहु”.

### भाष ८७ :- पुजुका तरीका अक बार फिरसे:-

४६३.. अह्दुल्लाह बिन जैद बिन आसिम अन्सारी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, वो सहाबी थे, उनसे लोगोंने कहा के हमें रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम जैसा पुजु कर के दिजायो, उन्होंने अक भरतन मंगवाया, उसको जुका पर पहेले दोनों हाथो पर पानी डाला और उनको तीन बार धोया, फिर भरतनमें हाथ डाला और बाहर निकाला और अक ही बिल्लुसे कुल्ली की और तीनबार नाकमें पानी डाला, फिर हाथ डाला और बाहर निकाला, और तीनबार मुंह धोयाफिर भरतनमें हाथ डाला और बाहर निकाला और अपने दोनों हाथा कुहनीयो तक दो दो बार धोये, फिर हाथडाला भरतनमें और बाहर निकाला, और सरपर मसह किया, पहेले दोनो हाथोंको सामनेसे ले गये फिर पीछेसे ले गये, फिर दोनों पांव धोये टपनों तक, इस के बाद कहा, “रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम इसी तरहां पुजु करते थे.”

४६४. अम्र बिन याहयासे इसी अस्नाहसे रिवायत है, इसमे ये है के, कुल्ली की और नाकमें पानी डाला, तीन बार, और ये नहीं कहा है के, अक बिल्लुसे और आगेसे लगये और पीछेसे ले गये के बाद धतना जयादा किया है, के पहेले सरका मसह आगेसे शइ किया और गही तक ले गये फिर फेर कर लाये दोनों हाथोंको उस मकाम पर जहां शइ किया था और दोनों पांव धोये.

४६५.. अह्दुल्लाह बिन जैद बिन आसिमसे रिवायत है (रहीअल्लाहो अन्हो) उन्होंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमको पुजु करते हुये देखा

आपने पुजु किया, फिर कुल्ली की झीर नाकमें पानी डाला फिर मुहुं धोया, तीन बार, और तीनबार हाडिना हाथ और तीन बार जायां हाथ, और सर पर मसह किया नया पानी लेकर ता के उस पानीसे जो हाथ पर लगा हुआ था और दोनों पांव धोये यहां तक के उनको साफ किया.

४६६. हमाम मुस्लीम भयान करते है अक और रिवायत अक और सनहसे औसी ही मनकुल है.

४६७.. हमाम मुस्लीम भयान करते है अक और रिवायत अक और सनहसे औसी ही मनकुल है.

**भाष ८८ :- ताक भरतभा नाकमें पानी डालना और इसी तरहां इस्तीन्ना करना भहेतर है.**

४६८..अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “ के “जब तुममेंसे कोइ पायजाने की जगाको देलोंसे साफ करे तो ताक देलोंसे साफ करे, और जब तुममेंसे कोइ पुजु करे तो नाकमें पानी डाले फिर नाक छीनके.”

४६९.. हमाम बिन मुनब्बेहसे रिवायत है, अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होने हजरत रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमसे ये हदीष सुन कर हमसे भयान की झीर उन्होंने कइ हदीषोंका जिक्र किया, उनमेंसे अक ये भी थी के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब तुममेंसे कोइ पुजु करे तो दोनों नथनोंको साफ करे पानीसे फिर नाक छीनके.”

४७०.अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जो शप्स पुजु करे तो नाकमें पानी डाले और जो शप्स इस्तीन्ना करे तो ताक बार करे.”

४७१... हमाम मुस्लीम भयान करते है अक और रिवायत औसी ही मनकुल है.

४७२. अबु हुसैरह रहीअल्लाहो त्वाला अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब तुममेंसे कोइ जागे तो तीनबार नाक छीन के इसलिये के शयतान उस के भांसे पर रहता है या नाक में.

४७३. जाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो त्वाला अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब तुममेंसे कोइ इस्तीन्ना करे तो ताक भरतभा करे.

**भाष ८९ :- पुरा पांव अथी तरह धोना वाजुब है.**

४७४. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हो के पास अब्दुर्रहमान बीन अबु बक रहीअल्लाहो अन्हो गये जोस दिन साअह बीन अभी वककास रहीअल्लाहो त्वाला अन्होका इन्तकाल हुआ. तो उन्होंने पुजु कीया, हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “अय अब्दुर्रहमान पुजुकी पुरा करो, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व

आलेहि व सल्लमसे सुना आप इरमाते थे, “अेडियोंवालों के लिये जहन्नम की आगक अजाब है.”

४७५. अैसी ही अेक और रिवायत इरकके साथ अैसी ही मनकुल है.

४७६.. अैसी ही अेक और रिवायत धिमां मुस्लीम भयान करते है

४७७.. धिमां मुस्लीम अैसी ही अेक और रिवायत भयान करते है ४७८.

अब्दुल्लाह बिन अत्रसे रिवायत है (रहीअल्लाहो अनहो) के हम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम के साथ मककासे मदीनाको लौटे, राहमें अेक जगह पानी मीला, असर की नमाजका वकत हो गया था असहाबने जहदी जहदी वुजु किया. हम जभ उन के करीब पहुँचे तो उन की अेडीयां सुणी मालुम हुँ, उन पर पानी नहीं लगा था. तभ रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “, वुजुको पुरा करे अेडियोंको जहन्नम की आगक अजाब है..”

४७९. .. धिमां मुस्लीम अैसी ही अेक और रिवायत भयान करते है

४८०..अब्दुल्लाह बिन अत्रसे रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम हमसे बिछड गये अेक सहरमें फिर आपने हमें पालीया, और असर की नमाजका वकत आ गया था. हम अपने पांवो पर मसह करने लगे, आपने पुकारा, “भराबी है अेडियों की जहन्नुम की आग से.”

४८१..अभु हुरैरह रहीअल्लाहो अनहोसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने अेक शप्सकी देभा जसने (वुजुमें) अपनी अेडियां नहीं धोई थीं, तो इरमाया, “भराबी है अेडियों की जहन्नुम की आग से.”

४८२..अभु हुरैरह रहीअल्लाहो अनहोने कुछ लोगोंका देभा जे बहानीसे वुजु कर रहे थे तो कडा के वुजुको पुरा करो क्युं के मैंने सुना अभुल कासीम सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमसे आपने इरमाया, “भराबी है कैंथोंको अंगार से.”

४८३. अभु हुरैरह रहीअल्लाहो अनहोसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “भुशक अेडियो पर जहन्नम की आगक अजाब है.”

**भाब ९० :- वुजुमे तमांम अअजको अखी तरह धोना वाजुब है.**

४८४.ज्वाबीर रहीअल्लाहो अनहोसे रिवायत है के, मुजसे हजरत उमर रहीअल्लाहो अनहोने भयान किया के अेक शप्सने वुजु किया और अपने पांवमें नाभुत बराबर सुभा छोड दिया, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने उसे देभा तो इरमाया, “ज्वा और अखी तरहा वुजु कर के आ”

वोह लोट गया, फिर आकर नमाज पढी.

**आय ९१ :- वुजु के पानी के साथ गुनाह दूर होने के बयानमें**

४८५. अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया “जब अंदा मुसलमान या मोअमीन वुजु करता है और मुंह धोता है तो उस के मुंहसे वोह सभ गुनाह पानी के साथ निकल जाते है जो उसने आंभोसे किये, या आभरी कतरे के साथ फिर जब हाथ धोता है तो उस के हाथोंमेंसे जो गुनाह हाथोंसे किये थे पानी के साथ या आभरी कतरे के साथ निकल जाते है फिर जब पांव धोता है तो हर अेक गुनाह जोसको उसने पांवसे अलकर किया था. पानी के साथ आभरी कतरे के साथ निकल जाता है. यहां तक के सभ गुनाहोंसे पाक साफ़ होकर निकलता है. ”

४८६.. हजरत उस्मान बिन अफ़्शान रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जो शप्स जो शप्स अख़्ठी तरहां वुजु करे तो उस के गुनाह अहनसे निकल जाते है. यहां तक के नाभूनों के नीचेसे भी निकल जाते है.”

**आय ९२ :- मुंहको बराबर धोना इस तरहांसे सर के सामनेका हिस्सा भी धुल जाये, हाथको कुहनीयों तक और पांवोको टाँगों तक धोना मुस्तहब है.**

४८७..नधम बिन अब्दुल्लाह मुजभरसे रिवायत है के, मैंने अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होको वुजु करते हुये देखा. उन्होंने मुंह धोया तो बराबर पुरा धोया, फिर दाहिना हाथ धोया, यहां तक के आंगुला अेक हिस्सा धोया. फिर सरका मसह किया, फिर सीधा पांव धोया तो पिंडलीका भी अेक हिस्सा धोया फिर आयां पांव धोया यहां तक के पिंडलीका हिस्सा धोया, फिर कहा “मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमको अैसे ही वुजु करते हुये देखा, और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “तुम्हारी पेशानियां और हाथ-पांव क्यामत के दिन नूरानी होंगे, पुरा वुजु करने की वजहसे क्यामत के दिन नूरानी होंगे, फिर तुममेंसे जोकोई अपने मुंह और हाथ पांवका धोना अढा श के तो अढाये.”

४८८. नधम बिन अब्दुल्लाहसे रिवायत है उन्होंने अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होको वुजु करते हुये देखा, उन्होंने मुंह धोया और दोनों हाथ धोअेके, मुंहो तक पहुंच गये, इस के बाद कहा, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमसे सुना, आप इरमाते थे, “मेरी उम्मत के लोग क्यामत के दिन सुईह मुंह और सुईह हाथ पांव वाले होकर आअंगे, वुजु के निशानो की (वजह)से फिर जो कोई तुममेंसे अपने मुंहको जयादा धो श के वो धोये.”

४८९.. अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “मेरा हीज अतना अडा है जैसे अहनसे अल्या, या इससे भी जयादा उसका पानी अईसे जयादा सुईह और शहद दूधसे जयादा भीडा है और उस

पर जो भरतन रफ्फे हुअे हें वो शुमारमें तारोंसे ली जयादा है, और मैं लोगोको उस लीजसे रोकुंगा, जैसे कोध दूसरे के ठोटोको अपने लीजसे रोकता है.”

लोगोंने कहा, “या रसूलुल्लाह ! आप हमें उस दिन पढ़ेयान लेंगे?” आपने इरमाया, “हां” तुम्हारा निशान ऐसा होगा वैसा निशान कीसी दूसरी उम्मतका ना होगा. तुम लोग पुत्रु की तुफैल मेरे सामने आओगे सुफैद हाथ-पांव लेकर आओगे.”

४८०.. अबु हुदैरह रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “मेरी उम्मती मेरे लीजे-कौषर पर और मैं लोगोको हटाउंगा उन लोगोको जैसे एक मर्द दूसरे मर्द के ठोटोको हटाता है.”

लोगोंने कहा, “या रसूलुल्लाह ! क्या आप हमें पढ़ेयान लोगे?” आपने इरमाया, “तुम्हारी निशानी ऐसी होगी जो कीसी उम्मत के पास ना होगी, तुम लोग मेरे पास आओगे पुत्रु की वजहसे सुफैद पेशानी और हाथ पांव लेकर और एक गिरोहको रोक जाओगा, मेरे पास आने से, वो मुज तक ना आ शकेगा. उस वकत मैं अर्ज करुंगा “या रब्! ये तो मेरे लोगा हें.” उस वकत एक इरीस्ता मुजे जवाब देगा, “तुम नहीं जानते तुम्हारे बाद धन लोगोंने दुनियामें नये नये काम कीये.”

४८१. हुअैश रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “मेरा लीज धतना बडा है जतना मक्रम अदनसे लेकर मक्रम धला तक, इसम है उसकी जिस के हाथमें मेरी जान है, मैं लोगोको हटाउंगा जैसे कोध दूसरे के ठोटोको अपने लीजसे दूर हांक देता है.”

लोगोंने कहा, “या रसूलुल्लाह ! आप हमको पढ़ेयानेंगे?” आपने इरमाया, “हां, तुम मेरे पास पुत्रु की निशानी वाले सुफैद पेशानी सुफैद हाथ-पांव लेकर आओगे. जो तुम्हारे सिवा कीसी दुसरी उम्मत के लोगोके ना होंगे.”

४८२. अबु हुदैरह रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है. रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम कब्रस्तानमें तशरीफ लाओ तो इरमाया, “सलाम है तुम पर, ये मुसलमानोंका घर है और अगर अल्लाह चाहेगा तो हम तुमसे मीलनेवाले है, मेरी आरजु है के, हम अपने भाईओंको देखें.”

सहाबाने कहा, “या रसूलुल्लाह ! क्या हम आप के भाई नहीं है?”

आपने इरमाया, “तुम तो मेरे अरुदाबहो, और हमारे भाईवो लोग हें जो अली दुनियामें नहीं आओ.”

सहाबाने कहा, “या रसूलुल्लाह ! आप अपनी उम्मत के उन लोगोको कैसे पढ़ेयानेंगे जो अली दुनियामें नहीं आओ.”

आपने इरमाया, “जरा देखो तुम ! अगर एक शफसके सुफैद पेशानी और सुफैद हाथ-पाववाले धोडे, श्याह मश की धोडोंमें मिल जाओ तो क्या वो अपने धोडे नहीं पढ़ेयान शकेगा?”

सहाबाने कहा, “वो तो भेशक पढ़ेयान लेगा.”

आपने इरमाया, “तो मेरी उम्मत के लोग, कयामत के दिन पुजु की वजहसे सुकूद मुंह और सुकूद हाथ-पांव वाले होंगे, और हीजे कवषर पर मैं उनका पेशाभैमा होबिगा। अबरदार ! आज्ज लोग मेरे हीजेसे हटाये जायेंगे। जैसे थका हुआ छोट हांका जाता है मैं उनको पुकाइंगा” आय्यो, आय्यो, उस वकत कहा जायेंगा “उन लोगोंने अपने आप तपहीलायां की थी.” (और काफिर हो गये थे या उन की हालत बहल गइ थी) तब मैं कहूंगा, “जायो दूर हो.. दूर हो...”

४८३. जैसे ही अक और रिवायत अबु हुदैरह रहीअल्लाहो अन्होसे मनकुल है.

४८४. अबु हाजिभसे रिवायत है के, मैं अबु हुदैरह रहीअल्लाहो अन्हो के पीछे था? वो नमाज के लिये पुजु कर रहे थे, तो अपने हाथको लम्बा कर के धोते थे, अगल तक, धोया मैंने कहा, “अब अबु हुदैरह रहीअल्लाहो अन्हो, ये कैसा पुजु है?”

अबु हुदैरह रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “अब अनी इररुज (छात्रीम अलयहिरसलाम के भेटे इररुज की औलाह) तुम यहां मौजूद हो?” अगर जानता के तुम यहां मौजूद हो तो मैं इस तरहां पुजु नहीं करता, मैंने अपने दोस्तसे सुना (हुजुर से) आप इरमाने थे “कयामत के दिन मुअमीनको यहां तक अवर पहनाया जायेंगा जहां तक उसका पुजु पहोचता होगा.”

**आज्ज ८३ :- सपत्नी और परेशानी के हालतमें पुरा पुजु करने के सवाब के अयानमें**

४८५.. अबु हुदैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “क्या मैं तुम्हें वो आत ना अताईं जससे गुनाह भिट जायें और हरजे जुलद हो जायें?”

लोगोंने कहा, “कयुं नहीं ? या रसूलुल्लाह ! सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम अताइयें.”

आपने इरमाया, “मुकम्मिल पुजु करना सपत्नी और परेशानीमें और मरुज तक (जाने के रास्तेके) कदमोंका जयाहा होगा और अक नमाज के आह दूसरी नमाजका अन्तिगर करना, यही रिआत है.”

४८६.. जैसे ही अक और रिवायत दूसरी सनहसे मनकुल है इसमे रिआत दो बार आया है.

**आज्ज ८४ :- भिस्वाक के अयानमें**

४८७... अबु हुदैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया “अगर मुसलमानों पर मुशकिल ना हो जाता (शाक ना होता) और जहीर की रिवायतमें जैसे है की अगर मेरी उम्मत पर शाक ना होता.” तो मैं उनको हर नमाज के वकत भिस्वाक करनेका हुकम देता.”

४८८.. भिकदाम अनी सरीहने अपने वालिहसे सुना उनहोंने हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे पुछा, “रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम जब घर तशरीक लाते तो सबसे पहले कौनसा काम करते थे ?”

हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “भिस्वाक करते थे”

४९९..उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, “रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लम जभ घरमें आते तो पहले भिस्वाक करते.”

५००..अबु मुसा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम के पास गया तो आप की ज़ुबान पर भिस्वाकका एक कोना था,

५०१..हुजैश रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, वो एक रात रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम के पास रहे तो आप पिछली रातको ठिठे भाहर निकले आस्मान की तरफ़ देखा फिर सू-अ-आले धमरान की ये आयत पढ़ी. “धन्ना ई अल्कीस समावाते वल अर्ह.... इ कीना अज़ाबन्नार.”

(तरजुमा)

फ़िर लौटकर अंदर आये और भिस्वाक किया, वुजु किया और भंडे होकर नमाज़ पढ़ी. फिर लेंटे रहे फिर उठकर भाहर निकले और आस्मान की तरफ़ देभकर यही आयत पढ़ी फिर लौटकर अंदर आये, भिस्वाक किया, वुजु किया फिर भंडे होकर नमाज़ पढ़ी.

५०२..हुजैश रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम रातको उठते तो भिस्वाक करते थे

५०३..हुजैश रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम के रातको उठते तो भिस्वाकसे मुंह साफ़ करते थे.

५०४. अब्दुल्लाह बिन इ अब्बास रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, वो एक रात रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम के पास रहे तो आप पिछली रातको ठिठे भाहर निकले आस्मान की तरफ़ देखा फिर सू-अ-आले धमरान की ये आयत पढ़ी.

“धन्ना ई अल्कीस समावाते वल अर्ह.... इ कीना अज़ाबन्नार.”

(तरजुमा)

फ़िर लौटकर घर आये और भिस्वाक किया, वुजु किया और भंडे होकर नमाज़ पढ़ी. फिर लेंटे रहे, फिर उठकर भाहर निकले और आस्मान की तरफ़ देभकर यही आयत पढ़ी फिर लौटकर अंदर आये, भिस्वाक किया, वुजु किया फिर भंडे होकर नमाज़ पढ़ी.

**भाब ६५ :- रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लमकी सुन्नतों के भयानमें**

५०५. अबु हुज़ैरह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “ सुन्नतें पांच है या पांच थीजे सुन्नतमेंसे है. भत्ना करना, नाइ के नीचे के बाल साफ़ करना, नाभूत तराशना, भगल के बाल उभेडना और मूँछे कतरना.”

५०६. अबु हुज़ैरह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “ सुन्नतें पांच है या पांच थीजे सुन्नतमेंसे है. भत्ना करना,

નાફ કે નીચે કે બાલ સાફ કરના, નાખૂન તરાશના, બગલ કે બાલ ઉખેડના ઔર મૂંછે કતરના.”

૫૦૭. અનસ બિન માલિકસે રિવાયત હૈ (રદીઅલલાહો અન્હો), હમારે લિયે મૂંછે કરવાને કી, નાખૂન કાટને કી, બગલ કે બાલ નોંચને કી, નાફ કે નીચે કે બાલ મૂંડવાને કી મિઆદ મુકરર હુઈ કે ઉન્હે હમ ચાલીસ દિનસે જયાદા તક છોડે નહીં. (ચાલીસ દિનોંમેં યે કામ કર લેં)

૫૦૮. અબ્દુલ્લાહ બિન ઉમર રદીઅલલાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “મૂંછોંકો કતરવાઓ ઔર દાઢીયોંકો છોડ દો.”

૫૦૯. અબ્દુલ્લાહ બિન ઉમર રદીઅલલાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “હમેં હુકમ હુઆ મૂંછોંકો જડસે કાટનેકા ઔર દાઢીયોંકો છોડ દેને કા.”

૫૧૦. અબ્દુલ્લાહ બિન ઉમર રદીઅલલાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “મુશરીકો કી મુખાલીફત કરો, મૂંછોંકો નિકાલ દો ઔર દાઢીયોંકો પુરા રખ્ખો.”

૫૧૧. અબુ હુરૈરહ રદીઅલલાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “મૂંછોંકો કતરવાઓ ઔર દાઢીયોંકો લટકાઓ ઔર ફરસીયોં કે ખિલાફ કરો. (આતશી-પારશી લોગોં કે ખિલાફ કરો)”

૫૧૨. ઉમ્મુલ મુઅમેનીન આયેશા રદીઅલલાહો અન્હાસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “દસ ખાતેં પચદાઈસી સુન્નત હૈ, ૧. મૂંછેં કતરવાના ૨. દાઢી છોડ દેના. ૩. મિસ્વાક કરના. ૪. નાકમેં પાની ડાલના ૫. નાખૂન કાટના ૬. પોરોંકા ધોના (કાન, નાક, બગલ ઔર રાનો કી જગહકા ધોના) ૭. બગલ કે બાલ ઉખેડના. ૮. નાફ કે નીચે કે બાલ મૂંડના ૯. પાનીસે ઇસ્તીન્જા કરના ... મુસ્અબને કહાં “મેં દસવી ખાત ભૂલ ગયા. શાયદ કુલ્લી કરના હો,”

૫૧૩. વકીઅ રદીઅલલાહો અન્હોને કહા, “ઇન-તકાસૂલ-માઅે (જો હદીષ કી અરબી ઇબારતમેં આતા હૈ) ઇસસે ઇસ્તીન્જા મુરાદ હૈ.”

### બાબ ૯૬ :- ઇસ્તીન્જા કે તરકીફ શ્ર બયાન

૫૧૪. સલમાન રદીઅલલાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, ઉનસે કહા ગયા, તુમહારે નખીને હર એક ખાત તુમહેં શિખાઈ, યહાં તક કે પેશાબ ઔર પાઅેખાને કે બારેમેં ભી, ઉન્હોંને કહા “હાં” હમકો આપને કિખ્લા કી તરફ મુંહ કર કે પેશાબ પાખાના કરનેસે મના ક્રિયા, યા હમ તની પત્થરોંસે કમમેં યા દાયેં હાથસે ઇસ્તીન્જા કરેં, યા હડી યા ગોબરસે ઇસ્તીન્જા કરેં (ઇસસે ભી મના ક્રિયા યાને તીન પત્થરોંસે કમસે કમ ઇસ્તીન્જા કરના જરૂરી હૈ, દાયે હાથસે ઇસ્તીન્જા મના હૈ રહી ખાત ગોબરસે ઇસ્તીન્જા નહી હોગી.)

५१५. सलमान रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हुमें मुश्रीकोने कहा, “हुमें तुम्हारे साहबको देभते हैं, वो तुम्हें हर थीज शिभाते हैं यहां तक के पाओभाना और पेशाब करना भी.”

सलमान रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “भेशक हुमें आपने मना किया है दाहिने हाथसे धस्तीन्ना करने से, किन्ले की तरफ मुंह कर के (धस्तीन्ना करने से) गोबर और हड्डीसे (धस्तीन्ना करने से) तीन पत्थरों के बगैर या तीनसे कम पत्थरोंसे (धस्तीन्ना करने से)”

५१६. ज़बीर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने “हड्डीयों या मेंगनीयोंसे पुछनेसे मना इरमाया.” (धस्तीन्ना करने से)

### ५१७. ( पेशाब या पाओभाना करते वकत किन्ला ३ ना होनेका हुकम)

अबु अय्युब रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब तुम पाओभाने के लिये जाओ तो अपना मुंह किन्ले की तरफ मत करो, ना पीठ करो उस तरफ पाओभाना या पेशाब (मत करो) अलबत्ता पुरब या पच्छिम की तरफ मुंह करो, (ये अरब के लिये ठीक है हमारे लीये ठीक नहीं होगा) अबु अय्युब रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “किर हम शाम के मुकदमें आये और देभा तो भुडीयां किन्ले की तरफ बनी हुए हैं, हम उन परसे मुंह इरे लेते थे और भुदासे धस्तीगकार करते थे.”

५१८. अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमायाके, “जब तुममेंसे कोछ हाजत के लिये बैठे तो किन्ला की तरफ मुंह ना करे और पीठ भी ना करे.”

### ( धस अन्न का धरोंमेंसे इभसतका अयान)

५१९. वासेअ बिन डिब्बानसे रिवायत है के, मैं मस्जिदमें नमाज पढ रहा था और अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्हो अपनी पीठ किन्ले की तरफ लगाये बैठे थे, जब मैं नमाज पढ चुका तो अेक तरफसे उन के पास मुडा.

५१९. हजरत अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “लोग कहेते हैं जब हाजतको बैठे तो किन्ला और अयतुल मुकदस की तरफ मुंह ना करो.” और मैं छत पर बढा तो रसूलुल्लाह सललल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमको दो छंदों पर बैठा हुआ देभा हाजत के लिये बैठा हुआ देभा के आपका मुंह अयतुल मुकदस की तरफ था.”

५२०. अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं अपनी अहन हकशा रहीअल्लाहो अन्हो के घर छत पर हाजत के लिये शाम की तरफ मुंह कर के बैठा हुआ देभ और पीठ किन्ले की तरफ थी.

**(दाहिने हाथसे धस्तीन्ग की बनाई)**

पर१. अबु कतादह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आल्लेहि व सल्लमने इरमाया, “तुममेंसे कोछ भी अपना अकर पेशाब करने के लिये दाहिने हाथसे थाभे नही, और पाअेभाने के बाद दाहिने हाथसे धस्तीन्ग करे नही, और भरतनमें कुंक ना मारे.”

पर२. अबु कतादह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आल्लेहि व सल्लमने इरमाया, “जब तुममेंसे कोछ भी पाअेभाना जाअे तो अपने अकरको दाहिने हाथसे ना धुअे.”

पर३. अबु कतादह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आल्लेहि व सल्लमने भरतनमें कुंक मारनेसे मना इरमाया, “अपने अकरको दाहिने हाथसे धूनेसे (मना इरमाया) और दाहिने हाथसे धस्तीन्ग करनेसे (मना इरमाया)”

**(तहारत वगैरहमें दाहिनी तरफसे शुद्ध करना)**

पर४. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आल्लेहि व सल्लम तहारतमें और कंधा करनेमें ओर ज़ुता पहननेमें दाहिनी तरफसे शुद्ध करनेको पसंद इरमाते थे.

पर५. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आल्लेहि व सल्लम दाहिनी तरफसे शुद्ध करना पसंद इरमाते थे, हर ओक काममें, ज़ुता पहनने में, कंधी करनेमें, तहारत करनेमें.

**(रास्तेमें और साथमें पाअान करने की बनाई )**

पर६. हज्जत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आल्लेहि व सल्लमने इरमाया, “लाअनत के दो कामोंसे तुम अयो.” असल्लाभने कडा, “वो लानत के दो काम कौनसे है?”

आपने इरमाया, “ओक तो राहमें पाअेभाना फिरना, दुसरे सायाहार जगह पाअेभाना फिरना.”

पर७. अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, “रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आल्लेहि व सल्लम ओक जगामें गअे और आप के पीछे ओक लडका गया उस के पास ओक बढना था, वो लडका हम सभसे छोटा था उसने बढना ओक बेरी के पास रभ दिया फिर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आल्लेहि व सल्लमने अपनी हाजतसे इरिग हुअे और पानीसे धस्तीन्ग कर के जाहर आअे.”

पर८. अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्हो रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आल्लेहि व सल्लम पाअेभाना जाते, में और ओक दुसरा लडका भेरे अराअर

पानी की डोल और भरछी उठाते फिर आप पानीसे धस्तीन्ना करते. (भरछी नमाजमें आगे गाडकर रभने के लिये रभी जाती थी)

पर८. अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेहि व सल्लम ખુले मैदानमें हाजत के लिये जाते, फिरमें आप के पास पानी लाता, आप धससे धस्तीन्ना करते.

### आज ८७ : भोजों पर भसह करनेका अयान

प३०. हुम्नामसे रिवायत है के, जरिर रहीअल्लाहो अन्होने पेशाब किया, फिर वुजु किया और भोजों पर भसह किया.

लोगोंने कहा, “तुम अैसा करते हो?”

उन्होंने कहा, “हां” मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेहि व सल्लमको देखा, आपने पेशाब किया, फिर वुजु किया और फिर दोनों भोजों पर भसह किया.

प३१. अयमसने कहा, एब्राहीमने कहा, लोगोंकी ये हदीष बहुत अच्छी मालुम होती थी, क्युं के जरिर रहीअल्लाहो अन्हो सू-अ-माएहल उतरने के बाद एमान लाये थे. (सू-अ-माएहलमें वुजु की आयत है ळसमें पांव धोनेका हुकम दिया गया है)

प३२. हुअैश रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेहि व सल्लम के साथ था. अेक कौम के धूरे पर पहोंचे तो भेडे होकर पेशाब किया, मैं सरक गया, आपने इरमाय, “नअहीक आ”

मैं नअहीक अला गया, यहां तक के आप की अेडीयों के पास भडागे गया फिर आपने वुजु किया और भोजों पर भसह किया.

प३३. अबु वाइल रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, अबु मुसा असअरी रहीअल्लाहो अन्हो पेशाब करनेमें निहायत ही सपत्ती करते थे. वो अेक शीशीमें पेशाब किया करते थे, और कहेते थे “अनी धसराएलमें जब डीसी के अदन पर पेशाब लग जाता तो वोह (कैची लगाकर) आल कतरता.”

हुअैश रहीअल्लाहो अन्होने कहा, अगर अबु मुसा अैसी सपत्ती ना करते तो अहेतर था, मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेहि व सल्लम के साथ अल रहा था. आप अेक कौम के धूरे पर आये, किवार के पीछे भेडे हुअे ळस तरहां तुम या मैं होते हैं, फिर पेशाब किया. मैं दूर हटा, आपने एशारा किया, “पास आ” यहां तक की मैं आप की अेडीयों के पास भडा रहा जब तक के आप पेशाबसे शरैग ना हुअे.

प३४.. मुगीरह बिन शोअभा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व आलेहि व सल्लम अपने (डीसी) काम के लिये निकले उन के पीछे मुगीरह रहीअल्लाहो अन्हो पानीका लोटा लेकर गये. और जब हाजतसे शरैग हुअे तो आप पर (वुजु का) पानी डाला. फिर वुजु किया और भोजों पर भसह किया.

घंने इम्ह डी रिवायतमें औसा है डी, “आप पर पानी डाला यहाँ तक के आप ढाजतसे क्षरीग हुये (वुज़ी डी)”

१३५.. मुगीरह बिन शोअबना रहीअल्लाहो अन्होसे औसी ही अेक और रिवायतमें धतना ब्यादा है के, “आपने अहेरा धोया सरर मसह किया और भौजों पर मसह किया.”

१३६.. मुगीरह बिन शोअबना रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं अेक रात रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम के साथ था आप उतरे और ढाजतसे क्षरीग हुये. फिर आप आये तो मैंने आप पर डोलसे पानी डाला. जे मेरे पास था, आपने वुजु किया और भौजों पर मसह किया.

१३७.. मुगीरह बिन शोअबना रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं सहरमें रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम के साथ था आपने इरमाया, “अथ मुगीरह, पानी डी छागल ले ले.”

मैंने ले ली, और आप के साथ निकला. आप अले यहाँ तक के मेरी नजरसे गायब हो गये और ढाजतसे क्षरीग हुये फिर लौट आये, आप अेक जब्ना पहेने हुये थे शामी जब्ना तंग आस्तीनोवाला, आपने अपने हाथ आस्तीनोंसे बाहर निकालना चाहा, तो निकाल ना शके, तो आपने हाथोंको नीचेसे निकाला, फिर मैंने वुजुका पानी डाला, आपने वुजु किया जैसा नमाज के लिये वुजु करते हैं, फिर भौजों पर मसह किया, फिर नमाज पढी.

१३८.. मुगीरह बिन शोअबना रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे वसल्लमने इरमाया, “ढाजत के लिये निकले, जब लौटे तो मैं पानीका डोल लेकर आया, और आप पर पानी डाला. आपने दोनों हाथ धोये फिर मुंह धोया. फिर हाथ धोया चाहे तो जब्ना तंग था आबिर दोनों हाथोंको जल्मेके नीचेसे निकाला और उनको धोया और सर पर मसह किया, और भौजों पर मसह किया, फिर हमारे साथ नमाज पढी.

१३९ ..मुगीरह बिन शोअबना रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम के साथ अेक सहरमें था आपने इरमाया, “क्या तुम्हारे पास पानी है ?”

मैंने कहा, “हाँ”

आप सवारीसे उतरे और अले धतना डी अंधेरी रातमें आंणोसे ओजल हो गये. फिर लौट कर आये तो मैंने डोलसे पानी डाला. आपने मुंह धोया, आप उनका जब्ना पहेने हुये तो हाथ आस्तीनो के बाहर ना निकल शके. आपने हाथोंको नीचेसे निकाला और धोया और सरपर मसह किया, फिर मैं जुका आप के भौजे उतारनेको तो आपने कहा, “रहेने हो, मैंने उनको तहारतकी हालतमें पढना है और उन दोनो (भौजो) पर मसह किया.”

१४०.. मुगीरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, उन्होंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लमको वुजु कराया, आपने वुजु किया और दोनों भौजो पर मसह किया, मुगीरहने कहा तो आपने इरमाया, “मैंने धनको तहारतकी हालतमें पढना है.”

### બાબ :- પેશાની ઔર દસ્તાર પર મસહ કરનેકા બયાન

૫૪૧..મુગીરહ બિન શોઅબા રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ સફરમેં પીછે રહ ગએ, મેં ભી આપ કે સાથ પીછે રહ ગયા. જબ આપ હાજતસે ફરીગ હુએ તો ફરમાયા, “તુમ્હારે પાસ પાની હૈ ?”

મેં પાની કી એક છાગલ લેકર આયા, આપને દોનોં હાથ ધોએ, મુંહ ધોયા, ફિર આસ્તીનસે બાહેં નિકાલના ચાહી તો આસ્તાન તંગ હુઇ, આપને નીચેસે હાથકો નિકાલા ઔર ઝુબ્બેકો અપને મુંહો પર ડાલા દિાય ઔર દોનોં હાથ ધોએ ઔર પેશાની પર મસહ ક્રિયા. ઔર અમામેં પર ઔર મોઝોં પર (મસહ ક્રિયા) ફિર સવાર હુએ, મેંભી સવાર હુઆ જબ અપને લોગોંમેં પહોંચે તો વો નમાઝ પઠ રહે થે. અબ્દુર્રહમાન બિન ઔર ઉનકો નમાઝ પઠા રહે થે ઔર વો અ કે રકઅત પઠ ચુ કે થે, જબ ઉનકો માલુમ હુઆ કે રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ તશરીફ લાએ હૈં તો આપ પીછે હટને લગે, આપને ઇશારા ક્રિયા અપની જગહ પર રહો, આખીર ઉન્હોંને નમાઝ પઠાઈ, જબ સલામ ફેરા તો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ ખંડે હુએ મેં ભી ખડા હુઆ, ઔર એક રકઅત જો હમસે પહેલે હો ચુકી થી પઠ લી.

૫૪૨..મુગીરહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને મોઝોં પર, પેશાની પર ઔર અમામે પર મસહ ક્રિયા.

૫૪૩..ફૂસરી રિવાયત કે માને ભી વહી હૈ જો ઉપર ગુજરી હૈ.

૫૪૪. મુગીરહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને વુઝુ ક્રિયા તો, પેશાની પર અમામે પર ઔર મોઝોં પર મસહ ક્રિયા.

૫૪૫. બિલાલ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને વુઝુ ક્રિયા તો અમામે પર ઔર મોઝોં પર મસહ ક્રિયા.

૫૪૬.. અઅમસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે ઐસી હી એક ઔર રિવાયતમે ઇતના જ્યાદા હૈ કે, મેં ને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમકો દેખા.

### બાબ ૯૮. મોઝોં પર મસહ કરને કી મુદત

૫૪૭. શરીહ બિન હાનીસે રિવાયત હૈ મેં હજરત આયેશા રદીઅલ્લાહો અન્હા કે પાસ ઉનસે મોઝોં પર મસહ (કરને કે બારેમેં) પુછને કે લિયે ગયા ઉન્હોંને કહા “તુમ અબુ તાલીબ કે બેટેસે પુછો (હજરત અલી કર્મલ્લાહો વજહુહુસે પુછો) વો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ કે સાથ સફર ક્રિયા કરતે થે.”

હમને ઉનસે પુછા, ઉન્હોંને કહા કે “રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને મુસાફિર કે લિયે મસહ કી મુદત ત્રીન દીન ઔર ત્રીન રાત મુકર્રર કી ઔર મુકીમ કે લિયે એક દીન ઔર એક રાત મુકર્રર કી.”

રાવીને કહા જબ સુક્રિયાન અમ્રકા ઝિક કરતે તો ઉન કી તારીફ કરતે.

૫૪૮.. એક ઔર સનહસે ઐસી હી એક ઔર રિવાયત મનકુલ હૈ.

૫૪૯.. શરીહ બિન હાનીસે ઐસી હી એક ઔર રિવાયત મનકુલ હૈ.

**आम ९९ :-** ओक वुजुसे कंठ नमाजे पढना जाईज होने के अयान में

पप०. बुरीदह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, रसूलुल्लाह, सल्लल्लाहो अल्लयहे वसल्लमने जस दीन मक्का इतह किया, (उस दीन) ओक वुजुसे कंठ नमाजे पढी और मौजों पर मसह किया, हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “या रसूलुल्लाह ! आपने आज वो काम किया जो (पहले) कभी नहीं किया था” आपने इरमाया, “अय उमर !! मैंने इसदन औसा किया”

**आम : १०० :-** जब तक उसे तीन बार धो ना ले, पानी के अरतनमें हाथ डालना मकइह है.

पप१. हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब तुममेंसे कोछ सो कर उठ तो अपना हाथ अरतनमें ना डाले, जब तक उसे तीन बार धो ना ले, क्युं के मालुम नहीं वो हाथ कहां रहा (होगा)?”

पप२. अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब तुममेंसे कोछ जागे तो हाथ पर तीन बार पानी डाल ले, इस लिये के उसको पता नहीं के उसका हाथ रातको कहां रहा (होगा)?”

पप३. ओक और सनइसे औसी ही ओक और रिवायत थोडे अहुत इरक के साथ मनकुल है.

पप४. ओक और सनइ से औसी ही ओक और रिवायत थोडे अहुत इरक के साथ मनकुल है.

पप५. ओक और सनइ से औसी ही ओक और रिवायत थोडे अहुत इरक के साथ मनकुल है.

**आम १०१ :-** कुत्ते अ (जुय अना) मुंह डालनेका अयान

पप६. अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह लाल सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया “जब तुममेंसे कीसी के अरतनमें कुत्ता मुंह डालकर (पानी) पीये तो उसे अहाहें और इर (उस अरतन को) सातबार धोअे.”

पप७. इसी अस्नाइ की अअउसकी रिवायतमें “अहा देनेका जिक् नहीं (लेकीन अरतनको धोने के लिये आली तो करना पडेगा ही.)”

पप८. अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब कुत्ता तुमहारे अरतनमेंसे पीये (पानी) तो उसे सात बार धोना चाहिये.”

पप९. अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब कुत्ता तुमहारे अरतनमेंसे पीये (पानी) तो उसे सात बार धोना चाहिये भीट्टी के साथ.”

५६०. हुम्नाम बिन मुनब्बिहसे रिवायत है के, हुमको ये हदीष अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होने भयान की, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम से, उनमेंसे अेक हदीष ये भी थी की, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब कुत्ता तुममेंसे कीसी के भरतनमेंसे अपड अपड पीये तो उसकी पा की ये है के, (उस भरतन को) सात बार धो ले.”

५६१. अब्दुल्लाह बिन मुगइल मजनी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे वसल्लमने कुत्तोंको मार डालनेका हुकम इरमाया, “इर इरमाया, “उन कुत्तोंका डाल क्या है, इर आपने शिकारी कुत्ता और गदलेका कुत्ता (भकरी के रेवड की डिइअत के लिये) पालने की इज्जत ही, और इरमाया, “जब कुत्ता भरतनमें मुंह डालकर (पानी) पीये तो उसे सात बार धोयें और आठवीं बार भीट्टीसे मांजे.”

५६२. याहुया बिन सधद की रिवायतमें धतना जयादा है “और आपने इज्जत ही भकरीयों के कुत्तोंकी और शिकारी कुत्ते और भेत के कुत्तेको पालने की.”

### भाब १०२. :- छूरे हुये पानीमें पेशाब करना मना होने के भयान में

५६३.. ज़ाबीर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने थमे हुये (३ के हुये) पानीमें पेशाब करनेसे मना इरमाया.

५६४. अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “तुममेंसे कोइ भी थमे हुये पानीमें पेशाब ना करे, और उसमें पेशाब करने के बाद इर उसमें गुसल ना करे.”

५६५. हुम्नाम बिन मुनब्बिहने कहा, ये वो हदीष है जो हुमें अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमसे नकल की इर कंइ अहदीष भयान की उनमेंसे अेक ये भी थी के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “अेसा मत करो, के थमे हुये पानीमें जो भडेटा नहीं है उसमें पेशाब करो तो उसी पानीसे इर गुसल करो.”

### भाब १०३ :- थमे (छूरे) हुये पानीमें गुसल की मनाइ

५६६. अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब तुममेंसे कीसीको ज्नामत के गुसल की इज्जत हो तो वो थमे हुये पानीमें ना नहाये.”

लोगोंने अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे कहा, “तो इर क्या करे ? ”

उन्होंने कहा, “हाथोंसे पानी लेकर (नहायें)गुसल करें” (अंदर जाकर ना नहायें)

**भाष १०४ :-** मस्जिदमें (खीसीने) पेशाब की हो तो उसको पानीसे धोना जरूरी है जमीन पानीसे पाक हो जाती है उसे षोढ़ना जरूरी नहीं है.

५६७. अनस रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, अक अयराणी मस्जिदमें पेशाब करने लगा. लोग उठ खड़े हुये (उसे रोकने के लिये या मारने के लिये) रसूलुल्लाह रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “उसकी पेशाब मत रोको” जब वो पेशाब कर चुका तो आपने अक डोल पानी मंगवाया और उस पर डाल दिया.”

५६८. अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्हो जिफ करते थे के अक अयराणी मस्जिद के कोनेमें अडा होकर पेशाब करने लगा. लोग उस पर खिल्ला पड़े, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “उसे छोड़ दो”

जब वो पेशाब कर चुका तो आपने हुकम दिया तो पानी की अक डोल उस के पेशाब पर डाली गध.

५६९. अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है हम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम के साथ मस्जिदमें बैठे हुये थे, धतनेमें अक अयराणी आया, और अडा होकर पेशाब करने लगा, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम के अस्हाबने कहा, “हाये, हाये... क्या करता है ?”

आपने इरमाया, “उसका पेशाब मता रोको, जाने दो”

असहाबने छोड़ दिया, यहां तक के वो पेशाब कर चुका. आपने उसको बुलाया और इरमाया, “मस्जिदें पेशाब और नजसत के लायक नहीं, ये तो अल्लाहको याद करने के लिये और नमाज और कुरआन पढने के लिये बनाए गध हैं” या औसा ही कुछ आपने इरमाया, “किर अक शप्सकी हुकम दिया, वो अक डोल पानी की लाया वो उस पर अडा दिया.”

**भाष १०५ :-** दूध पीते हुये बच्चे की पेशाब किस तरहां धोए जाये.

५७०. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम के पास लोग बच्चोंको लाते आप उनैक लिये हुआ इरमाते और उन पर हाथ डेरते और कुछ यभाकर उन के मुंहमें रभ देते (अनूर यभाकर रभनेका अरभमें माअमूल था.) आप के पास अक लडका लाया गया, उसने आप पर पेशाब कर दिया, आपने पानी मंगा कर उस जगह डाल दिया और उसे धोया नहीं.

५७१. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम के पास लोग बच्चोंको लाते आप उनैक लिये हुआ इरमाते और उन पर हाथ डेरते और कुछ यभाकर उन के मुंहमें रभ देते (अनूर यभाकर रभनेका अरभमें माअमूल था.) आप के पास अक लडका लाया गया, उसने आप पर पेशाब कर दिया, आपने पानी मंगा कर उस जगह डाल दिया.

५७२. अक और सनहसे औसी ही अक और रिवायत मनकुल है.

५७३. उम्मे कैस रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम वी भिदमतमे वो लडक लेकर आई जे अभी जाना नहीं जाता था. उसे रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम वी गोहमें भिद दिया, उसने आप पर पेशाब कर दिया, आपने पानी मंगा कर उस जगह भहा दिया.

५७४. ईसी सनहसे अैसी ही अेक और रिवायत थोडे बहुत इरक के साथ मनकुल है ईसमे ये है “आपने पानी मंगा कर उस पर छिड क दिया.”

५७५. उतना भिन मसउद रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, उम्मे कैस रहीअल्लाहो अन्हा जे मुडाजेरात मैसे थी और उन्हांने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमसे भयत वी थी वो उक्रशाह भिन मुदसिन वी भहनथी उन्हांने मुजसे भयान किया वी वो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमवी भिदमतमे अपना अेक बर्या लेकर आई जे अभी जाना नहीं जाता था उसे रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम वी गोहमें भिद दिया, उसने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम पर पेशाब कर दिया, आपने पानी मंगाया उस कपडे पर डाल दिया और कपडे के भुज अरखी तरहा धोया नहीं.

### भाब १०६ :- मनी व हुकम

५७६. अलकमा और असवहसे रिवायत है हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हा के वहां अेक शबश रात के उतरा, सुभहा अपना कपडा धोने लगा, मैने उन्हां पानीमे दुभाया, हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हाने इरमाया अगर तुं कपडोंमें कुछ असर देभता तो उस जगाका धो डालना कही था अगर तुने कपडोंमें कुछ नहीं असर देभा तो यारों तरफ पानी छिडना कही था.. मै तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम के कपडेसे सुभी मनी अपने नाभूनॉसे भुरय डालती फिर आप उस कपडेसे नमाज अद करते

५७७. असवह और हुमासे रिवायत है हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासमे मनीके बारेमे भयान करते मै तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम के कपडेसे सुभी मनी अपने नाभूनॉसे भुरय डालती फिर आप उस कपडेसे नमाज अद करते

५७८. असवहने हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे मनी भुरयनेके बारेमे अभु मअसर रहीअल्लाहो अन्हाकी रिवायत जैसी हदीष नकल वी है.

५७९. हुमासने हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे अैसी ही हदीष नकल वी है.

५८०.. अअ भिन मयमूनसे रिवायत है मैने सुलैमान भिन यसारसे पूछा, अगर कपडेमें मनी लग जअे तो, मनीको धो डालें या कपडा धो डालें ?

उन्हांने मुजसे कहा, “हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हाने भयान कियाके, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम मनीको धो डालते फिर (धोनेका निशान कपडे पर होता था जे निशान मै देभती थी) वही कपडा पहनकर नमाज के लिये निकलते और मै धोनेका निशान देभती आप के कपडे पर.”

५८१. अम्र बिन मयमून रहीअल्लाहो अन्होसे ली औसी ही हदीष नकल की है, एभने मुबारक अब्दुल्ला वहीद की रिवायतमें एज्जक है “मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के कपडेसे मनी धो डालतीथी।

५८२. अब्दुल्लाह बिन शिदाब जवलानीसे रिवायत है मैं हज्जत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हो के पास उतरा, मुझे कपडोंमें ओहतेलाम हो गया, मैंने उनहों पानीमे दुबाया, हज्जत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हो की ओक भादिमाने देभा, और उनसे जयान किया तो उनहोंने मुझे बुलाया, और पुछा “तुमने उन कपडोंको कयुं दुबाया?”

मैंने कहा, “मैंने ज्वाजमें वो देभा जो सोनेवाला देभता है.”

उनहोंने पुछा, “तुमने कपडोंमें कुछ असर पाया?”

मैंने कहा, “नहीं”

उनहोंने कहा, “अगर तुं कपडोंमें कुछ असर देभता तो उनका धो डालना काही था. और मैं तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के कपडेसे सुभी मनी अपने नाजूनोंसे जुरय डालती.”

**जाज १०७ :- जून की नजसत है और उसे डीस तरहा धोना चाहिये इस ईडिक्वित**

५८३. अरमा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के पास ओक औरत आध और उसने कहा, “हममेंसे डीसीको कपडेमें हैजका जून लग जाता है वो क्या करे ?”

आपने इरमाया, “पहेले उसे जुरय डालें, फिर पानी डाल कर मलें, फिर धो-डालें, फिर उस कपडेमें नमाज पढ़ें.”

५८४. ओक और सनहसे औसी ही हदीष नकल की है.

**जाज १०८ :- पेशाब की नजसतका जयान और उसके छिटोंसे परहेज करने की जइरत होने की हलील**

५८५. अब्दुल्लाह बिन अब्जास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम हो कजरोंसे गुजरे तो इरमाया, “एन दोनों कप्रावालों पर अजाब हो रहा है और वोभी कोध ओडे गुनाह के लिये नहीं, उनमेंसे ओक युगलीओर था, दूसरा अपने पेशाबसे जयनेमें ओहतियात नहीं रभता था.”

फिर आपने ओक हुरी टहनी मंगवाध और थीरकर उसे दो (हिरसोंमे तकसीम) किया और हर ओक कप्रा पर ओक ओक गाड ही और इरमाया, “शायद जब तक टहनीयां ना सूजें उस वकत तक उनका अजाब हलका हो जायेगा.

५८६. अजमस रहीअल्लाहो अन्होसे औसी ही हदीष रिवायत की है.



भाषा १११:- हाअेअा औरत अपने भाविदका सर धो सकती है, सरमें कंधी कर (दि) सकती है उसकी गोदमें तकिया लगाकर बैठना और कुरआन पढना हीक है.

प८२. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रदीअल्लाहो त्आला अन्हासे रिवायत है के, ज्ज् रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम अेतेकाइ करते तो अपना सर मेरी तरइ जुका देते में उसमें कंधी कर देती और आप घरमें तशरीफ ना लाते सिवाय के ज्जरी हाजतें पुरी करने के लिये ही.

प८३. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रदीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है ज्ज् में (अेतेकाइमें होती तो) घरमें जाती हाजत के लिये और जो कोछ घरमें भीभार होता उसकी अलते अलते अजर पुछ लेती, और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम मस्जुदमें रहकर अपना सर मेरी तरइ डाल देते. में उसमें कंधी कर देती और आप ज्ज् अेतेकाइमें होते तो हाजतों के सिवा घरमें ना जाते. धप्ने इम्हने कहा, “ज्ज् के वो अेतेकाइमें होते”

प८४. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रदीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है ज्ज् रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम अेतेकाइमें होते तो अपना सर मस्जुदसे बाहर निकल देते में आपका सर धो देती हालां के में हाअेअा होती थी.”

प८५. उम्मुल मुअमेनीन हाजत आयेशा रदीअल्लाहो अन्हाने कहा “में रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लमका सर धोती थी औरमें (उस वक्त) हाअेअा होती थी.”

प८६. हाजत आयेशा रदीअल्लाहो अन्हाने कहा मुजे रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “मस्जुदमें ज्ञानमाज उठा दे.” मैंने कहा, “में हाअेअा हूं”

आपने इरमाया, “तुम्हारे हाथमें तो हैज नहीं है.”

प८७. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रदीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है मुजे रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लमने हुकम दिया मस्जुदमें ज्ञानमाज उठाने का. मैंने कहा, “में हाअेअा हूं”

आपने इरमाया, “उठा दे, हैज तेरे हाथमें थोडी ही है?”

प८८. अबु हुसैरह रदीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम मस्जुदमें थे एतनेमे आपने इरमाया “अय आयेशा मुजे कपडा उठा दे”

उन्होंने कहा, “में हाअेअा हूं”

आपने इरमाया, “उठा दे, हैज तेरे हाथमें नहीं है?”

इर उन्होंने कपडा उठा दिया.

प८८. अबु हु२ैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम मर७७हमें ये धतनेमें आपने इरमाया, “अय आयेशा मु७को कपडा उ६ा दे.

उन्होंने क६ा, “मैं हाअेजा हुं”

आपने इरमाया, “उ६ा दे, हैअ तेरे हाथमें नही है?”

इर उन्होंने कपडा उ६ा दिया.

६००. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं पानी पीती इर पानी पीकर भरतन (गु६ा) रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमको देती. आप उस गगह मुंह रभते ग६ां मैंने मुंह रभकर पानी पीया होता था और पानी पीते थे हावां की मैं हाअेजा होती, मैं ह६ी नोंयती इर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमको दे देती आप उस गगा मुंह लगाते ग६ां मैंने लगाया होता था.

६०१. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम मेरी गोहमें त६िया (लगाकर लेटते) लगाते और कुरआन पढते और (उस वक्त) मैं हाअेजा होती थी.

६०२.. अनस रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, के ग७ यहुदीयोंमें कोध औरत हाअेजा होती तो .से अपने साथ जाना ना बिलाने, ना ही अपने घरमें उस के साथ रहेते. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम के अरुदाबने आपसे धस मरअले के बारेमें पुछा, त७ अल्लाहने ये आयत नाजिल इरमाध.

“व यस अलुनका अनील महिषे.....” (सुर-अे-अरुह : २२२)

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जिमाअ के सिवा स७ काम करो.”

यहुदीअोको ये अ७र मीली तो क६ा के ये शअ्स आहता है के, हर आतमें हमारे बिलाइ इरे.

ये सुनकर उसैह बिन हु६ैर रहीअल्लाहो अन्हो और ध७ाह बिन अशर रहीअल्लाहो अन्हो आअे और अ७ की “या रसूलुल्लाह! यहुदी अैसा अैसा क६ते है. हम हाअेजा औरतोंसे जिमाअ क्युं ना करे ?”

ये सुनते ही रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम के अ६रेका रंग अदल गया, हम ये सभअे के आपको उन दोनों शअशो पर गुरसा आया. वो उ६कर अ६ार निकले धतनेमें आपको डीसीने तो६के डी तौर पर दूध लेग. आपने इर उन दोनोंको बुलवाया. और दूध पिलाया. त७ उनको माअलुम हुआ के आपका गुरसा उन पर नहीं था. (यहुदीअो पर था)

**आप ११२ :- मजीका बयान**

६०३..हजरत अली कर्मदल्लाहो वजहलुसे रिवायत है के, मेरी मजी जलुत निकलां करती थी, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमसे पुछनेमें शर्म की. क्युं की आप की शाहजआदी मेरे निकालमें थी. मैंने भिकदाह बिन असवदसे कहा, उन्होंने पुछा आपने इरमाया, “अपने जकर (शर्मगाह)को धो डाले और वुजु कर लें.”

६०४..हजरत अली कर्मदल्लाहो वजहलुने कहा मुजे रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमसे पुछनेमें शर्म आछ. शक्तिमा रहीअल्लाहो अन्हा की वजहसे (वो आप की शाहजआदी थीं) मैंने भिकदाह रहीअल्लाहो अन्होसे कहा, उन्होंने पुछा तो आपने इरमाया, “मजी के निकलनेसे वुजु लाजिम.”

६०५.. अब्दुल्लाह बिन अब्जास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है हजरत अली रहीअल्लाहो अन्होने कहा हमने भिकदाह रहीअल्लाहो अन्हाको रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम के पास लेजा. उन्होंने पूछा “अगर कीसी आहमी की मजी निकल जाये तो वो क्या करे?”

आपने इरमाया, “वुजु करले और जकर (शर्मगाह)को धो ले”

**आप ११३ :- सोकर उठने के बाद मुंह हाथ धोनेका बयान**

६०६. एब्ने अब्जास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम रातको नींदसे जागेतो हाजतसे क्षरीग हुये फिर मुंह और हाथ धाये और इर सोये.

**आप ११४ :- जनापतवालेका (बिना गुस्स) सोना दुरस्त है लेकिन जाने, पीने, सोने और जुमाअ करते वकत वुजु करना और शर्मगाहको धो लेना मुस्तहब है.**

६०७. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम जब सोनेका धरादा करते और (अगर) आप जनापतवाले होते तो सोनेसे पहले वुजु कर लेते जैसा नमाज के लिये करते हैं.

६०८. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम जब जनापत की हालतमें होते और जानेका सोनेका धरादा करते तो वुजु करते जैसा नमाज के लिये करते थे.

४०९. तदवील असनाहसे यही हदीष बयान वी है.

६१०. एब्ने उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है उमर रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “या रसूलुल्लाह ! अगर हममेंसे कोछ जनापत की हालतमें हो और सोना खाहे (तो क्या करे)?”

आपने इरमाया, “वुजु करे फिर सो शकता है”

६११. छप्ने उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्होने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे मस्अला पूछा “अगर हममेंसे कोछ जनाअत की हाततमें हो तो सो शकता है?”

आपने इरमाया, “वुजु करले फिर सो रहे और जब याहे गुरल कर ले.”

६१२. अब्दुल्लाह छप्ने उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्होने भयान किया, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे, के उन्हें रातको जनाअत हाती है.

आपने इरमाया, “वुजु करले, अकरको धो डाले फिर सो जाओ.”

६१३. अब्दुल्लाह बिन अबी कैससे रिवायत है के, मैंने हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के वितर की (नमाअके) बारेमें पुछा. फिर यहां तक हदीष भया की, के मैंने कहा, “आप जनाअत की हाततमें क्या किया करते थे ? गुरलसे पहले सो रहते थे ?”

उन्होंने कहा, “आप दोनों तरहां करते थे, कभी गुरल करते ते इर सोते, और कभी वुजु कर के सोते.”

मैंने कहा अल्लाहका शुक्र है जसने अन्नमें गुंजाइश रज्जी है.

६१४. मुआवीयह बीन सालेहसे उपर गुजरी वैंसी हदीष रिवायत हुध है.

६१५. अबु सय्द अहरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “तुममेंसे जब कोछ अपनी भीबीसे शहवत करे फिर दोबारा करना याहे तो वुजु कर ले फिर करे.”

६१६. अनस रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम, अपनी सली (पाक) भीबीयों के पास अेक ही गुरलसे हो आते.

**आप ११५ :- अगर औरत की मनी निकले तो उस पर गुरल वाजुब होने के भयानमें.**

६१७. अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, उम्मे सुलैम रहीअल्लाहो अन्हो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के पास आछ. (वो छस हदीष के रावी छरुहक की हादीमाथी) और वहां हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हो भैठी हुध थी. उन्होंने कहा, “या रसूलुल्लाह ! अगर औरत ज्वाअमें अैसा देजे जैसा मर्द देअता है. ” (याने की मनीको देजे)

हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होने ये सुनकर कहा, अय उम्मे सुलैम तुमने औरतोंको इश्वा कर दिया, तेरे हाथमें भीट्टी लगे.

आपने इरमाया, “अय आयेशा ! तेरे हाथमें भीट्टी लगे!”

और उम्मे सुलैमको कहा, “अय उम्मे सुलैम ! औरत अगर अैसा देजे तो उस सूतमें गुरल कर ले.”

६१८. कताहल रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, अनस बिन मालीक रहीअल्लाहो अनहोने उनसे हदीष बयान कीके, उम्मे सुलैम रहीअल्लाहो अन्होने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमसे पूछा, “अगर औरत ज्वाबमें वो देभे जो भई देभता है (तो क्या करे)?” आपने इरमाया, “जब औरत औसा देभे तो गुस्ल कर ले.” उम्मे सुलैमने कहा, मुजे शर्म आछ मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमसे पूछा, “क्या औसा भी होता है (औरतोंको भी अहेतेलाम होता है क्या?)” रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “भेशक, होता है औसा, वरना बख्या औरत के साथ सभाहत वाला क्युं कर होता है. भईका नुक्ष गाढा सुईह होता है, औरतका नुक्ष पलता जई होता है, फिर जो उपर जता या गालीब आता है बख्या उसी पर मुसाभेहत रभता है.”

(अन्स अंस के बह जअमें, गालीब आअमें, उन पर बख्या जता है ये अनेटीकल सायन्ससे भी साबित है)

६१९. अनस बिन मालीक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, अेक औरतने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमसे पूछा, “अगर औरत ज्वाबमें वो देभे जो भई देभता है?” आपने इरमाया, “अगर उसमेंसे वही चीज निकले जो भईसे निकलती है, तो गुस्ल करें.”

६२०. उम्मुल मुअमेनीन उम्मे सलमा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम के पास उम्मे सुलैम रहीअल्लाहो अन्हो आछ और कहा, “या रसूलुल्लाह ! अल्लाह त्वाला सय भातसे शर्म नही करता, क्या औरत पर गुस्ल वाजुब है जब उसे अहेतेलाम हो?” आपने इरमाया, “हां, जब वो पानी देभे,”

उम्मे सलमा रहीअल्लाहो अन्होसे पुछा, “या रसूलुल्लाह ! क्या औरतको भी अहेतेलाम होता है ?”

आपने इरमाया, “तेरे हाथमें भीट्टी लगे! अहेतेलाम ना होता तो फिर बख्या औरत के मुसाभेह कैसे होता है?”

६२१. हिशाम बिन उरवहसे उपर गुजरी वौसी हदीष रिवायत हुह है धतना धनक्ष है, उम्मे सलमा रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया अय उम्मे सुलैम तुमने औरतोंको इश्वा कर दिया,

६२२. उरवह बिन अुबैरसे उपर गुजरी वौसी हदीष रिवायत हुह है धतना धनक्ष है, हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया अइसोस है तुज पर क्या औरत भी औसा देभती है.

६२३. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, अेक औरतने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमसे पूछा, “क्या औरतको अहेतेलाम हो और वो पानी देभे तो गुस्ल करे ?”

હજરત આયેશા રદીઅલ્લાહો અન્હાને ફરમાયા, “તેરે હાથમેં મીટી લગે, ઓર વો કોંચે જાએ હથિયાર સે.”

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “છોડ દે ઉસે, આખીર બચ્યા માં-બાપ કે મુસાબેહ હોતા હૈ વો કીસ વજહસે હોતા હૈ? જબ ઓરતકા નુફા મર્દ કે નુફે પર ગાલીબ આ જાતા હૈ, તો બચ્યા અપને નનીહાલ કે મુસાબેહ હોતા હૈ ઓર જબ મર્દકા નુફા ઓરત કે નુફે પર ગાલીબ આ જાતા હૈ તો અપને દદીહાલ પર મુસાબેહ હોતા હૈ.”

**બાબ ૧૧૬ :- ઓરત ઓર મર્દ કી મનીકા બયાન ઓર બચ્યા દોનોં કે નુફોંસે પચદા હોતા હૈ ઇસકા બયાન.**

દર ૪. પવબાન રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ જો મવલા થે (આઝાદ કરદા ગુલામ થે) રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ કે ઉન્હોંને કહા કે મેં રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ કે પાસ ખડા થા. કે યહુદી આલીમોંમેંસે એક આયા, વો બોલા, “અસ-સલામો અલયકા યા મુહમ્મદ”

મેંને ઉસે એક ધકકા દિયા કે વો ગિરતે ગિરતે બચા.

વો બોલા, “તું કયું ધકકા દેતા હૈ?”

મેંને કહા, “તુ રસૂલુલ્લાહ કયું નહી કહેતા? (નામ કયું લીયા?)”

વોહ બોલા “હમ ઉનકો ઇસ નામસે પુકારતે હૈ જો ઉન કે ઘરવાલોને રખ્યા હૈ.”

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “મેરા નામ જો ઘરવાલોને રખ્યા હૈ વો મુહમ્મદ હૈ.”

યહુદીને કહા કે “મેં તુમ્હારે પાસ કુછ પુછને આયા હું”

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “અગર મેં તુજે કુછ બતાઉં તો તુજે ક્યા દોગા?”

ઉસને કહા, “મેં કાનસે સુનુંગા.”

તબ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને આપ કે હાથમેં જો છડીથી ઉસસે જમીન પર લકીર બનાઇ ઓર ફરમાયા, “પુછ.”

યહુદીને કહા, “જોસ દીન થે જમીન આસમાન બદલ કર દૂસરે જમીન આસમાન હો જાએંગે. ઉસ વકત લોગ કહાં હોંગે?”

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “ઉસ વકત લોગ અંધેરેમે પુલસિરાત કે પાસ ખડે હોંગે.”

ઉસને પુછા, “ફિર સબસે પહેલે ઉસ પુલ પરસે કોન પાર હોગા?”

આપને ફરમાયા, “જો લોગ મુહાજેરીનમેંસે મુહતાજ(ફકીર) હૈ” (કીસીભી પચગંબર કે મુહાજર)

યહુદીને કહા, “ફિર જબ વો લોગ જન્નતમેં જાએંગે, તો ઉનકા પહેલાં નાસ્તા ક્યા હોગા?”

આપને ફરમાયા, “મછલી કે જીરકા ટુકડા”

ઉસને કહા, “ફિર સુબહકા ખાના કયા હોગા ?”

આપને ફરમયા, “વો બેલ કાટા જાએગા જો જન્નતમેં ચરાં કરતા થા.”

ફિર ઉસને પુછા, “યેહ ખાકર, વો કયા પિયંગે ?”

આપને ફરમાયા, “એક ચશમેકા પાની જીસકા નામ સલસબીલ હૈ”

ઉસ યહુદીને કહા, “આપને સચ ફરમાયા,ઔર મેં આપસે ઔસી ખાત પુછને આયા હું, જીસકો દુનિયામેં નબી કે સિવા કોઈ નહીં જાનતા. શાયદ હી કોઈ એક દો લોગ જાનતે હોં.”

આપને ફરમાયા, “કયા તુજે મેં વો ખાત ખતા દુ તો તુજે ફાયદા હોગા?”

ઉસને કહા, “મેં અપને કાનસે સુન લુંગા.”

ફિર ઉસને કહા, “મેં બચ્ચે કે (બારેમેં) પુછતા હું.”

આપને ફરમાયા, “મર્દકા પાની સુફેદ ઔર ઔરતકા પાની ઝર્દ હૈ, જબ યે દોનોં ઇકઠ્ઠા હોતે હૈ ઔર મર્દ કી મની ઔરત કી મની પર ગાલીબ હોતી હૈ તો અલ્લાહ કે હુકમસે લડકા હોતા હૈ ઔર ઔરત કી મની મર્દ કી મની પર ગાલીબ હોતી હૈ તો અલ્લાહ કે હુકમસે લડ કી પૈદા હોતી હૈ.”

યહુદીને કહા, “આપને સચ ફરમાયા,ઔર આપ અલ્લાહ કે પયગંબર હૈ”

ફિર જબ વો પીઠ ફેરકર ચલા તો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “ઉસને જો ખાતેં મુજસે પુછી વો મુજે કોઈ ભી માલુમ નહીં થી, યહાં તક કે અલ્લાહને મુજે ખતા હૈ.”

દર૫. મુઆવિયા બિન સલામસે ઉપર ગુજરી વૈસી હદીષ રિવાયત હુઈ હૈ ઈતના ઈજ્ઞકા હૈ, કે “મેં રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ કે પાસ બૈઠા થા.”

### બાબ ૧૧૭ :- જનાબત કે ગુસ્લકા બયાન

દર૬. ઉમ્મુલ મુઅમેનીન આયેશા રદીઅલ્લાહો અન્હાસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ જબ જનાતબકા ગુસ્લ કરતે તો પહેલે દોનોં હાથ ધોતે, ફિર દાહિને હાથસે પાની ડાલતે ઔર બાયેં હાથસે શર્મગાહ ધોતે, ફિર વુઝુ કરતે જીસ તરહા નમાઝ કે લિયે કરતે થે, ફિર પાની લેતે ઔર અપની ઊંગલીયાં બાલોં કી જડોંમેં ડાલતે, જબ આપ દેખતે કે બાલ તર હો ગએ હૈ તો દોનોં હાથોંમેં ભરકર તીન ચિલ્લુ (પાની) ડાલતે, ફિર પુરે બદન પર પાની ડાલતે, ફીર દોનોં પાંવ ધોતે.

દર૭. ઉમ્મુલ મુઅમેનીન આયેશા રદીઅલ્લાહો અન્હાસે ઉપર ગુજરી વૈસી હદીષ રિવાયત હુઈ હૈ ઈસમેં પાંવ ધોનેક્ર ઝિક્ર નહીં હૈ.

દર૮. ઉમ્મુલ મુઅમેનીન આયેશા રદીઅલ્લાહો અન્હાસે ઉપર ગુજરી વૈસી હદીષ રિવાયત હુઈ હૈ ઈસમેં પાંવ ધોનેક્ર ઝિક્ર નહીં હૈ.

६२६. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम जण जनाअतका गुस्ल करते तो अरतनमें हाथ डालनेसे पहले, दोनों हाथ धोते, फिर पुजु करते जैसा नमाज के लिये पुजु करते थे.

६३०. एणे अज्जास रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, मेरी आला मैमुनह रहीअल्लाहो अन्हाने अयान डीया के उन्हांने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम जनाअत के गुस्ल करनेका पानी रज्जा, आपने पहले दोनो पहोंये धोये, दो बार, या तीन बार, हीर अरतनमें हाथ डाला और शर्मगाह पर पानी डाला और आंखे हाथसे धोया फिर आंखें हाथको जमीन पर डेरा जेरसे रगडा, फिर जैसे नमाज के लिये पुजु करते है वैसे ही पुजु किया हीर तीन बिल्लु भर कर अपने सरपर (पानीके) डाले. फिर सारे अदनको धोया, फिर उस जगहसे भिसक गये और पांचोंको धोया, फिर मैं अदन पोछने के लिये इमाल लेकर आछ. (लेकीन) आपने लिया नहीं.

६३१. अअमससे उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे उपर गुजरी वीसी हदीष रिवायत हुह है इसमें (पानीके) तीन बिल्लु भर कर अपने सर पर डालनेक जिऊ नहीं है. इसमें कुल्लीक, नाकमे पानी डालनेक, जिऊ है, मुआवियाक रिवायतमे इमालक जिऊ नहीं है.

६३२. एणे अज्जास रहीअल्लाहकी उम्मुल मुअमेनीन मैमुनह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम के पास कपड लाया गया तो आपने लिया नहीं, हाथसे पानी जिऊने लगे.

६३३.. उम्मुल मुअमेनीन अज्जत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, जण रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम जनाअतका गुस्ल करते तो पानीका एक अरतन हलाअ के (हलाअ : अँटका दूध दोहनेका अरतन, गुजरातीमां भोघेणुं ) अराअर पानी भंगवाते फिर हाथसे पानी लेते, और पहले दाहिनी जनीअका सर धोते फिर आर्यी जनीअ(का सर )धोते, उस के बाद दोनों हाथोंसे पानी लेते और सर पर अडालते.

**आअ ११८ :- जनाअत के गुस्ल के लिये कीतना पानी लेना अहेतर है.**

**आअिह और बीबीका एक अरतनसेअेक हलतमें गुस्ल करना,**

**अेक दुसरे के अये हुअेपानीसे गुसल करना.**

६३४. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम अेक अैसे अरतनसे जनाअतका गुस्ल करते थे अूसमें तीन साअ पानी आता है. (३ साअ = सात शेर के करीअ)

६३५. उम्मुल मुअमेनीन अयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है की रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम अेक कठरे (अँट अरतन)से गुस्ल करते थे और वोह इरक था. (इरक वो अरतन है अूसमे तीन साअ पानी आता है) और मैं और आप अेक ही अरतनसे (पानी लेकर) गुस्ल करते.”

सुक्रियानने कडा, इरक तीन साअकडा होता है.

६३६. अबु सलमा बीन अब्दुर्रहमान रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं और हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हाने रजाध भाध (अब्दुर्रहमान फनी यजीद रहीअल्लाहो अन्हो) उन के पास गये और जनाबत के गुस्ल के (भारमें) पुछा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम कथुं कर (गुस्ले जनाबत) करते थे ?

उन्होंने कडा, “अेक भरतन भंगवाया जूसमे अेक साअ जूतना पानी आता है और गुस्ल क्रिया और भेरे और आप के भीअमें अेक परदा था, उन्होंने अपने सर पर तीन बार पानी डाला.”

अबु सलमाने कडा, “रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमकी (पाक) भीभीयां अपने जाल कतरवाती थी और वकरह (कानों तक या मुँहों तक लम्बाध वाले जाल) रभती थी.”

(अब्दुल्लाह बीन यजीद रजाध भाध है अबु सलमा रजाध भांजे है जून्होंने उम्मे कुलसुभ बीनते अबु अक ने उन्हें दूध पिलाया था, अरभ डी औते योटीयां निकालती थी, आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के परदा इरमानकेभाध उम्मुल मुअमेनीनने अपनी जीनत कम करने के लिहाजसे जाल कम करवायें हो औसा अल्लामा काजी अयाजने कडा है.

६३७.. अबु सलमा भिन्ते अब्दुर्रहमानसे रिवायत है हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हाने इरमाया के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम गुस्ल करते तो हायें हाथसे शुइ करते थे. पहले उस पर पानी डालते और भांये हाथसे जहन पर जे नजसत होती थी उसे धोते थे, जब उससे इरीग होते तो सरपर पानी डालते, हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हाने कडा, “मैं और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम अेक ही भरतनमेंसे गुस्ल करते थे और हभ जनाबतवाले होते थे.”

६३८. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हा और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम अेक ही अतनसे गुस्ल क्रिया करते जूसमें तीन मुद या धतना ही पानी आता था.

६३९. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, मैं और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम अेक ही भरतनमेंसे गुस्ल करते. दोनों के हाथ उसमें पडते जते और जनाबतका गुस्ल करते थे.

६४०. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, मैं और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम अेक भरतनमेंसे गुस्ल करते थे जे भेरे और आप के भीअमें होता था. आप जदही जदही पानी लेते यहां तक के मैं कहुती थोडा भेरे लिये छोड दो, थोड भेरे लिये छोड दो, कडा के हभ दोनों जनाबतवाले होते.

६४१. उम्मुल मुअमेनीन भैभूह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, वो और नभीअे करीम सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम अेक ही भरतनमेंसे गुस्ल करते थे.

६४२. एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लम (उम्मुल मुअमेनीन) मैमूनह के बचे हुअे पानीसे गुस्ल करते थे.

६४३. उम्मुल मुअमेनीन उम्मे सलमा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, वो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम जनाबतका गुस्ल अेक ही भरतनमेंसे (पानी लेकर) करते थे.

६४४. अनस रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम पांच मक्कु तक (पानीसे) गुस्ल करते थे और अेक मक्कु पानीसे वुजु करते थे.

६४५. अनस रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम अेक मूह पानीसे वुजु करते थे और अेक साअसे लेकर, पांच मुह तक (पानीसे) गुस्ल करते थे.

६४६. सहीनह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लमको अेक साअ पानी गुस्ले जनाबत के लिये और अेक मूह पानी वुजु के लिये काही होता.

६४७. सहीनहसे रिवायत है के, (रहीअल्लाहो अन्हो) रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम अेक साअ पानीसे गुस्ल करते और अेक मूह पानीसे वुजु करते.

### भाब ११९ :- सर वगैरह पर तीन बार पानी डालनेका इस्तिहाब (बयान)

६४८. जुबैर बिन मुअमम रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है असहाबने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम के सामने जगडा किया, गुसल के बारेमें, आअजने कहा, “हम तो इस तरहों सर धोते है, जैसे जैसे.”

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “मैं तो अपने सर पर तीन बिल्लु पानी डालता हुं”

६४९. जुबैर बिन मुअममसे रिवायत है, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेहि व सल्लम के सामने जनाबत के गुस्लका जिक् हुआ, आपने इरमाया, “मैं तो अपने सर पर तीन बार पानी डालता हुं.”

६५०. ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जे लोग शकीक डी तरहसे आअे थे. उन्होंने अर्ज किया, “या रसूलुल्लाह ! हमारा मुल्क शर्ह है तो हम डीस तरहों गुस्ल करे?”

आपने इरमाया, “मैं तो अपने सरपर तीन बार पानी डालता हुं.”

एब्ने सालिमने, हुशीमने और बिशरने कहा, शकीक के वक़दवालोंने पुछा था, “या रसूलुल्लाह.”

૬૫૧.. જાબીર બિન અબ્દુલ્લાહસે રિવાયત છે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ જબ ગુસ્લ કરતે તો અપને સર પર ત્રીન ચિલ્લુ ભર કર પાની ડાલતે.

હસનને કહા, “મેરે તો બાલ બહોત હૈ, જાબીરને કહા “જાબીરને કહા, અથ મેરે ભ□જે (રદીઅલ્લાહો અન્હુમ)રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ કે બાલ તુજસે ભી જયાદા થે ઓર પાકીઝા થે.”

### બાબ ૧૧૯ :- ઔરતે ગુસ્લમેં ચોટીયાં ખોલે યા નહીં

૬૫૨..ઉમ્મુલ મુઅમેનીન ઉમ્મે સલામા રદીઅલ્લાહો અન્હાસે રિવાયત હૈ મૈને કહા, “યા રસૂલુલ્લાહ ! મૈં અપને સર પર ચોટી બાંધતી હું કયા જનાબત કે ગુસ્લ કે લિયે ઇસકો ખોલ દું.”

આપને ફરમાયા, “નહીં, તેરે લિયે સર પર ત્રીન ચિલ્લુ ભરકર પાની ડાલના કાફી હૈ ફિર સારે બદન પર પાની બહાના તો પાક હો જાએગી.”

૬૫૩. ઐયુબ બિન મુસા રદીઅલ્લાહો અન્હોસે ઇસી સનદસે ઉપર ગુજરી વંસી હી હદીષ થોડે ફરક કે સાથ રિવાયત હુઇ હૈ.

૬૫૪. ઐયુબ બિન મુસા રદીઅલ્લાહો અન્હોસે ઇસી સનદસે ઉપર ગુજરી વંસી હી હદીષ થોડે ફરક કે સાથ રિવાયત હુઇ હૈ.

૬૫૫.ઉમ્મુલ મુઅમેનીન આયેશા રદીઅલ્લાહો અન્હાસે રિવાયત હૈ કે, અબ્દુલ્લાહ બિન ઉમર રદીઅલ્લાહો અન્હો ઔરતોંકો ગુસ્લ કે વક્ત સર ખોલનેકા હુકમ દેતે થે. હઝત આયેશાને કહા, “તાઅજજાબ હૈ ઇબ્ને ઉમર સે, વો ગુસ્લ કે વક્ત સર ખોલનેકા હુકમ કરતે હૈ, તો સર મુંડાનેકા હુકમ કયું નહીં દેતે?

મૈં ઔર રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ દોનોં એક બરતનસે ગુસ્લ કરતે ઔર મૈં ફક્ત અપને સર પર ત્રીન ચિલ્લુ ડાલ લેતી.”

**બાબ ૧૨૧ :- અગર કોઈ ઔરત હૈઝકા ગુસ્લ કરે તો એક કપડેકા ટૂંકડા યા રૂઈકા મુશ્ક ખુન કે મકામ પર લગા કર ઇસ્તેમાલ કરે તો મુસ્તહબ હૈ.**

૬૫૬. ઉમ્મુલ મુઅમેનીન આયેશા રદીઅલ્લાહો અન્હાસે રિવાયત હૈ કે, એક ઔરતને રસૂલુલ્લાહ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમસે પૂછા, “હૈઝસે કીસ તરહા ગુસ્લ કરે ?”

આપને ઉસે ગુસ્લ કરના શિખાયા. ફિર ફરમાયા, “મુશ્ક લાગ હુઆ એક ફોયા લે ઔર ઉસસે પાક કરે.”

ઉસને કહા, “કયું કર પાક કરે?”

આપને ફરમાયા, “સુબહાનલ્લાહ ! પાક કર ઇસસે” ઔર આપને આડ કર લી. સુફિયાનને અપના હાથ આપને મુંડ પર રખ કર (આડ કરતી કેસે કી વો) દિખાયા,

हुजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्दाने कडा, “मैंने उस औरतको भेरे तरफ़ बिंय लिया और मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमका मतलब मैं समझ गध थी.”

मैंने कडा, उस शायेको जून के मकाम पर लगा.

६५७. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे धिसी सनदसे उपर गुजरी वैंसी ही हदीष थोडे इरक के साथ रिवायत हुध है.

६५८. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, अरुमा रहीअल्लाहो अन्दाने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे पुछा हैअका गुरल कैसे कइं?

आपने इरमाया, “पहले जेरी के पत्तों के साथ पानी ले और उससे अच्छी तरहों पा की कर ले. फिर सर पानी डलो और जून जेरसे भले यहाँ तकके, पानी मांगो मैं पड़ोंय ज़ामे, फिर अपने उपर पानी डाले, फिर अक शया (इधका या कपड़ोका जैसे उपर गुजरा है) ज़समे मुशक लगा हो वो लेकर उससे पा की करते.”

अरुमा रहीअल्लाहो अन्दाने पूछा, “कयुं कर पाकी कइं?”

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “सुज्दानअल्लाह! पाकी कर ले.”

हुजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्दाने युपकेसे कडा के जून के मकाम पर लाग दे. फिर उसने जनामत के गुरल के बारेमें पुछा

आपने इरमाया, “पानी लेकर अच्छी तरहों तदारत करे, फिर सर पर पानी डाले, और भले, यहाँ तकके, पानी सभी मांगोंमें पड़ुंय ज़ामे, फिर अपने पुरे जहन पर पानी डाले.”

हुजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्दाने कडा, “अन्सार की औरतें भी क्या उम्दह औरतें थीं! वो हीन की बात पुछनेमें शर्म नहीं करती थीं.”

६५९. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे धिसी सनदसे उपर गुजरी वैंसी ही हदीष थोडे इरक के साथ रिवायत हुध है.

६६०. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे धिसी सनदसे उपर गुजरी वैंसी ही हदीष थोडे इरक के साथ रिवायत हुध है.

**बाब १२२ :- मुस्तहाजा (जे वकत औरत की शर्मगाहसे आनेवाला जून) उस के गुरल और नमाज के हाल के बयान में**

६६१. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, इतेमह बिन्ते हुभैश रहीअल्लाहो अन्हा रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के पास आध और अर्ज किया, “या रसूलुल्लाह ! मुजे इस्तहाजा हो गया है मैं पाक नहीं रहेती क्या मैं नमाज पढ़ूं ?”

आपने इरमाया, “नहीं, ये अके रगका भूत है हैऊ नहीं है. जल हैऊ के दिन आये तो नमाऊ छोड दे, फिर हैऊ के दिन गुजर जायें तो भूत धो डाल और नमाऊ पढ.”

६६२. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे इसी सनहसे उपर गुजरी वीसी ही हदीष थोडे इरक के साथ रिवायत हुध है.

६६३. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, उम्मे हबीबा बिनते जहश रहीअल्लाहो अन्होने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे कहा “मुजे इस्तहाजा है, आपने इरमाया ये भूत अके रगका है, तुं गुस्ल कर और नमाऊ पढ, फिर वो हर नमाऊ के लिये गुस्ल करती थी.”

लयसने कहा इब्ने शिहाबने ये भयान नहीं किया के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने उन्हें हर नमाऊ के लिये गुस्ल करनेका हुकम नहीं दिया, अलेके उम्मे हबीबा रहीअल्लाहो अन्होने भुद्द औसा किया इब्ने रम्द की रिवायतमें उम्मे हबीबाका नाम नहीं है अलेके जहश की भेटीका जिक्र है.

६६४. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, उम्मे हबीबा बिनते जहश रहीअल्लाहो अन्हा जे के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमकी सीर निस्फती (सादी) थी (उम्मुल मुअमेनीन हजरत जैनब बिनते जहश की अहेन थी) और अब्दुर्रहमान बिन औफ़ रहीअल्लाहो अन्होकी बीबी थी. उन्हें सात साल तक इस्तेहाजा रहा.

उन्होंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे भरअला पुछा, तो आपने इरमाया, “ये हैऊ नहीं है अलेके अके रगका भूत है तो गुस्ल कर और नमाऊ पढ.”

हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होने कहा, वो (उम्मुल मुअमेनीन हजरत जैनब बिनते जहश) अपनी अहेन जैनब बिनते जहश के जे घर अके कोशरीमें कठोमें (बरतनमे भैठ कर ) गुस्ल करतीथी तो भूत की सुरभी पानी पर आ जाती थी.

इब्ने शिहाबने कहा मैंने ये हदीष अबु अक़ बिन अब्दुर्रहमानसे भयान की उन्होंने कहा, “भुद्दा हिन्दह पर रहम करे, काश!! वो ये इतवा सुन लेती, अल्लाहकी कसम वो इस हालमे नमाऊ ना पढ शकने की वजहसे रोती थी.”

६६५. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, इतेमह बिनते हुभैश रहीअल्लाहो अन्हा रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के पास आध और उन्हें सात साल तक इस्तेहाजा रहा.आकी हदीष उपर गुजरी वीसी ही हदीष थोडे इरक के साथ रिवायत हुध है.

६६६. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे अके और सनहसे उपर गुजरी वीसी ही हदीष रिवायत हुध है.

६६७. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है उम्मे हबीबा रहीअल्लाहो अन्होने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे इस्तेहाजा के

भूत के बारेमें पुछा, हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्दाने कहा “मैंने उनका नहानेका भरतन देखा जो भूतसे भरा हुआ था.”

आपने इरमाया, “तु धतने दिन छहर ज्ञओ ज्ञतने दिनों तक हैज आयां करता था फिर गुस्ल करो और नमाज पढे.”

६६८. हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्दासे रिवायत है के, उम्मे हब्बीबा बिनते जहश रहीअल्लाहो अन्दा जो अफ्दुर्रहमान बिन औक के निकालमें थी, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के पास आठ और भूत जहेनी की शिकायत की.

आपने इरमाया, “धतने दिन छहरज्ज ज्ञतने दिन तक (तुजे) हैज आयां करता था, फिर गुस्ल कर ले. तो वो हर नमाज के लिये गुस्ल किया करती थी.”

**बाब १२३ :- हाय्मेजा औरत पर रोणे की कजा वाजुब है नमाज की कजा वाजुब नहीं.**

६६९ मुआज्जह रहीअल्लाहो अन्दासे रिवायत है के, अेक औरतने हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्दासे पुछाके, “क्या औरत हैज के हीनों की नमाजको कजा करे ?”

उन्होंने कहा, “क्या तुं हज़रीया (भारज्ज) है? हममेंसे (उम्मुल मुअमेनीन) ज्ञसको भी हैज आता रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के अहेदमें उसको नमाजकी कजाका हुकम नहीं था.”

६७०. मुआज्जह रहीअल्लाहो अन्दाने हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्दासे पूछा, “क्या हाय्मेजा नमाज की कजा करे?”

उन्होंने कहा, “क्या तुं हज़रीया है ? रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमकी बीबीयां, हाय्मेजा होती थी, फिर क्या आप उनको नमाजकी कजाका हुकम करते ?”

६७१. मुआज्जह रहीअल्लाहो अन्दासे रिवायत है के, मैंने हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्दासे पुछा, धिसकी क्या वजह है जो हाय्मेजा औरत रोणों की कजा तो करती है मगर नमाज की कजा नहीं करती ?

उन्होंने कहा, “तु हज़रीया तो नहीं?”

मैंने कहा, “नहीं, मैं तो पुछती हूं.”

उन्होंने कहा, “( रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के अहेदमें)हम औरतोंको हैज आता हीर रोणों की कजा करनेका हुकम होता और नमाज कजा करनेका हुकम नहीं होता था.”

**बाब १२४ :- गुस्ल करनेवाला परहे की आड कर ले.**

६७२. उम्मे हानी बिनते अबु तालीब रहीअल्लाहो अन्दासे रिवायत है जसी साल मकका इतह हुआ तो वो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम की बिहमतमे आठ आप मकका की बुलदीकी ज़नीबमें थे, जब गुस्ल के लिये उँके तो हजरत इतेमह रहीअल्लाहो अन्दाने अेक परहेसे आपसल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम धिसकी आडमें नहा रहे

थे. फिर आपसल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने अपना कपडा लेकर लपेटा फिर आठ रकअतें यास्तकी (नमाज की) पढीं.

६७३. उम्मे हानी भिन्ते अबु तालीब रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है जसी साल मकका इतह दुआ तो वो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम की पिहमतमे आध आप मकका की बुलहीकी जनीबमें थे, गुस्ल करना चाहते थे (जब गुस्ल के लिये उठे तो)हजरत शतेमह रहीअल्लाहो अन्हाने अेक परहेसे आड की. फिर आप सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने अेक कपडा लेकर लपेटा फिर यास्तकी (नमाज की) आठ रकअतें पढीं.

६७४. उम्मे हानी भिन्ते अबु तालीब रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है हजरत शतेमह रहीअल्लाहो अन्हाने आहरसे परघ्न जला. फिर आप सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने अेक कपडा लपेटकर फिर यास्तकी (नमाज की) आठ रकअतें पढीं.

६७५. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, “मैंने नबीअे करीम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम के लिये पानी रभा और आपको परदा डिया तो आपने गुस्ल डिया.”

#### बाब १२५ :- पराई सत्तर देभना हराम है.

६७६. अबु सयद जुहरी रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “अेक मर्द दूसरे मर्द की सतरको ना देभे और अेक औरत दूसरी औरत की सतरको ना देभे और अेक मर्द दूसरे मर्द के साथ अेक कपडेमें ना लेटे और अेक औरत दूसरी औरत के साथ अेक कपडेमें ना लेटे.”

६७७. हमाम मुस्लीम भयान करते है अेक और सनहसे उपर गुजरी वीसी ही हदीष रिवायत हुध है.

#### बाब १२६ :- तन्हाधमें नंगे नहाना ज़ाहज़ है.

६७८. हुमाम बिन मुन्बजीहसे रिवायत है, ये वो हदीष है जे हमसे अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्हासे भयान की थी मुहम्मद रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमसे सुनकर. फिर उनहोंने कंघ हदीषे भयान की उनमेंसे अेक ये हदीष थी. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “ के जनी धसराधल के लोग नंगे नहाया करते थे, अेक (आहमी) दूसरे की सतरको देभता रहता था और हजरत मूसा अल्लयहिस्सलाम अेकेलेमें नहाते थे. असहाबने कडा मूसा अल्लयहिस्सलाम हमारे साथ नही नहाते हैं, उनको इतहकी भीमारी है.(जशिये (अंडकोष) जह जाने की) अेक बार मूसा अल्लयहिस्सलाम नहानेको गअे और कपडे उतार कर पत्थर पर रभे तो वो पत्थर उन के कपडे लेकर भागा मूसा अल्लयहिस्सलाम उस के पीछे भागे और कहेते थे, अय पत्थर मेरे कपडे दे दे... अय पत्थर मेरे कपडे दे दे... यहां तक के जनी धसराधलने उनको सरापा देभ

लिया और कहने लगे भुद्दा की कसम घनमें तो कोछ बिमारी नहीं है. उस वकत पत्थर भडा हो गया और उन्हे अचछी तरहां देभा गया. फिर उन्हींने अपने कपडे उठाये और पत्थरको भारना शरू किया.

अबु दुर्रैरुद रहीअल्लाहो अन्हो कहते हैं, “अल्लाहकी कसम पत्थर पर मूसा अल्लयहिरस्सलामकी छेह या मार के निशान हैं.”

### भाब १२७ :- सतर हिजानेमें ओहतेयात रभना.

६७६. हुजरत ज़ाबीर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जब काभा बनाया गया तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम और हुजरत अब्बास रहीअल्लाहो अन्हो पत्थर उठाने लगे. हुजरत अब्बासने आपसल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमसे कडा, तुम अपना तहभंद उठाकर अपने कंधे पर डाल लो. पत्थर उठाने के लिये (तकीया जैसा रहे) आपने औसा ही किया, उसी वकत जमीन पर गीर पडे और आंभे आसमान की तरफ़ लग गछ फिर आप भडे हुये और इरमाया, “मेरा तहभंद , मेरा तहभंद” उन्हींने आप की छज्जर बांध दी.

छप्ने रक्षैअ की रिवायतमें कन्धे की जगा गरहन आया है,

६८०. हुजरत ज़ाबीर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लम काभा तामीर करने के लिये लोगों के साथ पत्थर ला रहे थे और आप तहभंद पहले हुये थे. आप के अया अब्बास रहीअल्लाहो अन्होने कडा, “अय मेरे भतीजे तुम अपना तहभंद उतार कर अपने भत्ते पर डाल लो, तो अचछा होगा. आपने तहभंद भोला और भत्ते पर डाला उसी वकत गश आ गया (और) गिर पडे, फिर उस दिन के बाद आपको भरहुना नही देभा गया. (ये कम उभरका वाकिया है)”

६८१. हुजरत भिरवह बिन महुरमासे रिवायत है के, मैं ओक लारी पत्थर उठा कर आ रहा था और छोटा तहभंद पहले हुये था, वो भुल गया और मैं पत्थरको जमीन पर रभ ना सका, यहां तक के उसकी जगा पर ले जा कर रभा, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जा और अपना तहभंद उठा और भरहुना मत यला कर.

### भाब १२८ :- पेशाब करते वकत सतरको छुपाना

६८२. हुजरत अब्दुल्लाह बिन ज़ाहर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मुजे ओकबार रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने अपने पीछे सवारी पर भीठा लीया. फिर मेरे कानमें ओक भात कही, वो भात कीसीसे ना कहुंगा, और आप सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमको हाजत के वकत कीसी टीले या भजुर के दरभ्त की आड पसंद थी.

**બાબ ૧૨૯ :- ઇસ્લામકી શુરૂઆતમેં જિમાઅ પર ગુસ્લ વાજીબ ના થા જબ તક મની ના નિકલે (ગુસ્લ વાજીબ ના થા) ઇસ કે મન્સૂબ હોનેકા બયાન ઔર જિમાઅ કરને પર ગુસ્લ વાજીબ હોનેકા બયાન.**

૬૮૩. હજરત અબુ સઈદ ખુદરી રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, મેં રસૂલુલ્લાહ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ કે સાથ સોમવાર કે દિન મસ્જીદે કુબાકી તરફ નિકલા. જબ હમ બની સાલિમ કે મુહલ્લેમેં પહોંચે તો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ હજરત ઉત્બાન બિન માલિક રદીઅલ્લાહો અન્હો કે દરવાજે પર ખડે હુએ ઔર ઉસે આવાઝ દી, વો અપની તહબંદ બાંધતે હુએ નિકલ આયે, આપને ફરમાયા, “હમને તુમ્હેં જલ્દીમેં બુલા લીયા.”

હજરત ઉત્બાનને કહા, “યા રસૂલુલ્લાહ ! સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ અગર કોઈ શખ્સ અપની ઔરતસે હમબિસ્તરીમે હો ઔર મની નિકલનેસે પહેલે ઉસસે અલગ હો જાએ તો ઉસકા કયા હુકમ હૈ ?”

આપસલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ ને ફરમાયા, “ગુસ્લ, પાનીસે (મનીસે) વાજીબ હો જાતા હૈ.”

૬૮૪. અબુ સઈદ ખુદરી રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “પાની-પાનીસે (ગુસ્લ, મનીસે) વાજીબ હો જાતા હૈ.”

૬૮૫. અબીલ અલાઅમ બિન શિખ્ખીર રદીઅલ્લાહો અન્હોને કહા, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમકી એક હદીષકો દૂસરી હદીષ મન્સૂબ કર દેતી હૈ, જૈસે કુરઆન કી એક આયત દૂસરી આયતસે મન્સૂબ હો જાતી હૈ.

૬૮૬. અબુ સઈદ ખુદરી રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ એક અનસારી રદીઅલ્લાહો અન્હો કે મકાનસે ગુઝરે ઉનકો બુલાયા, વો આયે ઔર ઉન કે સરમૈસે પાની ટપક રહા થા.

આપસલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ ને ફરમાયા, “હમને તુમ્હેં જલ્દીમેં બુલા લીયા.”

ઉસને કહા, “હાં, યા રસૂલુલ્લાહ (સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ).”

આપને ફરમાયા, “જબ તુમ જલ્દી કરો યાને મની કે ઇન્જાલસે પહેલે ખડે હો જાઓ યા અમ્સાક હો ઔર મની ના નિકલે તો તુમ પર ગુસ્લ વાજીબ નહીં સિર્ફ વુઝુ કર લો.”

૬૮૭. ઉબૈય બિન કાઅબ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, મૈને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમસે પુછા, “અગર કોઈ મર્દ અપની ઔરત કે સાથ જીમાઅ કરે ફિર ઇન્જાલસે પહેલે ખડા હો જાએ (તો કયા કરે?)”

આપને ફરમાયા, “જો ઔરતસે લગા હો ઉસે ધો ડાલે ફીર વુઝુ કરે ઔર નમાઝ પઢે.”

૬૮૮. ઉબૈય બિન કાઅબ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “અગર કોઈ શખ્સ બીબીસે જીમાઅ કરે ઔર ઉસે ઇન્જાલ ના હુઆ હો તો વો અપને ઝકરકો ધો ડાલે ઔર વુઝુ કર લે.”

६८८. ज़ेद बिन आलीद ज़ुहनी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है उन्होने हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे पूछा, अगर कोछ शम्स अपनी बीबीसे सोहभत करे और मनी ना निकले (तो क्या करे)?

हजरत उस्मान रहीअल्लाहो अन्होने कहा, ये मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमसे सुना है “वो पुजु करे जैसा नमाज के लिये करता है और अकरको धो डाले.”

६८०. हजरत अबु अय्युब रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, उन्होने ये बात रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमसे सुनी है.

६८१. हजरत अबु हुर्रैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब मर्द औरत के चारो कौनो भैठे, (चारो कौनोसे हाथ पांव मुराह है या दो पांव, दो राने या शर्मगाह के चारो कौने) फिर उससे लगे (दाभिल करे अकर को) तो उस मर्द पर गुसल वाजुब हो गया.”

६८२. हजरत मतर की रिवायतमें धतना जयादा है, “अगरचे धन्जाल ना हुवा हो (औरत की शर्मगाहमें, मर्दका सुपारी ज़तना हिस्सा दाभिल हो गया तो दोनो मर्द और औरत पर गुसल वाजुब हो ज़अगेगा).”

६८३. हजरत अबु मुसा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मुहाजरीन और अन्सार की जमात के बीच धस मरअले पर धप्तेलाइ हुआ,

अन्सारने कहा, “गुसल तभाही वाजुब होता है जब मनी कुद कर निकले और धन्जाल हो.”

मुहाजरीनने कहा, “जब मर्द औरतसे सोहभत करे तो गुसल वाजुब है.”

अबु मुसाने कहा, मैं तुम्हारी तसल्ली किये देता हुं हडरो, मैं उठा और हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हो के घर पहुंचा और उनसे धज्जत मांगी, उन्होने धज्जत दी, मैंने कहा, “अय माँ ! या उम्मुल मुअमेनीन ! मैं तुमसे कुछ पुछना चाहता हुं लेकीन शर्म आती है.”

हजरत आयेशाने कहा, “तु शर्म मत कर पुछनेमें उस बातको जे अपनी सगी मांसे पुछ शकता है ज़स के पेटसे तुं पैदा हुआ है, मैं ली तेरी मां हुं.”

मैंने कहा, “गुसल कीससे वाजुब होता है?”

उन्होने कहा, “तुने अच्छी वाकिइ हस्तीसे सवाल किया है. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “जब मर्द औरत के चारो कौनोंमें भैठे और भत्ता भत्तासे मिल ज़अये तो गुसल वाजुब हो गया.” (अगरचे धन्जाल ना हुवा हो)

६८४. उम्मुल मुअमेनीन हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है जेक शम्सने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेहि व सल्लमसे पुछा, “अगरकोछ मर्द अपनी औरतसे जिमाअ करे और धन्जालसे पहले अकरको निकाल ले तो क्या दोनो पर गुसल वाजुब है?”

आपने इरमाया, “मैं और ये (हजरत आयेशा वहां भैठी थी उनकरी तरफ़ धशारा किया) जैसा करते है फिर गुसल कर लेते हैं.”

**भाष :- १३०** जो भाना आगसे पका हो उसे भानेसे वुजु दूट जाता है.

६९५. हजरत जैद बिन साबित रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमसे सुना आप इरमाते थे, “उस भानेको भानेसे जो आगसे पका हो वुजु लाजीम हो जाता है.”

हजरत एब्ने शिहाबने उमर बिन अब्दुलअजीजलसे उन्होंने अब्दुर्रहमान बिन एब्ब्राहिमसे उन्होंने अबु हुरैरह (रहीअल्लाहो अन्हुम)को मस्जिदमें वुजु करते हुअे देभा, उन्होंने कहा मैंने पनीर की टीकडी भाँष में षस लिये वुजु करता हुं मैंने सुना रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमसे आप इरमाते थे, “वुजु करो उस भानेसे जो आग पर पकाया गया हो.”

हजरत एब्ने शिहाबने सयद बिन ખालीदसे सुना, और वो उनसे ये हदीष भयान कर रहे थे सयदने कहा, मैंने उरवह बिन जुबैर रहीअल्लाहो अन्होसे पुछा, वुजुको आगसे प के हुअे भानेसे, उन्होंने कहा, मैंने हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे सुना रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “वुजु करो उस भानेसे (की भाने के भाँद) जो आगसे पका हो” हजरत एब्ने अब्बास

६९६. हजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने बकरी के दस्तका गोश्त भाया, फिर नमाज पढी और वुजु नहीं किया.

६९७. हजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने हड्डी पर लगा हुअा गोश्त या गोश्त भाया फिर नमाज पढी और वुजु नहीं किया और पानी नहीं छुआ.

६९८. अम्र बिन उमय्या हमरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है उन्होंने देभा रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमको अेक दस्तका गोश्त छूरीसे काट कर भा रहे थे फिर नमाज पढी और वुजु नहीं किया.

६९९. अम्र बिन उमय्या हमरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमको देभा, अेक बकरीका दस्त छुरीसे काट कर भा रहे थे, घतनेमें नमाज के लिये बुलाया गया, आपने छुरी डाल दी और नमाज पढी और वुजु नहीं किया.

७००. हजरत एब्ने अब्बास और उम्मुल मुअमेनीन मैमूनह रहीअल्लाहो अन्हुमसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लमने उन के पास दस्तका गोश्त भाया फिर नमाज पढी और वुजु नहीं किया.

७०१. हजरत अबु राईअ रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है मैं गवाह हुं मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेहि व सल्लम के लिये बकरी का ज़गर भूतता, (फिर वो भाते) फिर वो नमाज पढते और वुजु नहीं करते थे.

(વુઝુ નહીં બલ્કે કુલ્લી કરલી જાગ્યે, મુંહ સાફ હો જાગ્યે, કોઈ ચીઝ મુંહમ્ને ના રહે જીસે નિગલને કી જરૂરત પડે, વુઝુ ટૂટતા નહીં ઇસ પર અકસર ઉલમાઓંક્ર ઔર ઇમામોંકા જમ્હુર કૌલ હૈ.)

૭૦૨. હજરત ઇબ્ને અબ્બાસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને દૂધ પીયા, ફિર પાની મંગવાયા, ઔર કુલ્લી કી ઔર ફરમાયા, “દૂધસે મુંહ ચીકના હો જાતા હૈ.” (ઇસ લિયે કુલ્લી કરના મુસ્તહબ હૈ)

૭૦૩. ઇમામ મુસ્લીમ બયાન કરતે હૈ એક ઔર સનદસે ઉપર ગુજરી વૈસી હી હદીષ રિવાયત હુઇ હૈ.

૭૦૪. હજરત ઇબ્ને અબ્બાસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને કપડે પહેને ફિર નમાઝ કો નિકલે ઉસ વકત એક શખ્સ આપ કે પાસ ગોશ્ત ઔર રોટીકા તોહફા લાયા, આપને ત્રીન લુકમે ખાગ્યે ફિર નમાઝ પઢાઇ ઔર પાનીકો હાથ નહીં લગાયા.

૭૦૫. હજરત અબ્ર બિન અતા રદીઅલ્લાહો અન્હોસે ઉપર ગુજરી વૈસી હી હદીષ થોડે ફરક કે સાથ રિવાયત હુઇ હૈ.

### બાબ ૧૩૧ :- ઊંટકા ગોશ્ત ખાને કે બાદ વુઝુ કરનેકા બયાન

૮૦૬.. હજરત જાબિર બિન સમૂરહસે રિવાયત હૈ કે, એક શખ્સને પૂછા, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમસેકે, “કયા બકરીકા ગોશ્ત ખા કર વુઝુ કરું?”

આપસલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ ને ફરમાયા, “ચાહે તો કરો, ચાહે તો મત કરો”

ફીર ઉસને પૂછા, “ઊંટકા ગોશ્ત ખાકર વુઝુ કરું?”

આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ ને ફરમાયા, “હાં, ઊંટકા ગોશ્ત ખા કર વુઝુ કરો”

ઉસને કહા, “બકરીયોં કે થાનમ્ને નમાઝ પઢું?”

આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ ને ફરમાયા, “હાં”

ઉસને કહા, “ઊંટ કે થાનમ્ને (બિદ્દનેકી જગા) નમાઝ પઢું?”

આપ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ ને ફરમાયા, “નહીં”

૭૦૭.. એક ઔર સનદસે જાબિર બિન સમૂરહસી ઉપર ગુજરી વૈસી હી હદીષ થોડે ફરક કે સાથ રિવાયત હુઇ હૈ.

બાબ ૧૩૨: શખ્સકો વુઝુ યકીન હૈ, ફિર વુઝુ ટુટનેક્ર શક હો જાગ્યે તો,

વો ઉસી વુઝુસે નમાઝ પઢ શકતા હૈ.

૭૦૮... હજરત હજરત સઈદ ઔર ઇબાદ બિન તમીમને ઇબાદ કે ચચા ( અબ્દુલ્લાહ બિન ઝૈદ )સે રિવાયત કિયા, ઉન્હોને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમસે

शिकायत की के कभी आदमीको नमाज़में मालुम होता है के, उसको हफ़स (पुत्रु टुटनेका शक) हुआ.

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम ने इरमाया, “वो नमाज़ ना तौडे ज़ब तक हफ़स की आवाज़ ना सुने या ज़हबु ना सुंघे.”

हज़रत अबु ज़क और जुबैरने अपनी रिवायतोंमें अब्दुल्लाह बिन जैदका याने ज़बाह के अथाका नाम लिया है.

७०६. हज़रत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “ज़ब तुममेंसे कीसीको अपने पेटमें आलीश मालुम हो, फिर उसे शक हो के पेटमेंसे कुछ (गैस, हवा) निकली या नहीं तो मरज़ुहसे ना निकले ज़ब तक आवाज़ ना सुने या ज़हबु ना सुंघ ले.”

**भाष :- १३३ मुरदार ज़नवर की ज़ाल पकानेसे (दबागत करने, रंगने)से पाक हो जाती है.**

७१०. हज़रत ज़ब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हज़रत मैमूनह रहीअल्लाहो अन्हो की लौंडीको कीसीने ज़करी सफ़ेकेमें दी थी वो मर गध. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने उसको पडा हुआ देखा तो इरमाया, “तुमने इसकी ज़ाल क्यु (निकाल) ना उतार ली? दबागत कर के (ज़ालको कमा कर) काममें लाते.” असहाबने कडा, “या रसूलुल्लाह (सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम) वो मुरदार थी.”

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम ने इरमाया, “मुरदार ज़नवरका (शीई) जाना हराम है.”

७११. हज़रत ज़ब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने ज़ेक पडी हुध ज़करी देभी ज़ो हज़रत मयमूना रहीअल्लाहो अन्हो की लौंडीको सफ़ेकेमें भीली थी, नबीअे क़रीम सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “के तुम असहाबने इस की ज़ाल क्यु ना उतार ली ? इससे शयदा उठाते. असहाबने कडा ये मुरदार है. ”

आप सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम ने इरमाया, “मुरदार ज़नवरका (सिई) जाना हराम है.”

७१२. ज़ेक और सनहसे उपर गुज़री वैसे ही हदीष रिवायत हुध है.

७१३.. ज़ब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने ज़ेक पडी हुध ज़करी देभी ज़ो हज़रत मयमूना रहीअल्लाहो अन्हो की लौंडीको सफ़ेकेमें भीली थी, नबीअे क़रीम सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “के उन असहाबने उसकी ज़ाल क्यु ना उतार ली ? इससे शयदा उठाते.

७१४.. हज़रत ज़ब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, (रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम) हज़रत मयमूना रहीअल्लाहो अन्होने उनसे

जान किया, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमकी ओक बीबी के घरमें ओक ज्ञानवर पाला था वो मर गया तो आपने इरमाया, “तुमने इसकी जाल क्युं ना उतार ली, उसको काममें लाते.”

७१५.. हजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने हजरत मैमूनह रहीअल्लाहो अन्हो की लौंडी की बकरीको देभा, तो इरमाया, “तुमने इसकी जालमें शयदा क्युं नही उकाया?”

७१६.. हजरत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे सुना आप इरमाते थे, “जब जाल पर दबागत हो गइ तो वो पाक है”

७१७.. ओक और सनदसे उपर गुजरी वैसे ही हदीष रिवायत हुइ है.

७१८.. हजरत अबुल भैरसे रिवायत है के, मैंने एब्ने वअलाको ओक पोस्तीन (कमीज या श्रेट) पहने देभा तो (उसको) छु कर देभा.

उन्होंने कहा “क्युं छूते हो क्या इसको (तुम) नज्श जानते हो?”

मैंने हजरत अब्दुल्लाह बिन अब्बाससे इसक मसअला जान लिया था मैं ने कहा के, “हम मगरीब के मुदकमें रहेते हैं, वहां जर्जर के काफिर और आतीश परस्त जहोत है. वो जुज्ज कर के बकरी लाते हैं, हम तो उनका जुज्ज किया हुआ ज्ञानवर नहीं आते, और वो उनमें खरबी डाल कर मशकें लाते हैं, ”

हजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होने कहां हमने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे इस के (जारेमें) मसअला पूछा, आपने इरमाया, “दबागतसे वोह (जाल) पाक हो जाती है.”

७१९.. हजरत एब्ने वअला अससबाइसे रिवायत है मैंने अब्दुल्लाह बिन अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे पूछा, “हम मगरीब के मुदकमें रहेते हैं, वहां आतीश परस्त पानी की मश के लेकर आते है उनमें खरबी पडी होती है.”

तो उन्होंने कहा, “पीलो”

मैंने कहा, “क्या तुम अपनी रायसे कहेते हैं?”

उन्होंने कहा, “मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमसे सुना, आप इरमाते थे.” दबागतसे जाल पाक हो जाती है.

### आय १३४ :- तथम्मुमका ज्ञान

७२०. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के साथ सहरमें निकले, जब मन्नम जयदा, या ज़ातुल-जैस पहुंचे. तो भेरे गलेका हार तूट कर गीर गया और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम उसे दूढ़ने के लिये इक गम्मे, सहाबा भी इके, वहां पर पानी नहीं था और सहाबा के पास भी पानी नहीं था.

लोग हजरत अबु बक़ रहीअल्लाहो अन्हो के पास गये और कहेने लगे, “तुम देभते नही आयेशा रहीअल्लाहो अन्होने क्या किया है?” रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमको रोक दिया है और सड़ाभाको भी (रोक) दिया है. (अैसी जगह) जहां पानी नहीं है और उन सड़ाभा के पास भी पानी नहीं है.”

ये सुन कर हजरत अबु बक़ रहीअल्लाहो अन्हो मेरे पास आये और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम सर (मुबारक) मेरी जानु पर रभे हुये सो गये थे, तो उन्होने कडा, “तुने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमको और सड़ाभाको रोक रब्जा है. (अैसी जगह) यहां ना पानी है और ना सड़ाभा के पास पानी है. ” और उन्होने गुस्सा किया, और जे अल्लाहने याहा वो कहे दिया, और मेरी कोभमें खंडी देने लगे, मैं जरर हिलती भगर हुजुर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमका सर (मुबारक) मेरी जानु पर था. धस लियेमें हिल ना शकी. फिर आप सोते रहे, यहां तक के सुब्हा हो गध और कीसी के पास पानी ना था. तब अल्लाहने तयम्मुम की आयत नाजील इरमाध.

(धस पर) उसैद बिन हुजैर रहीअल्लाहो अन्हो जे नकीभोंमेसे अेक थे. (ये जयअते उकभावाले अन्सार हउरातमें जे बारह नकीभ मुकर्रर हुये थे उनमेंसे अेक थे) उन्होने कडा, “अय आले अबु बक़ ! ये तुम्हारी कोध पहेली भरकत नहीं है ” (याने मुसलमानोंको तयम्मुम की आयत नाजील होने के अलावा और भी भरकते हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्हो की तुकैल मिली है)

हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होने कडा, “ईर हमने उस उँटको उठाया जोस पर मैंसवार थी, तो हार उस के नीचेसे निकला.”

७२१. उम्मुल मुअमेनीन आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, उन्होने अेक हार अरभा रहीअल्लाहो अन्होसे मांग कर लिया था. वो भो गया. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने अपने सड़ाभामेंसे कुछ लोगोंको उसे दूहने के लिये भेजा, वहां पर नमाजका वकत हो गया, (और पानी नहीं था) तो उन्होने जेवुजु नमाज पढ ली. जब रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के पास लौट कर आये और शिकायत की उस वकत तयम्मुम की आयत नाजील हुध.

उसैद बिन हुजैर रहीअल्लाहो अन्होने हजरत आयेशा रहीअल्लाहो अन्होसे कडा के, “जुदा तुमको (जळा-अे-जैर ) अख्शा बहला दे, जब तुम पर कोध आइत आध तो अल्लाहने उसे टाल दिया. और मुसलमानों के लिये भरकत हासील हुध.”

७२२. शकीकसे रिवायत है के, मैं अब्दुल्लाह बिन मसउद रहीअल्लाहो अन्हो और अबु मुसा रहीअल्लाहो अन्हो के पास जैका हुआ था. अबु मुसा रहीअल्लाहो अन्होने कडा, “अय अबु अब्दुर्रहमान, (अब्दुल्लाह) अगर कीसी शख्सको जनाभत हो और अेक महिने तक पानी ना मिले तो वो नमाज के लिये क्या करे ?”

अब्दुल्लाह बिन मसउद रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “वो तयम्मुम ना करे, याहे किर अेक महिने तक पानी ना मिले.”

अबु मुसा रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “किर सू-अे-माघदहमें जो ये आयत है “इलम तजुदु.....”

तरजुमा :-जब तुमझे पानी ना मिल शके तो पाक मिट्टीसे तयम्मुम करे।

अब्दुल्लाह बिन मसउद रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “अगर इस आयतसे उनको जनाअतमें तयम्मुम की घजजत दे दी जअये तो किर वोह (लोग) धीरे धीरे पानी ढंडा ढोने की सूतमें ली तयम्मुम करने लगेंगे”

अबु मुसा रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “तुमने अम्मार की हदीष नहीं सुनी?” रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने मुजे अेक काम के लिये लेजा था, मैं वहा जनाअत वाला हो गया. और वहां पानी ना मिला तो मैं आकमें इस तरहां लोटा जैसे जानवर लोटते है. इस के बाद रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लम के आया और आपसे जयान किया, आपने इरमाया, “तुजे इस तरहां दोनो हाथसे करना काही था.”

किर आपने दोनो हाथ जमीन पर अेक बार मारे और जायें हाथको दाहिने हाथ पर मारा, किर हथेलियों की पुशत पर और मुंह पर मसह किया.

अब्दुल्लाह बिन मसउद रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “तुम जानते हो के हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्होने हजरत अम्मार रहीअल्लाहो अन्होकी हदीष पर हत्मीनान नहीं कीया था.”

७२३. अेक और सनहसे उपर गुजरी वंसी ही हदीष रिवायत हुध है. लेकीन इसमें हत्तना इरक है किर आपने दोनो हाथ जमीन पर अेक बार मारे और हाथो पर और मुंह पर मसह किया.”

७२४. अब्दुर्रहमान बिन अबज्जा रहीअल्लाहो अन्हो अपने वालिहसे रिवायत करते हैं, के अेक शअ्स हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्हो के पास आया और कहने लगा “मुजे जनाअत हुध और मुजे पानी नहीं मिला.”

आप रहीअल्लाहो अन्हो ने इरमाया, “नमाज मत पढना.”

अम्मारने कहा, “अय अमीरल मुअमेनीन !! आपको याह नहीं, जब आप और मैं लश्कर की अेक टुकडीमें थे किर हमें जनाअत हुध और पानी ना मिला, आपने तो नमाज नहीं पढी मगर मैं भीट्टीमें लोटा और नमाज पढ ली रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व आलेहि व सल्लमने इरमाया, “तुजे काही था अपने दोनो हाथ जमीन पर मारना किर उनको कुंकना किर, मसह करना मुंह पर और दोनो पहोंचो पर”

हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्होने कहा, “अय अम्मार जुदासे डर.” अम्मारने कहा, “अगर आप कहें तो मैं ये हदीष जयान नहीं करंगा.”

એક રિવાયતમાં હૈ કે, હજરત ઉમર રદીઅલ્લાહો અન્હોને કહા “તુમહારી રિવાયતકા બોઝ તુમહારે હી ઉપર હૈ.”

૭૨૫. અબ્દુર્રહમાન બિન અબજા અપને વાલિદ્દસે રિવાયત કરતે હૈ કે, એક શખ્સ હજરત ઉમર રદીઅલ્લાહો અન્હો કે પાસ આયા ઓર ઉસને કહા, “મુજે જનાબત હુઇ ઓર પાનીના મિલા, ફિર હદીષકો જેસે ઉપર ગુજરી હૈ વૈસે હી બયાન કિયા. ઇસીને ઇતના ઇજ્ઞા હૈ, કે અમ્માર રદીઅલ્લાહો અન્હોને કહા, “અય અમીરલ મુઅમેનીન !! ખુદાને આપ કી ઇતાઅત મુજ પર વાજીબ કી, અગર આપ કહૈંગે તો મૈં યે હદીષ કીસીસે ભી બયાન નહીં કરૂંગા.”

૭૨૬. ઉમૈર રદીઅલ્લાહો અન્હો જે કે અબ્દુલ્લાહ ઇબને અબ્બાસ રદીઅલ્લાહો અન્હો કે આઝાદ કરદા ગુલામ થે ઉનસે રિવાયત હૈ કે, મૈં ઓર અબ્દુર્રહમાન બિન યસાર, ઉમ્મુલ મુઅમેનીન મૈમુનહ (રદીઅલ્લાહુ અન્હુમ) કે મૌલા અબુલ જહમ બિન હારીષ રદીઅલ્લાહો અન્હો કે પાસ ગએ, અબુલ જહમને કહા, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ બીરે-જમલ કી તરફસે આ રહે થે રાહમૈં એક શખ્સ મિલા. ઉસને આપકો સલામ કિયા, આપને જવાબ નહીં દિયા, યહાં તક કે એક દિવાર કે પાસ આએ ઓર મુંહ ઓર દોનોં હાથોં પર મસહ કિયા ફિર સલામકા જવાબ દિાય.

૭૨૭.. ઇબને ઉમર રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ પેશાબ કર રહે થે કે એક શખ્સ નિકલા ઓર ઉસને આપકો સલામ કિયા, આપને જવાબ નહીં દિયા.

હજરત

### બાબ ૧૩૫ :- મુસલમાન નજીશ નહીં હોતા ઇસ દલીલ કે બયાનમૈં

૭૨૮. અબુ હુરૈરહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, વો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમકો મદીના શરીફ કી એક રાહમૈં મિલે, ઓર વો જનાબત વાલે થે તો વહાંસે હટ ગએ ઓર ગુસલ કરને ચલે ગએ.

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ઉનકો ઢૂંઢા, જબ વો આએ તો પુછા, “કહાં થે?”

ઉન્હોંને કહા, “યા રસૂલુલ્લાહ ! જબ આપ મુજે મિલે થે ઉસ વકત મૈં જનાબતવાલા થા તો મૈંને આપ કે પાસ બૈઠના અચ્છા નહીં સમજા જબ તક કે ગુસલ ના કર લું.”

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “સુબ્હાનઅલ્લાહ! મોમીન કભી નજીશ નહીં હોતા હૈ.”

૭૨૯. હુઝૈફા રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહિ વ સલ્લમ ઉનકો મિલે ઓર વો જુનુબી થે તો વો પરે હટ ગએ, ફિર ગુસલ કિયા ઓર આએ ઓર કહા કે, “મૈં જુનુબી થા.”

આપને ફરમાયા, “મુસલમાન નજીશ નહીં હોતા.”